बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कर... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तापसी पन्नू ने टाइपकास्ट किए... 11

वर्ष - 01, अंक - 330 | गाजियाबाद / मंगलवार 03 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग में 550 से ज्यादा मौतें, सैकड़ों घायल

- कुवैत ने तबाह किए तीन अमेरिकी जेट विमान
- ब्रिटिश प्रधानमंत्री से नाराज हुए ट्रंप

तेहरान/येरुशलम (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग तीसरे दिन भी जारी रही। इस युद्ध में ईरान में जहां 550 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और 700 से ज्यादा घायल हैं। वहीं तीन अमेरिकी सैनिके मारे गए हैं। इस बीच कुवैत के एयरडिफेंस सिस्टम ने गलती से तीन अमेरिकी विमानों को दुश्मन समझकर तबाह कर दिया। हालांकि सभी अमेरिकी पायलट सुरक्षित हैं। दूसरी तरफ ईरान ने साइप्रस में ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के अक्रोटिरी बेस पर ड्रोन हमला किया। हमले में बेस को मामूली नुकसान पहुंचा। वहीं खामनेई की मौत से गुस्साए ईरान ने मिडिल-ईस्ट के 4 देशों बहरीन, इराक, यूएई और कुवैत में 6 अमेरिकी बेस पर हमला किया। इसके साथ ही ईरान ने सऊदी अरब के दम्माम स्थित तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला किया, जिससे वहां आग लग गई। इसके बाद सऊदी अरामको कंपनी की रास तनूरा रिफाइनरी को कुछ समय के लिए बंद कर दिया। युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प मिलिट्री बेस डिएगो गॉर्सिया के इस्तेमाल की मंजूरी में देरी को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से नाराज हो गए।

युद्ध का असर

- बहरीन में भारतीय वीजा और पासपोर्ट सर्विस बंद
- भारत में दो दिन से 750 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं कैंसिल हुईं।
- दिल्ली, मुंबई, कोच्चि, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर, अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स पर हजारों यात्री फंसे।

सऊदी अरब में फंसे महाराष्ट्र के पांच हजार उमरा जायरीन

मुंबई (एजेंसी)। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच उड़ानों के निलंबित होने से महाराष्ट्र में मुंबई और अन्य हिस्सों से लगभग पांच हजार उमरा जायरीन सऊदी अरब में फंसे हुए हैं। हाल के अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों, विशेष रूप से अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ कथित हमले के कारण अनिश्चितता उत्पन्न हुई है और हवाई संपर्क बाधित हुआ और जायरीनों की वापसी प्रभावित हुई है। सूत्रों के अनुसार, इनमें से अधिकतर जायरीनों ने अपनी 15 दिवसीय उमरा यात्रा पूरी कर ली थी और घर लौटने की तैयारी कर रहे थे लेकिन अचानक परिचालन में बदलाव और कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के रद्द होने के कारण वे वापस यात्रा करने में असमर्थ हैं। इनमें से कई लोग फिलहाल जेद्दा और मक्का में हैं और आगे के अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। साथ ही रमजान के आखिरी दो अशरा के दौरान नए जायरीनों के प्रस्थान को भी रोक दिया गया।

भारत को यूरेनियम देगा कनाडा

एआई और सेमीकंडक्टर सहित कई समझौतों पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा ने साल 2030 तक आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। दोनों देशों ने सोमवार को यूरेनियम आपूर्ति में सहयोग के लिए 2.6 अरब डॉलर के एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए और व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को जल्द अंतिम रूप देने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच हुई वार्ता के बाद यह फैसला किया गया। यूरेनियम डील से भारत के सिविल न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम के लिए लंबे समय तक फ्यूल की सप्लाई सुनिश्चित होगी। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच लॉन्ग टर्म यूरेनियम सप्लाई के ऐतिहासिक डील हुई है। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि दोनों देश भविष्य की तकनीकों पर मिलकर काम करेंगे। भारत और कनाडा एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), क्वांटम कंप्यूटिंग, सुपरकंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर्स के क्षेत्र में आपसी सहयोग को और अधिक विस्तार देंगे। अंतरिक्ष के क्षेत्र में दोनों देशों के स्टार्टअप्स और निजी उद्योगों को एक-दूसरे से जोड़ने की योजना है। सहयोग के मुख्य क्षेत्रों में हाइड्रोकार्बन्स, रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और एनर्जी स्टोरेज (ऊर्जा भंडारण) शामिल होंगे।

पीएम मोदी ने बहरीन किंग और सऊदी प्रिंस से की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान हमलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बहरीन के किंग हमाद बिन ईसा अल खलीफा और सऊदी के क्राउन प्रिंस और पीएम मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद से बात की और भारतीयों की सुरक्षा को लेकर उनसे चर्चा की। पीएम मोदी ने इन दोनों देशों पर हुए हमलों की निंदा की और दोनों देशों में भारतीय समुदाय की सुरक्षा को लेकर चर्चा की।

हिजबुल्लाह के खुफिया मुख्यालय प्रमुख की मौत

यरूशलम (एजेंसी)। हिजबुल्लाह के खुफिया मुख्यालय के प्रमुख हुसैन मकलेद इजराइल के हमले में सोमवार को बेरुत में मारे गए। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) के अनुसार, लेबनान से इजराइल पर दागे गए रॉकेटों के जवाब में आईडीएफ ने बेरुत में हिजबुल्लाह के वरिष्ठ आतंकवादियों, दर्जनों केंद्रों और हथियार जमा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक स्थल पर सटीक हमला किया था।

शेयर बाजार को बड़ा झटका

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनैतिक संकट के कारण घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को बड़ी गिरावट देखी गई और बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स छह महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स 1,048.34 अंक (1.29 प्रतिशत) लुढ़ककर 80,238.85 अंक पर बंद हुआ, जो 02 सितंबर 2025 के बाद का निचला स्तर है। सुबह सूचकांक 2,743.46 अंक नीचे 78,543.73 अंक पर खुला था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 312.95 अंक यानी 1.24 प्रतिशत उतरकर इस साल 01 फरवरी के बाद के निचले स्तर 24,865.70 अंक पर रहा।

खामेनेई की पत्नी की भी मौत

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के बाद उनकी पत्नी मंसूरे खोजस्ते बागेरजादेह की भी मौत हो गई। ईरान की तसनीम समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। बताया जा रहा है कि इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गईं थी। घायलावस्था में उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां सोमवार को वे ज़िंदगी की जंग हार गई।

कच्चा तेल 10% महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में गहराए भू-राजनैतिक संकट के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोमवार को कच्चा तेल 10 प्रतिशत महंगा हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 31 मार्च का लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 10.3 प्रतिशत चढ़कर 80.18 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी क्रूड का 20 मार्च का वायदा 9.33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 73.27 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इजरायल और अमेरिका की ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया में हालात चिंताजनक हो गए हैं। इस बीच, आठ ओपेक प्लस देशों ने रविवार को वर्चुअल बैठक में उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया ।

खामेनेई की मौत पर गुस्सा, कराची में विरोध प्रदर्शन, 23 मरे, कई घायल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त मिसाइल हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई की मौत के बाद पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में हुए प्रदर्शनों के दौरान 23 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। रिपोर्टों के अनुसार, कराची स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर झड़पों में 10 लोगों की मौत हुई, जबकि गिलगित-बाल्टिस्तान के स्कर्दू में 11 लोगों की जान गई। राजधानी इस्लामाबाद में दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई।

अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमले में खामेनेई की हत्या की पुष्टि के बाद विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। विभिन्न

संगठनों ने इन विरोध प्रदर्शनों का आह्वान किया था। कराची में प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'इजराइल मुर्दाबाद' के नारे लगाए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए गोलीबारी की और आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य द्वार के बाहर एक वाहन को आग लगा दी तथा पुलिस चौकी और कई मोटरसाइकिलों को तोड़ दिया।

पुलिस ने आंसू गैस और फायरिंग के जरिए भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। चिकित्सा रिपोर्टों के अनुसार, कई घायलों को पत्थरबाजी और लाठीचार्ज से चोटें आईं, जबकि 26 लोगों को गोली लगने की पुष्टि हुई है। पांच पुलिसकर्मी और तीन अन्य व्यक्ति भी घायल हुए। सभी अस्पतालों में आपातकाल घोषित किया गया। स्कर्दू में प्रदर्शनकारियों ने संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में आग लगा दी।

चंडीगढ़ पासपोर्ट कार्यालय को उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में पासपोर्ट कार्यालय और कुछ अन्य स्थानों पर बम धमाके करने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से हड़कंप मच गया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सेक्टर 34 स्थित पासपोर्ट कार्यालय और कुछ स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और पूरे क्षेत्र में जांच अभियान चलाया गया। वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच अभियान की निगरानी की। जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

ईपीएफ पर ब्याज दर 8.25% बनी रहेगी

निष्क्रिय खातों के स्वचालित निपटान की पायलट योजना मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के भविष्य निधि योजना कोष का प्रबंधन करने वाले श्रम मंत्रालय के कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) खातों में जमा राशि पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ब्याज दर को 8.25 प्रतिशत पर बनाये रखने की सिफारिश की है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भी ईपीएफ पर ब्याज इतना ही रखा गया था। ब्याज दर की इस सिफारिश को वित्त मंत्रालय की औपचारिक स्वीकृति के बाद लागू किया जाएगा। श्रम मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी मंडल की सोमवार को हुई 239वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बैठक में 1,000 रुपये या उससे कम की जमा राशियों वाले निष्क्रिय ईपीएफ खातों में दावा निपटान की स्वतः संचालित व्यवस्था के लिए एक पायलट परियोजना शुरू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी।

सीएम धामी के आवास में लोक रंगों के संग सजी होली

गढ़वाल, कुमाऊं और जौनसार के कलाकारों ने बांधा समां

- राज्य सरकार लोक संस्कृति को संरक्षण और प्रोत्साहन देने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आवास में सोमवार को होली मिलन कार्यक्रम के दौरान लोक रंगों की अनुपम छटा बिखरी। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से पहुंचे लोक कलाकारों और होल्यारों ने पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य प्रस्तुतियों से माहौल को उत्सवमय बना दिया।

मुख्यमंत्री आवास का प्रांगण सुबह से ही रंगों और लोकधुनों से सराबोर नजर आया। गढ़वाल, कुमाऊं और जौनसार क्षेत्र से आए कलाकारों ने अपनी-अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। एक ओर जौनसार के कलाकार हारूल नृत्य की प्रस्तुति दे रहे थे, तो दूसरी ओर कुमाऊंनी होल्यारों की टीम पारंपरिक होली गीतों की धुन में मग्न थी। पौड़ी जिले के राठ क्षेत्र से आई सांस्कृतिक टोली ने भी अपने लोकगीतों से दर्शकों का मन मोह लिया।

ढोल-दमाऊं, मंजीरे और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर संगत के बीच आओ दगड़ियो, नाचा-गावा, आ गई रंगीली होली और आई डांड्यू बसंत, डाली मा मौल्यार जैसे लोकगीतों की गूंज से वातावरण गूंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में आम और खास सभी ने मुख्यमंत्री को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी भी लोक कलाकारों के साथ रंगों में रंगे नजर आए। उन्होंने कलाकारों के साथ होली खेली और लोकधुनों पर थिरकते हुए प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में पहुंचे लोक कलाकारों ने कहा कि राज्य सरकार लोक संस्कृति को संरक्षण और प्रोत्साहन देने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने लोक परंपराओं को सहेजने के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी ईरान के खिलाफ कार्रवाई को तैयार

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के बीच कहा है कि वे ईरान के खिलाफ 'आवश्यक और आनुपातिक रक्षात्मक कार्रवाई' के लिए तैयार हैं। तीनों देशों की ओर से रविवार को जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि हम क्षेत्र में अपने और अपने सहयोगियों के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाएंगे, जिसमें आवश्यक और आनुपातिक रक्षात्मक कार्रवाई सक्षम करना शामिल हो सकता है, ताकि ईरान की मिसाइल और ड्रोन दागने की क्षमता को उनके स्रोत पर नष्ट किया जा सके।

बयान में कहा गया कि इस

मुद्दे पर तीनों देश अमेरिका और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर काम करेंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि ब्रिटेन ने अमेरिकी अनुरोध स्वीकार करते हुए अपने ठिकानों के उपयोग की अनुमति 'विशिष्ट और सीमित रक्षात्मक उद्देश्य' के लिए दी है। स्टारमर ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में हमारे साझेदारों ने हमसे उनकी रक्षा के लिए और अधिक करने का आग्रह किया है। समन्वित रक्षात्मक अभियानों के तहत ब्रिटेन के जेट विमान पहले से ही हवा में हैं और उन्होंने ईरानी हमलों को सफलतापूर्वक रोका है। उन्होंने कहा कि खतरे को रोकने का एकमात्र तरीका मिसाइलों को उनके स्रोत पर नष्ट करना है, चाहे वे भंडारण डिपो में हों या लॉन्चर पर। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रिटेन ईरान पर प्रारंभिक हमलों में शामिल नहीं था और अब भी किसी आक्रामक सैन्य कार्रवाई में शामिल नहीं होगा।

सीएम नायब सिंह सैनी ने बतौर वित्त मंत्री पेश किया हरियाणा का बजट

प्रदेश के एक लाख युवाओं को एआई प्रशिक्षण के बाद मिलेंगी नौकरियां

- किसानों के लिए 'हरियाणा एग्री डिस्कॉम' नाम से तीसरी बिजली कंपनी बनेगी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को विधानसभा में बतौर वित्त मंत्री 2,23,658.17 करोड़ का बजट पेश किया। यह पिछले बजट की तुलना में 10.28 फीसदी अधिक रहा। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि प्रदेश में एक लाख युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की ट्रेनिंग देने के बाद नौकरी दी जाएगी। प्रदेश में एग्री डिस्कॉम नाम से नया बिजली निगम बनाया जाएगा, जिसके तहत किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन दिए जाएंगे। हर

नारी, स्वस्थ नारी योजना के तहत, हर जिले में स्वस्थ नारी क्लीनिक बनाए जाएंगे। नए जिले हांसी को मॉडर्न जिले के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने 2000 नए बीटा बूथ खोलने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इसमें स्वयं सहायता समूह चलाने वाली महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इन बूथों में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 20% आरक्षण दिया जाएगा। हरियाणा रोडवेज द्वारा 50 नई इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की जाएगी। ये बसें गुरुग्राम और चंडीगढ़ से मुख्य धार्मिक स्थलों पर जाएंगी। इसके अलावा, महिला अपने नाम पर गाड़ी खरीदती है, तो उन्हें टैक्स में 1% की छूट मिलेगी। पुलिस भर्ती में अग्निवीरों के लिए 20 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव रखा है। अगले साल 1300 अग्निवीरों की पुलिस में विशेष भर्ती होगी। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का दायरा बढ़ाया गया। 25 सितंबर 2026 से इस योजना का फायदा उन परिवारों को भी मिलेगा जिनकी सालाना कमाई 1.80 लाख रुपए तक है। इसके लिए 6,500 करोड़ रुपए का बजट रखा गया।

ये भी हुए ऐलान

- किसानों को सीधा बाजार देने के लिए प्रदेशभर में 'ग्रामीण हाट मंडियां' स्थापित होंगी।
- अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ेगी।
- एकल आंख विधि से गन्ने की बिजाई पर प्रोत्साहन राशि बढ़ाकर 5,000 रुपए प्रति एकड़।
- पंचकूला, यमुनानगर, करनाल, सोनीपत, रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद, हिसार, चरखी दादरी व नारनौल की जिला मंडियों में जैविक किसानों को उपज बेचने के लिए विशेष स्थान मिलेगा।
- हिसार में 30 करोड़ रुपए की लागत से हरियाणा पशु चिकित्सा महामारी विज्ञान केंद्र बनेगा।
- रेवाड़ी और अंबाला में दो नए मिल्क प्लांट बनेंगे।
- 8 नई फूड टेस्टिंग लैब स्थापित होंगी। साथ ही करनाल में 8 करोड़ रुपए से एनएबीएल प्रमाणित दूध व खाद्य परीक्षण लैब बनेगी।
- हरियाणा दिवस 1 नवंबर, 2026 तक सभी राजकीय विद्यालयों में डबल डेस्क की व्यवस्था होगी।

टूरिस्ट बस बनी आग का गोला, बाल-बाल बचे यात्री

बागपत (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में बड़ौत नगर के पास दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर सोमवार सुबह एक टूरिस्ट बस शॉर्ट सर्किट के कारण आग का गोला बन गई। चालक की सूझबूझ से बस में सवार छह लोग बाल-बाल बच गए, जबकि बस पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। बस चालक सहेंद्र पाल ने बताया कि वह कंपनी के कर्मचारियों को लेने मुजफ्फरनगर गए थे और वहां से वापस बागपत लौट रहे थे।

जैसे ही बस बड़ौत क्षेत्र में बावली गांव के निकट पहुंची, अचानक वाहन से धुआं निकलने लगा। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए चालक ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त बस को सड़क किनारे कर यातायात को सुचारु कराया। वहीं फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

होली पर महिलाओं-बेटियों को चार बड़ी सौगात, राष्ट्रपति ने किया योजनाओं का शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में होली के अवसर पर महिलाओं और बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में दिल्ली सरकार की चार महत्वाकांक्षी योजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा हेतु 'सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड', होली-दीवाली पर मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर, 'दिल्ली लखपति बिटिया योजना' तथा 'मेरी पूंजी मेरा अधिकार' योजना शामिल हैं।

'सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली' नामक इस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना, केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, डॉ. पंकज सिंह और मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर 'मेरी पूंजी मेरा अधिकार' योजना के अंतर्गत लाडली योजना की लाभार्थी सोनल, सीमा, किरण, ईशा और वंदना को परिपक्वता राशि के चेक प्रदान किए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 'नारी वंदन' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली सरकार महिलाओं और बालिकाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

महिलाओं के लिए 'सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड'

इस योजना के तहत दिल्ली की महिला निवासियों को दिल्ली परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह कार्ड मेट्रो, क्षेत्रीय तीव्र परिवहन प्रणाली तथा अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में भुगतान कर यात्रा करने के लिए भी उपयोगी होगा। कार्ड का पूरा खर्च दिल्ली सरकार वहन करेगी और इसे स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली से जोड़ा जाएगा।

दिल्ली लखपति बिटिया योजना

बालिका जन्म को प्रोत्साहित करने और उसकी शिक्षा के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु योजना का पुनर्गठन किया गया है। अब बालिका के नाम विभिन्न चरणों में कुल 56 हजार रुपये जमा किए जाएंगे, जो ब्याज सहित 21 वर्ष की आयु पर एक लाख रुपये से अधिक हो जाएंगे।

होली और दीवाली पर दो मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर

इस योजना के अंतर्गत राशन कार्ड धारक परिवारों को वर्ष में दो बार रसोई गैस सिलेंडर की राशि सीधे उनके आधार से जुड़े बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी। इससे लगभग साढ़े 15 लाख परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

'मेरी पूंजी मेरा अधिकार' के तहत लाडली योजना की परिपक्वता राशि

दिल्ली लाडली योजना की 40,642 पात्र लाभार्थियों को 100.25 करोड़ रुपये की राशि डिजिटल माध्यम से उनके खातों में हस्तांतरित की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना और महत्वपूर्ण चरणों पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा, सुरक्षित आवागमन और आर्थिक सहायता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना विकसित समाज की आधारशिला है। इन योजनाओं से राजधानी की लाखों महिलाओं और बालिकाओं को सीधा लाभ मिलेगा और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन आएगा।

इग्नू में प्रवेश की अंतिम तिथि अब 15 मार्च तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने जनवरी 2026 सत्र के लिए मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 मार्च 2026 कर दी है। यह विस्तार प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों और सेमेस्टर आधारित कार्यक्रमों को छोड़कर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी मुक्त एवं दूरस्थ तथा ऑनलाइन पाठ्यक्रमों पर लागू होगा। विश्व की सबसे बड़ी मुक्त विश्वविद्यालय के रूप में इग्नू देश और विदेश के विद्यार्थियों को लचीली, किफायती और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा और परास्नातक डिप्लोमा स्तर के अनेक कार्यक्रम संचालित करता है। विश्वविद्यालय की सुदृढ़ विद्यार्थी सहयोग व्यवस्था, डिजिटल अध्ययन सामग्री तथा क्षेत्रीय और अध्ययन केंद्रों का व्यापक नेटवर्क समाज के विभिन्न वर्गों के लिए उच्च शिक्षा को सुलभ बनाता है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन करने से पहले प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध पात्रता संबंधी शर्तों और पाठ्यक्रम की जानकारी को ध्यानपूर्वक पढ़ लें और बढ़ी हुई अंतिम तिथि का लाभ उठाते हुए समय सीमा से पूर्व प्रवेश की सभी औपचारिकताएं पूरी कर लें। अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर संपर्क किया जा सकता है।

समयपुर बादली मेट्रो स्टेशन के प्रवेश द्वार पर अतिक्रमण से यात्रियों को परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। समयपुर बादली मेट्रो स्टेशन के प्रवेश द्वार पर स्ट्रीट वेंडरों और ई-रिक्शा चालकों के अतिक्रमण के कारण यात्रियों को स्टेशन में प्रवेश करने और बाहर निकलने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ई-रिक्शा चालक गलत दिशा में वाहन चलाते हुए गेट के सामने इस प्रकार खड़े हो जाते हैं कि प्रवेश मार्ग तक दिखाई नहीं देता। इसके चलते न केवल मेट्रो स्टेशन का मुख्य मार्ग बाधित हो रहा है, बल्कि भारतीय रेल के बादली स्टेशन तक जाने वाला रास्ता भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीण यात्री परिषद के अध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने इस समस्या को लेकर दिल्ली मेट्रो रेल निगम, दिल्ली यातायात पुलिस और दिल्ली नगर निगम को अवगत कराया है। उन्होंने मांग की है कि समयपुर बादली मेट्रो स्टेशन के प्रवेश द्वार से ई-रिक्शा और स्ट्रीट वेंडरों को स्थायी रूप से हटाकर इस स्थान को टो-अवे क्षेत्र घोषित किया जाए, ताकि यात्रियों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

नशे की लत पूरी करने के लिए झपटमारी करने वाले तीन पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य दिल्ली के पहाड़गंज थाना पुलिस ने नशे की लत पूरी करने के लिए झपटमारी करने वाले गिरोह के दो नाबालिग समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरोह ने हाल ही में एक युवक से मोबाइल झपटकर उसे राहगीर को बेच दिया था। पकड़े गए आरोपित की पहचान सदर बाजार निवासी गौतम उर्फ गोमची के रूप में हुई है, जबकि पुलिस झपटे गए मोबाइल को ट्रेस कर बरामद करने का प्रयास कर रही है। पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल के अनुसार 20 फरवरी को शिकायतकर्ता ने बताया था कि वह नबी करीम से पैदल अपने घर लौट रहा था, तभी तीन से चार युवक उसके पास आए और उसका मोबाइल झपटकर फरार हो गए। मामला दर्ज कर पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिरों को सक्रिय किया। इसके बाद गुप्त सूचना के आधार पर 23 फरवरी को मोतिया खान, पहाड़गंज क्षेत्र से तीनों आरोपितों को दबोच लिया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

मध्य पूर्व संकट का असर :आईजीआई पर 87 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द, हजारों यात्री प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में अमेरिका-इज़रायल-ईरान तनाव के बढ़ने और कई देशों द्वारा अपने हवाई क्षेत्र में प्रतिबंध लगाए जाने के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अब तक 37 प्रस्थान और 50 आगमन सहित कुल 87 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं, जिससे हजारों यात्रियों की यात्रा प्रभावित हुई है। लगातार तीसरे दिन बड़े पैमाने पर उड़ानों के रद्द होने और समय में बदलाव से हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। एयर इंडिया और इंडिगो सहित कई विमानन कंपनियों ने संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और इज़रायल के लिए अपनी सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी हैं। पश्चिम एशियाई देशों के हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण विमान कंपनियों को या तो उड़ानें रद्द करनी पड़ रही हैं या मार्ग बदलना पड़ रहा है। दिल्ली हवाई अड्डा प्रशासन ने यात्रियों के लिए परामर्श जारी कर उन्हें हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की ताज़ा स्थिति संबंधित विमानन कंपनी से अवश्य जांचने को कहा है। अधिकारियों के अनुसार स्थिति सामान्य होने तक और उड़ानों के रद्द या विलंबित होने की संभावना बनी हुई है। हवाई अड्डे पर फंसे यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। कई यात्रियों ने सामाजिक माध्यमों पर 14 से 20 घंटे तक प्रतीक्षा करने और विमानन कंपनियों से संपर्क करने में कठिनाई होने की जानकारी साझा की है। विमानन कंपनियां यात्रियों को वैकल्पिक उड़ान, मार्ग परिवर्तन और पुनर्निर्धारण की सुविधा देने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिम एशिया के हवाई मार्ग वैश्विक विमानन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए वहां उत्पन्न किसी भी सैन्य या राजनीतिक तनाव का सीधा प्रभाव अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ता है। फिलहाल हवाई अड्डा प्रशासन और विमानन कंपनियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास कर रही हैं।

एआई सम्मेलन में प्रदर्शन करने वाले नौ कार्यकर्ताओं को जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान शर्टलेस प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार इंडियन यूथ कांग्रेस के नौ कार्यकर्ताओं को दिल्ली की अदालत ने जमानत दे दी। पटियाला हाउस न्यायालय के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रवि ने कहा कि यह एक प्रतीकात्मक राजनीतिक विरोध था और मुकदमे से पहले हिरासत में रखना दोष सिद्ध होने से पहले दंड के समान होगा, जो आवश्यक नहीं है। न्यायालय ने कृष्णा हरि, नरसिंह यादव, कुंदन कुमार यादव, अजय कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह यादव, राजा गुर्जर, अजय कुमार विमल उर्फ बंटू, सौरभ सिंह और अरबाज खान को जमानत प्रदान की। आदेश में कहा गया कि प्रदर्शन के दौरान न तो किसी प्रकार की भड़काऊ या सांप्रदायिक नारेबाजी हुई और न ही संपत्ति को कोई नुकसान पहुंचाया गया। प्रदर्शनकारी नेतृत्व की तस्वीरों वाली टी-शर्ट पहनकर शांतिपूर्वक विरोध दर्ज कराने के बाद सुरक्षा कर्मियों की निगरानी में बाहर चले गए थे, जिससे किसी प्रकार की अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। अदालत ने यह भी कहा कि जांच की वर्तमान स्थिति में आरोपितों को हिरासत में रखने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसी टिप्पणी के साथ सभी नौ कार्यकर्ताओं को शर्तों के साथ जमानत दे दी गई।

आईजीआई एयरपोर्ट पर दो बड़ी कार्रवाई में 4.35 करोड़ रुपये से अधिक का सोना जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर कस्टम अधिकारियों ने सोना तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 4.35 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना जब्त किया है। दोनों मामलों में तीन विदेशी यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है और आगे की जांच जारी है। पहला मामला 26 फरवरी 2026 को दर्ज किया गया, जिसमें 39 वर्षीय चाड की एक महिला यात्री को पकड़ा गया। वह 25 फरवरी 2026 को अदीस अबाबा से फ्लाइट संख्या ईटी686 से नई दिल्ली पहुंची थी। कस्टम अधिकारियों ने संदेह के आधार पर उसे रोका और उसके सामान की तलाशी ली। जांच के दौरान उसके बैगेज में छिपाकर रखे गए 1843 ग्राम उच्च शुद्धता वाले सोने के आभूषण बरामद किए गए। जब्त सोने का कुल टैरिफ मूल्य 2,37,05,811 रुपये आंका गया। पूछताछ में यात्री ने स्वीकार किया कि उसने सीमा शुल्क का भुगतान किए बिना और जांच से बचने के उद्देश्य से सोने की तस्करी की थी। कस्टम अधिनियम, 1962 की धारा 110 के तहत सोना जब्त कर लिया गया है और धारा 104 के तहत उसे गिरफ्तार किया गया है। दूसरा मामला 23 फरवरी 2026 का है, जब एयरपोर्ट कस्टम्स प्रिवेंटिव विंग ने म्यांमार के दो पुरुष यात्रियों को पकड़ा। दोनों यात्री यांगून से फ्लाइट संख्या 8 एम 620 से दिल्ली पहुंचे थे। अंतरराष्ट्रीय आगमन हॉल के ग्रीन चैनल से गुजरते समय उन्हें रोका गया। व्यक्तिगत तलाशी और सामान की जांच के दौरान दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने सोने की छड़ों को अपने शरीर के अंदर छिपाया हुआ है। बाद में प्रत्येक यात्री के पास से चार-चार आयताकार सोने की छड़ें बरामद की गईं। कुल आठ गोल्ड बार का शुद्ध वजन 1329 ग्राम पाया गया, जिसका टैरिफ मूल्य 1,98,34,740 रुपये आंका गया। कस्टम विभाग के अनुसार दोनों मामलों में जब्त सोने की कुल मात्रा 3172 ग्राम है, जिसका संयुक्त टैरिफ मूल्य लगभग 4.35 करोड़ रुपये से अधिक बैठता है। अधिकारियों ने बताया कि तस्करी के इन मामलों की गहन जांच की जा रही है और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से संभावित संबंधों की भी पड़ताल की जा रही है।

खजूरी में केंद्रीय विद्यालय के नए भवन का भूमि पूजन, मुख्यमंत्री ने दी होली की शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के खजूरी क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय के नए भवन के निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद मनोज तिवारी, विधायक कपिल मिश्रा सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र में शिक्षा और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने करावल नगर क्षेत्र के लोगों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में यहां विद्यालयों की स्थिति अत्यंत खराब थी, सप्ताह में सीमित दिनों तक कक्षाएं चलती थीं और एक ही कक्ष में दो-दो कक्षाओं का संचालन होता था, किंतु अब व्यवस्था में व्यापक सुधार किया जा रहा है।

उन्होंने घोषणा की कि दिल्ली में पांच और केंद्रीय विद्यालय खोले जाएंगे। साथ ही होली के अवसर पर

रसोई गैस से संबंधित वादे को पूरा करने का उल्लेख करते हुए बताया कि जिन लाभार्थियों के राशन कार्ड आधार और बैंक खातों से जुड़े हैं, उनके खातों में राशि भेज दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां विश्व के कई देश संकट और अस्थिरता का सामना कर रहे हैं, वहीं भारत में लोग शांति और उल्लास के साथ त्योहार मना रहे हैं।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली के 42 विद्यालयों में एक लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और खजूरी में केंद्रीय विद्यालय का नया भवन क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा। केंद्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त विकास गुप्ता ने बताया कि नए भवन में लगभग एक हजार विद्यार्थियों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें सुरक्षा कक्ष, मां सरस्वती की प्रतिमा, दो संगणक प्रयोगशालाएं, लिफ्ट और खेल परिसर की व्यवस्था होगी।

विधायक कपिल मिश्रा ने कहा कि वर्तमान सरकार के नेतृत्व में यमुनापार क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर यमुनापार विकास बोर्ड को समाप्त करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने इसे पुनः प्रारंभ कर क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता दी है। साथ ही उन्होंने सोनिया विहार पुश्ते को चौड़ा करने की मांग भी उठाई।

दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा कि अब विकास केवल लुटियंस दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भी तेजी से कार्य हो रहा है। उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए कहा कि विद्यालय देश के भविष्य की नींव तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में शिक्षा के आधुनिकीकरण पर बल देते हुए घोषणा की कि दिल्ली के विद्यालयों में 100 से अधिक भाषा प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी, जहां उन्नत प्रौद्योगिकी के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न भाषाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का समापन क्षेत्र के विकास और शिक्षा के विस्तार के संकल्प के साथ हुआ।

मध्य पूर्व में बढ़ता तनाव विश्व शांति के लिए गंभीर चुनौती : जमीयत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने मध्य पूर्व की अत्यंत गंभीर और विस्फोटक स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अमेरिका और इज़राइल की आक्रामक तथा उकसाने वाली कार्रवाइयों से न केवल क्षेत्रीय शांति प्रभावित हुई है, बल्कि वैश्विक स्थिरता भी खतरे में पड़ गई है। उन्होंने ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई तथा उनके परिजनों और सहयोगियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए कहा कि किसी देश की नेतृत्व व्यवस्था को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों और समझौतों के विरुद्ध है और यह दुनिया को बर्बरता की ओर धकेलने के समान है। उन्होंने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद ईरान की जनता के दुख में बराबर की सहभागी है, साथ ही ईरान की ओर से क्षेत्र के अन्य देशों में की जा रही गतिविधियों पर भी चिंता जताते हुए वर्तमान समय में शांति, एकता और आपसी समन्वय की आवश्यकता बताई। मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि किसी भी राजनीतिक या अंतरराष्ट्रीय विवाद का समाधान हत्या और रक्तपात से संभव नहीं है और शक्ति के बल पर अपनी बात मनवाने के प्रयास केवल घृणा, प्रतिशोध और मानवीय त्रासदियों को जन्म देते हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल युद्धविराम, तनाव में कमी और सार्थक कूटनीतिक वार्ता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय और प्रभावी भूमिका निभाने की अपील की, ताकि क्षेत्र को और अधिक विनाश से बचाया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विश्व शक्तियों ने समय रहते बुद्धिमत्ता, न्याय और कूटनीतिक संतुलन का परिचय नहीं दिया तो इसके दुष्परिणाम किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद हर उस कदम का विरोध करती है जो दुनिया को अमानवीय युद्ध और अस्थिरता की ओर धकेलता हो और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान केवल बातचीत और तत्काल युद्धविराम से ही संभव है।

एनएसयूआई ने भारतीय युवा कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनएसयूआई ने भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब तथा आठ अन्य युवा कांग्रेस सदस्यों की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों और युवाओं की आवाज पर सीधा हमला बताया है। मीडिया को संबोधित करते हुए एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि उदय भानु चिब और अन्य युवा नेताओं को अपनी आवाज उठाने के कारण गिरफ्तार करना निंदनीय और शर्मनाक कृत्य है। हम मांग करते हैं कि प्रधानमंत्री तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें। ईरान की स्थिति पर बोलते हुए विनोद जाखड़ ने ईरान के सर्वोच्च नेता की लक्षित हत्या की कड़ी निंदा की तथा उनके परिवार, ईरान की जनता और विश्वभर के शिया समुदाय के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति सदैव विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और संप्रभुता के सम्मान के सिद्धांतों पर आधारित रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने भी इसी प्रकार का वक्तव्य जारी कर इन सिद्धांतों का समर्थन किया है। गिरफ्तारियों पर प्रतिक्रिया देते हुए गुजरात से विधायक जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि हम इस गिरफ्तारी की निंदा करते हैं और इस अन्याय के विरुद्ध संघर्ष जारी रखेंगे। आज एक गुजराती होने के नाते हमें शर्म महसूस हो रही है। हम प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग करते हैं। एनएसयूआई ने दोहराया कि वह लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

करुणामूलक आधार पर 86 आश्रितों को नौकरी, कर्मचारियों के हित सर्वोपरि : राजा इक़बाल सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने करुणामूलक आधार पर मृतक कर्मचारियों के 86 आश्रितों को नियुक्ति प्रदान की है। सभी को पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं विभाग में दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारी के पद पर नियुक्त किया गया है। महापौर राजा इक़बाल सिंह ने कहा कि यह कदम सेवा के दौरान अपने परिजन को खो चुके परिवारों को संबल देने की दिशा में उठाया गया है और निगम कर्मचारियों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। महापौर ने कहा कि निगम प्रशासन अपने कर्मचारियों को केवल कार्यबल नहीं, बल्कि परिवार का सदस्य मानता है। कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान और उनके परिवारों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगम में भाजपा की सरकार कर्मचारियों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं समिति के अध्यक्ष संदीप कपूर ने बताया कि पिछले एक वर्ष के दौरान 1460 सफाई कर्मचारियों को स्थायी किया गया है। इसके अतिरिक्त 562 मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को करुणामूलक आधार पर दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारी के पद पर नियुक्ति दी गई है। उन्होंने कहा कि पात्र आश्रितों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के लिए यह प्रक्रिया आगे भी तेज और पारदर्शी तरीके से जारी रहेगी।

सरकार के पास न अनुभव न दृष्टि, जनता को कर रही गुमराहः देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पिछले एक वर्ष से जनता को भ्रमित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास न तो शासन चलाने का अनुभव है और न ही कोई स्पष्ट दृष्टि, जिसके कारण लाडली योजना का नाम बदलकर लखपति बिटिया कर दिया गया। उनका कहना था कि 21 वर्ष की आयु पर एक लाख रुपये देने से बेटियों की उच्च शिक्षा का खर्च पूरा नहीं हो सकता, जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय में बी.टेक और बीबीए जैसे पाठ्यक्रमों की एक वर्ष की फीस ही पचास हजार रुपये से अधिक है और अन्य पाठ्यक्रमों में तीन वर्षों का खर्च इससे कहीं ज्यादा होता है। उन्होंने सरकार से पहले महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देने के वादे को पूरा करने की मांग करते हुए कहा कि मां सशक्त होगी तभी बेटी समृद्ध बनेगी। देवेन्द्र यादव ने यह भी सवाल उठाया कि जिस योजना का लाभ केवल उन परिवारों की बेटियों को मिलेगा जिनकी वार्षिक आय एक लाख बीस हजार रुपये तक है, उसका फायदा कितने लोगों को मिल पाएगा, जबकि अकुशल श्रमिक का मासिक वेतन 18,456 रुपये निर्धारित है जो वार्षिक दो लाख इक्कीस हजार से अधिक होता है। उन्होंने 229 करोड़ रुपये के ऋण संबंधी घोषणा को आंकड़ों का खेल बताया। साथ ही महिलाओं के लिए डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा हेतु पिंक कार्ड जारी करने में हो रही देरी पर भी सरकार की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाया और कहा कि एक वर्ष में बसों की संख्या बढ़ाने में सरकार पूरी तरह विफल रही है, जिसके कारण यात्रियों को घंटों बसों का इंतजार करना पड़ रहा है।

दूषित पानी और सीवर ओवरफ्लो से जूझ रहा बलबीर नगर, समाधान न होने पर लोगों

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के बलबीर नगर क्षेत्र में दूषित पानी की आपूर्ति और सीवर ओवरफ्लो की समस्या से स्थानीय निवासी लंबे समय से परेशान हैं। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि शिकायतें करने के बावजूद न तो जल बोर्ड के अधिकारी समाधान कर रहे हैं और न ही जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान दे रहे हैं, जिससे आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नई दिल्ली रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन बलबीर नगर के महासचिव मनोज अग्रवाल ने बताया कि बलबीर नगर विस्तार की कई गलियों में लंबे समय से बदबूदार और गंदा पानी आ रहा है, जो पीने योग्य तो दूर, घरेलू उपयोग के लायक भी नहीं है। इस संबंध में जल बोर्ड की हेल्पलाइन से लेकर संबंधित अधिकारियों तक कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सीवर लाइनें लगातार ओवरफ्लो हो रही हैं और गंदा पानी घरों में घुस रहा है, जिससे लोगों का जीवन दूभर हो गया है। हालात यह हैं कि जल बोर्ड के अधिकारी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के फोन तक नहीं उठा रहे, जबकि जनप्रतिनिधि भी इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं दिख रहे। मनोज अग्रवाल ने आरोप लगाया कि जल बोर्ड को लेकर राजनीतिक जिम्मेदारी तय नहीं होने से समस्या और बढ़ गई है। एक ओर इसे विधायक का कार्यक्षेत्र बताया जाता है, वहीं दूसरी ओर सरकार बदलने का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचा जा रहा है। इस खींचतान के बीच आम नागरिकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और जल मंत्री प्रवेश वर्मा से मांग की है कि क्षेत्र की इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाए, ताकि लोगों को दूषित पानी और सीवर की समस्या से राहत मिल सके। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

सत्ता विशेषाधिकार नहीं, पवित्र सार्वजनिक विश्वास है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सत्ता कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि एक पवित्र सार्वजनिक विश्वास है, जिसका उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने यह विचार 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप' के विद्यार्थियों को विधानसभा के ऐतिहासिक सदन में संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

'स्ट्रक्चर्ड फील्ड स्टडी' कार्यक्रम के अंतर्गत राजधानी पहुंचे 'कोहोर्ट नौ' के विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति केवल कानूनों में नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के नैतिक मूल्यों में निहित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं को राष्ट्र के भविष्य के शिल्पकार के रूप में देखें और जिम्मेदारी तथा विनम्रता के साथ आगे बढ़ें।

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी की इस पहल की सराहना करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि लोकतांत्रिक नेतृत्व के लिए युवाओं को प्रशिक्षित करने वाले संस्थान गणतंत्र को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक ज्ञान आधार प्रदान करता है, किंतु सार्वजनिक नीति और प्रशासन की जटिलताओं को समझने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं के भीतर का अनुभव आवश्यक है।

विकसित भारत के संकल्प पर बल देते हुए अध्यक्ष ने कहा कि यह केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, बल्कि समावेशी और पारदर्शी शासन की प्रतिबद्धता है। इसके लिए ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो राष्ट्रीय हित में साहसिक निर्णय लेने के साथ संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने की क्षमता रखता हो। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार विधायक, कुशल प्रशासक और जागरूक नागरिक मिलकर ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करते हैं।

विधानसभा की कार्यप्रणाली का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि सदन में होने वाली बहस, विचार-विमर्श और सूक्ष्म परीक्षण लोकतंत्र की आधारशिला हैं। विधायी प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि सरकार के निर्णय जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप हों। उन्होंने विद्यार्थियों को सदन के अनुशासन और आपसी सम्मान की परंपरा को समझने की प्रेरणा दी।

युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भविष्य का भारत उन नेताओं पर निर्भर करेगा जो राष्ट्र को स्वयं से ऊपर और कर्तव्य को सुविधा से ऊपर रखेंगे। उन्होंने तकनीकी और आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदनशीलता और नैतिक नेतृत्व की आवश्यकता पर भी बल दिया।

इस अवसर पर अध्यक्ष ने दिल्ली विधानसभा की आधुनिक पहलों की जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय ई-विधान अनुप्रयोग के माध्यम से सदन को पूर्णतः कागजरहित तथा सौर ऊर्जा संचालित 'हरित विधानमंडल' बनाया गया है। साथ ही विधानसभा को धरोहर स्थल के रूप में जनता के लिए खोलने की आगामी योजना तथा विधायकों के प्रदर्शन के आकलन हेतु 'नेशनल लेजिस्लेटिव इंडेक्स' के प्रस्ताव की

भी जानकारी दी, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिल रही है।

कार्यक्रम का समापन संवादात्मक सत्र के साथ हुआ। रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी और संस्थान के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। इस पहल के माध्यम से अकादमिक शिक्षा और लोकतांत्रिक संस्थाओं के व्यावहारिक अनुभव के बीच की दूरी को कम करने का प्रयास किया गया।

दिल्ली कला उत्सव 2026 का भव्य समापन, स्तरीय प्रस्तुतियों ने बनाया यादगार आयोजन

नई दिल्ली (शिखर समाचार) संस्कार भारती दिल्ली प्रांत द्वारा दिल्ली सरकार के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय दिल्ली कला उत्सव 2026 का भव्य समापन रवींद्र भवन, मंडी हाउस, नई दिल्ली में संपन्न हुआ। इस सांस्कृतिक महोत्सव ने राजधानी के कला प्रेमियों को एक सशक्त मंच प्रदान किया और अपनी उच्च स्तरीय प्रस्तुतियों के कारण व्यापक सराहना प्राप्त की। उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, संस्कार भारती के अखिल भारतीय सह-व्यवस्था प्रमुख एवं क्षेत्रीय संगठन मंत्री विजय कुमार तथा अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य अशोक तिवारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने भारतीय कला, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उत्सव के दोनों दिनों में शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय एवं लोक नृत्य, नाट्य मंचन, काव्य पाठ तथा विविध पारंपरिक कला रूपों का आकर्षक संगम देखने को मिला। सुप्रसिद्ध संतूर वादक अभय रुस्तम सोपोरी ने संतूर वादन के माध्यम से राग भारतीय की प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने अत्यंत सराहा। वहीं विधि शर्मा ने होली गीतों की मधुर प्रस्तुतियों से वातावरण को रंगमय बना दिया। रंगमंच की श्रेणी में प्रदीप कुकरेजा द्वारा निर्देशित नाटक बेसहारा औरत विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। सामाजिक विषयों पर आधारित इस नाटक को दर्शकों ने

गंभीरता से सराहा। उत्सव के अंतर्गत आयोजित कवि सम्मेलन में भी ख्यात कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को भावविभोर किया।कार्यक्रम का सबसे विशेष आकर्षण वृंदावन की फूलों की होली रही, जिसे चारकुला आर्ट्स अकादमी द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति ने दर्शकों को ब्रज की सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ते हुए होली के आध्यात्मिक और लोक स्वरूप का सजीव अनुभव कराया। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में मैथिली भोजपुरी अकादमी तथा ललित कला अकादमी सहित विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं का सहयोग रहा। इससे यह उत्सव राजधानी के विविध कला मंचों के समन्वय का प्रतीक बनकर उभरा। होली पर्व से पूर्व आयोजित इस कार्यक्रम ने भारतीय लोकजीवन, रंगों और परंपराओं की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन प्रख्यात नाटककार जयप्रकाश सिंह ने किया। उन्होंने आयोजन को सुव्यवस्थित और प्रभावी स्वरूप प्रदान किया। उत्सव की विशेषता यह रही कि यह व्यावसायिक उद्देश्य से परे, भारतीय कला परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार की भावना से आयोजित किया गया। मंच पर प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ-साथ नवोदित प्रतिभाओं को भी अवसर प्रदान किया गया। संस्कार भारती, दिल्ली प्रांत के अध्यक्ष प्रभात कुमार ने सभी कलाकारों, अतिथियों और आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सांस्कृतिक चेतना को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने भविष्य में इस उत्सव को और अधिक व्यापक स्वरूप देने की बात कही। दोनों दिनों में लोक कला, पारंपरिक शिल्प, कठपुतली प्रदर्शन तथा दिल्ली 6 के पारंपरिक व्यंजनों का भी आगंतुकों ने आनंद लिया। बड़ी संख्या में परिवारों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों की सहभागिता ने इस आयोजन को सफल और स्मरणीय बना दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में नवविवाहिता का शव फंदे से लटका मिला, परिजनों में कोहराम

बिजनौर (शिखर समाचार) मंडावली थाना क्षेत्र के ग्राम काशीरामपुर में सोमवार को एक नवविवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर फांसी के फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार काशीरामपुर निवासी नीलम (25) का शव सोमवार को उसके कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया। परिजनों की नजर जब उस पर पड़ी तो घर में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई, जिसके बाद थाना मंडावली पुलिस दल मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि नीलम का विवाह करीब दो वर्ष पूर्व नितिन के साथ हुआ था। विवाह के बाद से वह अपने ससुराल में ही रह रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही मायके पक्ष के लोग भी गांव पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच बातचीत का दौर चलता रहा, वहीं परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी नजीबाबाद नितेश प्रताप सिंह भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनकी उपस्थिति में मजिस्ट्रेट की देखरेख में पंचनामा भरने की कार्रवाई की गई। इसके बाद शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया, ताकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस क्षेत्राधिकारी नजीबाबाद नितेश प्रताप सिंह ने बताया कि नवविवाहिता का शव फंदे से लटका मिला है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन स्पष्ट रूप से कुछ भी कहना पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही संभव होगा। उन्होंने कहा कि परिजनों की ओर से यदि कोई तहरीर दी जाती है तो उसके आधार पर निष्पक्ष जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी है। घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है। लोग इस अप्रत्याशित घटना से स्तब्ध हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत के वास्तविक कारणों से पर्दा उठ सके।

मृतका नीलम

सपा नेता एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख शेर सिंह राणा ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

थाना भवन/शामली (शिखर समाचार)। थाना भवन क्षेत्र के वरिष्ठ सपा नेता एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख शेर सिंह राणा द्वारा सोमवार को अपने आवास ग्राम ढाकुडी जमालपुर में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, विभिन्न गांवों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। लोगों ने रंग, गुलाल और फूलों से होली खेलकर एक दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। विशेष रूप से मुस्लिम समाज के लोगों ने भी फूलों की होली खेलकर सामाजिक एकता की मिसाल पेश की। जलालाबाद के निकटवर्ती ग्राम दखौडी जमालपुर में आयोजित इस समारोह में थानाभवन विधानसभा क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांवों के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने होली पर्व को प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाने का संकल्प लिया। अपने संबोधन में शेर सिंह राणा ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और पारस्परिक

सौहार्द का प्रतीक है। उन्होंने होलिका दहन के माध्यम से समाज की बुराइयों को समाप्त करने और आपसी मतभेद भुलाकर मिल जुलकर पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों और ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। राजनीतिक जानकार इस आयोजन को वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों से भी जोड़कर देख रहे हैं। क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति को आगामी चुनावों से पूर्व शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी माना जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबा सोकेंद्र ने की, जबकि संचालन मंगलसेन प्रजापति मादलपुर ने किया। इस अवसर पर राव शकील भैसानी, चौधरी सुरेन्द्र ताना, राधेश्याम सैनी दिवान, उमेश चौधरी जिला पंचायत सदस्य, विनोद रांझड, बालेन्द्र चौधरी, देशराज पहलवान, अशोक प्रधान, सच्चू सिंह प्रधान, उग्र सिंह चौहान, अजब सिंह, मनोज कश्यप, लाला ठाकुर किसान संगठन, लख्मीचंद कश्यप, अजित शर्मा, राजकुमार शर्मा, कृष्णदत्त शर्मा, विवेक गोयल, मनीष तायल, राव सनवर, आसिफ, राव वकार, राहुल कश्यप, जगत सिंह, बबलू प्रधान, चैनसिंह पुंडीर, सादाराम, अजित बाल्मीकि, संजय कुमार बीडीसी सहित हजारों की संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। होली मिलन समारोह में पूरे समय उत्साह और उमंग का वातावरण बना रहा। लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर पर्व की बधाई दी और क्षेत्र में शांति, सद्भाव एवं विकास की कामना की।

सड़क पर शराब पी रहे 38 लोग गिरफ्तार, पुलिस ने की सख्त कार्रवाई

हापुड़ (शिखर समाचार) जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन कायम रखने के उद्देश्य से थाना हापुड़ पुलिस ने सख्त अभियान चलाते हुए सड़क पर शराब पी रहे 38 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने वालों में अफरा तफरी की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार थाना हापुड़ क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर देर रात पुलिस द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, मुख्य मार्गों तथा भीड़भाड़ वाले इलाकों में खुलेआम शराब का सेवन कर रहे लोगों को चिन्हित कर हिरासत में लिया गया। पुलिस टीम ने एक एक स्थान पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीना न केवल कानून का उल्लंघन

है, बल्कि इससे सामाजिक वातावरण भी प्रभावित होता है। कई बार ऐसे मामलों में विवाद और आपराधिक घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि कुल 38 व्यक्तियों को सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते हुए पकड़ा गया। सभी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस प्रकार का अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।
स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। उनका कहना है कि बाजारों और मुख्य सड़कों पर खुलेआम शराब पीने से महिलाओं, बच्चों और आम नागरिकों को असुविधा होती है। ऐसे में पुलिस की सख्ती से व्यवस्था बेहतर होगी। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे कानून का पालन करें और सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन बनाए रखें। यदि कहीं भी इस प्रकार की गतिविधि दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

ईरान के सुप्रीम लीडर की शहादत की खबर पर शिया समाज में शोक और आक्रोश

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खुमैनी की शहादत की खबर सामने आने के बाद क्षेत्र की शिया बिरादरी में गहरा शोक और आक्रोश देखने को मिला। लोगों ने अमेरिका और इजराइल के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे मुस्लिम जगत की बड़ी क्षति बताया। रविवार रात्रि थाने के समीप स्थित इमाम बारगाह किला इमामबाड़ा में शिया समाज के दर्जनों महिला पुरुष एवं युवा एकत्र हुए। वहां आयोजित शोकसभा में उपस्थित लोगों ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके चित्र के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए तथा उनकी मगफिरत के लिए सामूहिक दुआ की गई। वातावरण गमगीन रहा और लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर अपनी भावनाएं प्रकट कीं। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि अयातुल्ला खुमैनी ने अपने जीवनकाल में इस्लामी मूल्यों और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उनके निधन से वैश्विक स्तर पर शिया समुदाय को अपूरणीय क्षति पहुंची है। वक्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति और न्याय की मांग करते हुए कहा कि निदोर्षों के खिलाफ होने वाली किसी भी प्रकार की हिंसा अस्वीकार्य है। शोकसभा के उपरांत मौलाना मीसम जैदी के नेतृत्व में शिया समाज के प्रतिनिधिमंडल ने एक ज्ञापन भारतीय राष्ट्रपति के नाम संबोधित करते हुए थाना प्रभारी को सौंपा। ज्ञापन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति स्थापित करने तथा निर्दोष लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में रईस अब्बास उर्फ जक्कन, सलमान हैदर, सलीम हैदर, जावेद आबदी, नवाब हैदर, कमाल हैदर, मोहम्मद सिब्तेन, राहत जैदी, इकबाल, अमन, सैफ जाफरी, हुसैन, नासिर, हैदर, सोनी, अली, हसन सहित अन्य लोग शामिल रहे। शोकसभा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। पुलिस प्रशासन भी एहतियातन मौके पर मौजूद रहा। क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है।

त्योहारों के मद्देनजर कैराना में पुलिस का पैदल मार्च, शांति व सौहार्द की अपील

शामली (शिखर समाचार) आगामी त्योहारों को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ कर दिया है। सोमवार को पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने थाना कैराना क्षेत्र में पुलिस बल के साथ सघन पैदल मार्च किया। पैदल मार्च का मुख्य उद्देश्य जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना, आमजन में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करना तथा होलिका दहन और होली पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना रहा।
पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में निकाले गए इस पैदल मार्च के दौरान मुख्य बाजारों, संवेदनशील स्थलों, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। बाजारों में लगे निगरानी कैमरों, यातायात व्यवस्था तथा गश्त की स्थिति की समीक्षा कर संबंधित

अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए।
इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और गणमान्य व्यक्तियों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने अपील की कि होलिका दहन और होली का पर्व पारंपरिक हर्षोल्लास, आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द के साथ मनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि त्योहारों की आड़ में किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
लोगों को विशेष रूप से आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और सामाजिक मीडिया मंचों पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने से बचें। यदि कोई संदिग्ध संदेश या गतिविधि संज्ञान में आती है तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जनसहयोग से ही शांति व्यवस्था को प्रभावी ढंग से बनाए रखा जा सकता है। पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि त्योहारों के दौरान पूर्ण सतर्कता और मुस्तैदी बरती जाए। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा रात्रि गश्त बढ़ाई जाए। साथ ही आमजन के साथ विनम्र और संयमित व्यवहार बनाए रखने पर भी जोर दिया गया, ताकि पुलिस और जनता के बीच विश्वास कायम रहे।
पैदल मार्च के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला, क्षेत्राधिकारी कैराना हेमन्त कुमार तथा कोतवाली प्रभारी समयपाल अत्री सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस की इस सक्रियता से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बना हुआ है और नागरिकों ने भी प्रशासन की तैयारियों की सराहना की है।

भैंसा बुग्गी से गिरकर पहिए के नीचे आने से किसान की मौत

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना देहात क्षेत्र के गांव मलकपुर स्थित गन्ना सेंटर पर एक दर्दनाक हादसे में किसान की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार शाम गांव श्यामपुर निवासी ओमवीर सिंह (68) अपने खेत से भैंसा बुग्गी में गन्ना लादकर मलकपुर स्थित गन्ना क्रय केंद्र पर बेचने के लिए आए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जैसे ही वह केंद्र परिसर में पहुंचे, अचानक उनका पैर फिसल गया और वह बुग्गी से नीचे गिर पड़े। गिरते ही बुग्गी का एक पहिया उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही गन्ना केंद्र पर मौजूद कर्मचारी और आसपास के किसान मौके पर एकत्र हो गए। आनन फानन में परिजनों को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और गंभीर हालत में ओमवीर सिंह को गढ़ रोड स्थित एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए उन्हें मेरठ के लिए रेफर कर दिया। मेरठ के एक अस्पताल में उपचार के दौरान ओमवीर सिंह ने दम तोड़ दिया। किसान की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। उनकी पत्नी निरंजन कौर और इकलौते पुत्र अमित का रो रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि ओमवीर सिंह मेहनती और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे तथा लंबे समय से खेती किसानी कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे थे। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। परिजनों ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों और गन्ना केंद्रों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से इस तरह की घटनाएं सामने आती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से गन्ना केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो सके।

डायल 112 पर तैनात होमगार्ड पंकज चौधरी की हृदय गति रुकने से मृत्यु

मोदीनगर (शिखर समाचार) डायल 112 पर तैनात एक होमगार्ड की सोमवार सुबह ड्यूटी के दौरान हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई। घटना से पुलिस विभाग और परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। नगर की देवेंद्र पुरी कॉलोनी निवासी 42 वर्षीय पंकज चौधरी होमगार्ड के पद पर तैनात थे। इन दिनों उनकी ड्यूटी मोदीनगर सर्किल क्षेत्र में डायल 112 सेवा पर लगी हुई थी। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह डायल 112 पर एक सूचना प्राप्त हुई, जिस पर पंकज चौधरी मोटरसाइकिल से घटनास्थल के लिए रवाना हुए। जैसे ही वह निवाड़ी रोड पर पहुंचे और किसी आवश्यक कार्य के लिए मोटरसाइकिल से नीचे उतरे, तभी अचानक उनके सीने में तेज दर्द उठा और वह सड़क पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों और पुलिसकर्मियों ने तत्काल उन्हें निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से विभाग में शोक व्याप्त है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मृत्यु का कारण हृदय गति रुकना प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मृत्यु के सटीक कारणों की पुष्टि के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस संबंध में होमगार्ड विभाग को भी सूचना दे दी गई है पंकज चौधरी अपने पीछे परिवार को छोड़ गए हैं। उनके असामयिक निधन से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने भी घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संवेदना प्रकट की है।

वीवी पीजी कॉलेज में एनएसएस सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

शामली (शिखर समाचार) शहर के वीवी पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का सोमवार को समापन समारोह उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव दीपक जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर तीनों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही और बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं मौजूद रहीं।
कार्यक्रम की शुरूआत अर्शी खान के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथि, प्राध्यापकों और प्रतिभागियों का अभिनंदन करते हुए सात दिनों तक चले शिविर की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैली, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जांच शिविर और

सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जनजागरण जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाई।
मुख्य अतिथि दीपक जैन ने अपने संबोधन में स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा भाव, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती है। उन्होंने कहा कि एनएसएस केवल एक योजना नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला आंदोलन है, जो विद्यार्थियों को समाज के प्रति संवेदनशील बनाता है। उन्होंने शिविर के दौरान किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को भविष्य में भी सामाजिक कार्यों से जुड़े रहने का आह्वान किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।
समारोह के दौरान स्वयंसेवकों ने शिविर में प्राप्त अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इस शिविर ने उन्हें टीम भावना, समय प्रबंधन और समाज की वास्तविक समस्याओं को समझने का अवसर प्रदान किया। ग्रामीण क्षेत्र में जाकर जनसंपर्क करना और लोगों को जागरूक करना उनके लिए नया एवं प्रेरणादायक अनुभव रहा।
कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। स्वयंसेवकों ने संगीत, नृत्य और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता, शिक्षा, नशामुक्ति और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर प्रभावी संदेश प्रस्तुत किए। नुक्कड़ नाटक को दर्शकों ने विशेष रूप से सराहा और तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।
समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को सहभागिता मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम अधिकारियों ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। समारोह में नारायण सिंह, डॉ. मुकेश कनौजिया सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।
सात दिवसीय विशेष शिविर का यह समापन समारोह न केवल विद्यार्थियों के लिए यादगार रहा, बल्कि समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी मजबूत कर गया।

जैन धर्म में मंदिर और दर्शन का महत्व बताया

शामली (शिखर समाचार) शहर की जैन धर्मशाला में आयोजित धार्मिक शिविर के तीसरे दिन श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुनि प्रतीक सागर मुनिराज ने जैन धर्म में मंदिर, दर्शन और तीर्थों के आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जैन धर्म में मंदिर केवल ईंट पत्थर का बना भवन नहीं होता, बल्कि वह आत्मजागरण, साधना और आत्मकल्याण का पवित्र केंद्र होता है। मंदिर वह स्थान है, जहां जाकर मनुष्य सांसारिक विकारों से दूर होकर आत्मचिंतन की ओर अग्रसर होता है।
मुनिश्री ने कहा कि जैन मंदिर को समोसरन का प्रतीक माना गया है। समोसरन वह दिव्य सभा है, जहां तीर्थंकर भगवान सम्यक ज्ञान का उपदेश देकर जीवों का कल्याण करते हैं। इसलिए जब भी कोई श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश करे, तो उसे यह भावना रखनी चाहिए कि वह समोसरन में उपस्थित होकर आत्मोद्धार का दुर्लभ अवसर प्राप्त कर रहा है। ऐसी पवित्र भावना के साथ किया गया दर्शन आत्मा को शांति और स्थिरता प्रदान करता है।
भगवान के दर्शन की विधि समझाते हुए मुनिश्री ने कहा कि दर्शन करते समय जल्दबाजी या औपचारिकता नहीं होनी चाहिए। सबसे पहले बिना पलक झपकाए भगवान के चरण कमल का

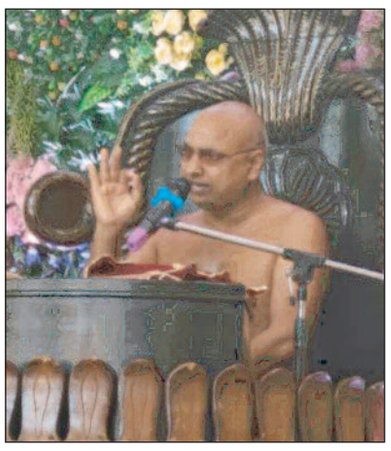

अवलोकन करें, फिर नाभि कमल, हृदय कमल, मुख कमल और अंत में संपूर्ण दिव्य स्वरूप को निहारें। इसके पश्चात आंखें बंद कर भगवान के शांत, वीतराग स्वरूप का मनन-चिंतन करें। ऐसा करने से मन एकाग्र होता है, चंचलता समाप्त होती है और भक्ति गहन एवं प्रभावी बनती है।
उन्होंने पंच परमेष्ठी और चौबीस तीर्थंकरों के नाम स्मरण को ह्यनाम मंगलह्ण बताते हुए कहा कि उनका उच्चारण सदैव श्रद्धा, विनय और समर्पण भाव से करना चाहिए। नाम स्मरण से मन की अशुद्धियां दूर होती हैं और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। मुनिश्री ने कहा कि द्रव्य मंगल के अंतर्गत भगवान के शरीर तथा उनसे संबंधित उपयोग की वस्तुओं को अत्यंत पवित्र माना गया है। अतः उनके प्रति विशेष सावधानी और मयार्दा का पालन आवश्यक है।
मुनिश्री ने आचार विचार की शुद्धता पर बल देते हुए कहा कि मुनिराज को अपने पहने हुए वस्त्रों से नहीं पोंछना चाहिए और उनके वस्त्र अलग से धोने चाहिए। भगवान की प्रतिमा के अभिषेक के समय पूर्ण पवित्रता, स्वच्छता और सावधानी बरतनी चाहिए। जिस आसन पर गुरु महाराज विराजमान हों, उस पर किसी अन्य व्यक्ति को नहीं बैठना चाहिए। यह मयार्दा केवल परंपरा नहीं, बल्कि श्रद्धा और अनुशासन का प्रतीक है।
उन्होंने कहा कि पवित्र स्थलों पर की गई भक्ति, सेवा और साधना आत्मा के कल्याण का सशक्त माध्यम बनती है। यदि श्रद्धालु सही भाव, शुद्ध आचरण और सम्यक दृष्टि के साथ मंदिर में जाएं, तो उनका जीवन आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर हो सकता है। धार्मिक शिविर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने मुनिश्री के उपदेशों को श्रद्धापूर्वक सुना और जीवन में उन्हें अपनाने का संकल्प लिया।

योगी ने बटुक से मारपीट करने पर पुलिस को फटकारा

बोले- दोबारा शिकायत न मिले, काशी विश्वनाथ मंदिर में सिपाही ने बाल खींचे थे

वाराणसी (एजेंसी)। सीएम योगी 2 दिवसीय वाराणसी दौरे पर हैं। पहले दिन रविवार को उन्होंने सर्किट हाउस में बैठक की। इस दौरान उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में बटुक के साथ मारपीट को लेकर अफसरों को फटकार लगाई। नाराजगी जताते हुए कहा कि दर्शनार्थियों के साथ पुलिस को दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए। यहां दुर्व्यवस्था की भी शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। दरअसल, 27 फरवरी को काशी में बाबा विश्वनाथ धाम के गेट पर सिपाही ने एक बटुक को पीट दिया था। सिपाही ने उसे 3 थप्पड़ जड़े थे। फिर दरोगा ने उसके बाल खींचे और धक्का देकर बैरिकेडिंग के पीछे कर दिया था। उसे लाइन में लगने नहीं दिया था। योगी ने कहा- पुलिस अपनी कार्यशैली में सुधार लाए रविवार को सर्किट हाउस सभागार में विकास कार्यो, निर्माण परियोजनाओं और कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मंदिर प्रशासन को व्यवस्था में सुधार लाना चाहिए, जिससे यहां आने वाले भक्तों को दिक्कत न हो। साथ ही पुलिस को भी सुधार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब भविष्य में ऐसी शिकायतें नहीं मिलनी चाहिए। अपराध पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपराधियों के साथ किसी तरह की ढील नहीं चलेगी। सीएम ने आने वाले त्योहारों को लेकर भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि होली पर हुड़दंग करने वालों पर कार्रवाई हो। त्योहार शांतिपूर्वक निपट सकें, इसके लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी 24 घंटे मुस्तैद रहें। सीएम ने कहा कि काशी

विश्वनाथ कॉरिडोर में निर्मित दुकानों तक श्रद्धालुओं की पहुंचने की व्यवस्था की जाए। मंदिर में मिलने वाली सामग्रियों का मूल्य ठीक हो। धार्मिक संस्थाएं पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि श्रद्धा का स्थल हैं, इसलिए श्रद्धालुओं के लिए इन स्थानों पर बेहतर व्यवस्था की जाए। सीएम ने कहा- कोडिन कफ सिरप के जिम्मेदारों पर कार्रवाई करे योगी ने कहा कि मैनपावर बढ़ाकर मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट के निर्माण कार्य में तेजी लाएं। घाटों और मंदिरों के पास निर्माण कार्य के दौरान ऐतिहासिक धरोहरों का प्रत्येक दशा में संरक्षण किया जाए। कोई भी नई परंपरा की अनुमति नहीं दी जाए। तेज आवाज वाले साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई हो। सड़कों पर अतिक्रमण कर वाहन पार्क न हों। ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जाए। कहा कि कोडिन कफ सिरप के मामलों में अवैध कारोबार में शामिल वास्तविक जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाए। कहीं भी अवैध एवं जहरीली शराब की बिक्री न हो। शराब के अवैध टांसपोर्टेशन पर कड़ी नजर रखें। काशी में 27 फरवरी को रंगभरी एकादशी पर शिव भगवान, माता पार्वती के साथ पालकी में सवार होकर मंदिर के गर्भगृह पहुंचे। पालकी जाने के बाद पुलिस ने बटुकों को बाहर रोक दिया। बटुक अंदर जाना चाह रहे थे, जिससे पुलिस से उनकी कहासुनी हो गई थी। इसी दौरान एक सिपाही ने बटुक का मुंह नोचा और फिर थप्पड़ मारना शुरू कर दिया। सिपाही ने ताबड़तोड़ तीन थप्पड़ मारे, इसके बाद दरोगा ने उसके बाल नोचे, फिर लाइन से खींचकर बाहर निकाल दिया। घंटों कतार में लगने के बावजूद उसे प्रवेश नहीं मिल सका था। महिला पत्रकार को पुलिसकर्मियों ने गालियां दी थीं एक महिला पत्रकार से भी बदसलूकी की बात सामने आई थी। गेट नंबर-4 पर ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों ने पत्रकार से बदसलूकी की। बीच-बचाव करने पहुंचे दूसरे पत्रकार को भी पुलिसकर्मियों ने थप्पड़ मारकर भगा दिया था और गालियां दी थीं।

तब डीसीपी गौरव बंसवाल ने कहा था कि वीडियो में दिख रहे पुलिसकर्मियों को मंदिर ड्यूटी से तत्काल हटा दिया गया है। उन्हें पुलिस लाइन से अटैच किया गया है। विभागीय जांच चल रही है।

रमजान में बढ़ा इबादत और सेवा का माहौल

गोरखपुर (एजेंसी)। 11वां रोजा पूरा हुआ। मस्जिदों में ईशा की नमाज के बाद तरावीह का सिलसिला जारी है। कई मस्जिदों में एक-एक कुरआन-ए-पाक मुकम्मल किए जाने की जानकारी दी गई है। रोजेदार सुबह सेहरी और शाम इफ्तार के तय समय का पालन करते हुए इबादत में मशगूल हैं। दूसरे अशरे की ओर बढ़ते रमजान में इबादत का उत्साह और बढ़ गया है। रमजान के पाक महीने में शहर में इबादत के साथ सामाजिक सहयोग की गतिविधियां तेज हो गई हैं। विभिन्न सामाजिक संगठनों, मस्जिद कमेटियों और स्थानीय लोगों की ओर से जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित की जा रही हैं। छोटे काजीपुर, रेती, इलाहीबाग समेत कई इलाकों में अस्थायी इफ्तार प्वाइंट बनाए गए हैं, जहां रोजेदारों को निःशुल्क इफ्तार कराया जा रहा है। कई स्थानों पर रोजाना सैकड़ों लोगों के लिए खजूर, फल, पानी और अन्य खाद्य सामग्री की व्यवस्था की जा रही है। साढ़े छह गली नखास बाजार में इन दिनों विशेष चहल-पहल देखी जा रही है। इत्र, टोपी, तस्बीह और अन्य धार्मिक उपयोग की वस्तुओं की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। दुकानदार अख्तर आलम ने बताया कि रमजान में इत्र और विभिन्न किस्म की टोपियों की मांग सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रहती है। शाम के समय इफ्तार से पहले बाजार में खरीदारी का दबाव बढ़ जाता है। इलाहीबाग के समाजसेवी हाजी खुर्शीद आलम खान ने कहा कि रमजान आत्मसंयम, इबादत और सामाजिक जिम्मेदारी का महीना है। रोजा इंसान को सब्र, अनुशासन और जरूरतमंदों के प्रति हमदर्दी का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर गरीब परिवारों की मदद करनी चाहिए, ताकि कोई भी व्यक्ति सहरी और इफ्तार से वंचित न रहे। हेल्पलाइन नंबरों पर मिल रहा धार्मिक मार्गदर्शन रमजान के दौरान नमाज, रोजा, जकात और फित्रा से जुड़े प्रश्नों के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर 8604887862, 9598348521, 9956971232 और 7860799059 जारी किए गए हैं। इन नंबरों पर उलमा द्वारा शरई मसलों पर मार्गदर्शन दिया जा रहा है। रोजेदार अपनी शंकाओं का समाधान फोन के माध्यम से प्राप्त कर रहे हैं।

खजनी में युवक पर हमला, सिर फोड़ा

खजनी (एजेंसी)। थाना क्षेत्र के महिलवार गांव में एक युवक पर हमला किया गया। पुराने विवाद के चलते तीन युवकों ने काम से लौट रहे साहिल प्रसाद को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिलवार गांव निवासी साहिल प्रसाद, जो मजदूरी का काम करते हैं, ने अपनी तहरीर में बताया कि 28 फरवरी को दोपहर बाद वे खजनी से काम कर अपने घर लौट रहे थे। गांव पहुंचने पर रास्ते में खड़े उन्हीं के गांव के तीन युवकों ने उन्हें रोका। साहिल के अनुसार, अजय बेल्दार (पुत्र स्वर्गीय लाल बहादुर बेल्दार), रवि दुषाद (पुत्र जग्गी दुषाद) और गुलशन गौड़ (पुत्र राजाराम गौड़) ने उन्हें गाली देना शुरू कर दिया। जब साहिल ने इसका विरोध किया, तो तीनों ने मिलकर उन पर हमला कर दिया। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने लाठी-डंडों से मारपीट की, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। साहिल प्रसाद की शिकायत पर खजनी थाने के कोतवाल इंस्पेक्टर जयंत कुमार सिंह के निर्देश पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। पीड़ित का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद तीनों आरोपी युवकों के खिलाफ केस संख्या 60/2026 में बीएनएस की धारा 115(2), 351(2) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

कारोबारी की पत्नी को नौकरानी ने मारा डाला

महोबा (एजेंसी)। कारोबारी की पत्नी की हत्या, घर की नौकरानी और उसके बेटे ने की थी। घटनास्थल पर मिले चूड़ी के टुकड़े से पुलिस आरोपियों तक पहुंच सकी। पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए नौकरानी और उसके बेटे को अरेस्ट कर लिया है। शहर के खोया मंडी क्षेत्र में यह हत्या 25 फरवरी को की गई थी। गिरफ्तारी के बाद नौकरानी ने पुलिस को बताया- मालकिन छोटी-छोटी बातों पर उसे डांटती थी, बेइज्जती करती थी इसलिए मार डाला। किराना व्यापारी संतोष पुरवार अपनी पत्नी किरन के साथ खोया मंडी इलाके में रहते थे। उनकी एक बेटी आकांक्षा पुरवार हैं। जिसकी शादी हो चुकी है और वह अपने ससुराल में रहती हैं। संतोष की पत्नी किरन पैरालसिस अटैक आ चुका था इसलिए वह घर के कामकाज के लिए एक हेल्पर आशा रैकवार (40) को रखे थे। रोज की भांति 25 फरवरी को संतोष सुबह-सवेरे अपनी दुकान पर चले गए। घर पर उनकी पत्नी किरन और नौकरानी आशा ही थे। रात को दुकान बढ़ाने के बाद जब वह घर लौटे तो दरवाजा खुला हुआ था। अंदर कमरे में गए तो किरन बेड पर मृत पड़ी थीं। कान से कुंडल नोचा गया था। ऐसा लग रहा था कि लूटने के बाद हत्या की गई है। कारोबारी ने पुलिस को फोन किया। पुलिस को भी शुरूआती जांच में लूट की घटना ही लग रही थी। लेकिन फॉरेंसिक टीम को जांच के दौरान एक टुकड़ा मिला। पुलिस ने चूड़ी के टुकड़े को केंद्र में रखकर जांच की दिशा बदली और हत्या के एंगल से भी पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने शक के आधार पर घर की नौकरानी को पूछताछ के लिए बुलाया। पुलिस को महिला के हाथ की एक चूड़ी टूटी दिखी। पुलिस ने बरामद चूड़ी के टुकड़े से उसकी चूड़ी का मैच कराया। टुकड़ा मैच हो गया तो पुलिस का शक और गहरा गया। इसके बाद नौकरानी को हिरासत में ले लिया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने जुर्म कबूल लिया और पूरी कहानी सुना दी। पुलिस के अनुसार, आशा ने बताया कि वह किरन के घर में पिछले 8 साल से नौकरी कर रही थी। उनकी देखभाल करती थी। घर के सारे काम करती थी। लेकिन किरन उससे कभी भी खुश नहीं रहती थी। छोटी-छोटी गलतियों पर उसे डांटती-गालियां देती थीं। उसकी बेइज्जती करती थी। तंग आकर उसने मालकिन की हत्या का प्लान बनाया। पुलिस के अनुसार, नौकरानी ने अपने बेटे सोनू (27) को इस साजिश में शामिल किया। 25 फरवरी को जब संतोष दुकान चले गए तो उसने बेटे को बुलाया। किरन की तकिया से मुंह दबाकर हत्या कर दी। फिर हत्या को लूट दिखाने के लिए घर में रखे गहने और किरन की कान के झुमके चुरा लिए।

एसपी प्रबल प्रताप सिंह ने बताया कि अपमान और रोज-रोज की डांट से नाराज नौकरानी आशा ने अपनी मालकिन किरन की तकिया से मुंह दबाकर हत्या की थी। इस जुर्म में उसका बेटा सोनू भी शामिल है। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

होली पर मिठाई खरीदने से पहले बरतें सावधानी

लखनऊ (एजेंसी)। होली पर मिठाइयों की मांग कई गुना बढ़ जाती है। शुद्ध खोया, दूध और घी की कीमत अधिक होती है। ऐसे में कुछ कारोबारी लागत घटाने के लिए सिंथेटिक मावा, स्टार्च, वनस्पति घी और कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल करते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, मिलावटी मावा और रंग पेट दर्द, उल्टी, दस्त, एलर्जी और फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकते हैं। लंबे समय तक सेवन लीवर और किडनी पर भी असर डाल सकता है। गुझिया की जान उसका मावा (खोया) है। असली मावा हल्का दानेदार, दूध जैसी खुशबू वाला और दबाने पर मुलायम होता है। अगर मावा बहुत ज्यादा सफेद, रबड़ जैसा या अजीब गंध वाला लगे तो सावधान हो जाएं घर पर जांच के लिए मावे का छोटा टुकड़ा हथेली पर रगड़ें। यदि झाग जैसी परत बने या साबुन जैसी गंध आए तो मिलावट की आशंका हो सकती है। थोड़ा मावा पानी में उबालकर देखें। अधिक तलछट या रंग बदलना भी संकेत हो सकता है। होली पर चटक गुलाबी, हरे और पीले रंग की मिठाइयां आकर्षित करती हैं। बहुत ज्यादा चमकीले और आंखों को चुभने वाले रंग कृत्रिम हो सकते हैं। प्राकृतिक रंग हल्के और संतुलित दिखते हैं। चांदी का वर्क बेहद पतला और हल्का होता है। अगर वर्क मोटा, कड़ा या आसानी से अलग हो जाए तो उसमें एल्युमिनियम की मिलावट संभव है। हमेशा लाइसेंस प्राप्त और साफ-सुथरी दुकान से खरीदारी करें। दुकान पर FSSAI लाइसेंस नंबर प्रदर्शित होना चाहिए। खुली ट्रे में लंबे समय से रखी मिठाई न लें। पैक्ड मिठाई लेते समय निर्माण तिथि और एक्सपायरी डेट जांचें। बहुत कम कीमत पर बिक रही मिठाई पर संदेह करें। बिल जरूर लें और सुरक्षित रखें।

याद रखें असली मिठाई की एक तय लागत होती है, उससे बहुत कम कीमत गुणवत्ता पर सवाल खड़े करती है।

12 करोड़ हड़पने वाले की मां-पत्नी भी गिरफ्तार

BOB बैंक मित्र रहते हुए आलीशान घर बनवाया

लखनऊ (एजेंसी)। कई लोगों के साथ धोखाधड़ी कर उनका अकाउंट खाली करने वाले बैंक मित्र शिवा राव की मां और पत्नी भी गिरफ्तार हो गई हैं। पुलिस ने इन दोनों के साथ नौकर को भी हिरासत में लिया है। इनके खातों से 12 करोड़ रुपए के ट्रांजेक्शन मिले हैं। वहीं, शिवा ने अपना आलीशान घर बनवाने के साथ नौकर के लिए कार भी खरीदी थी। मामला पारा इलाके में शकुंतला विश्वविद्यालय कैंपस स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा का है। यहां कर्नाटक का रहने वाला शिवा राव बैंक मित्र के रूप में काम करता था। उसने लोगों को बैंक जाने के बजाय खुद के पास पैसे जमा कराए। उनकी FD की। बाद में जब मैच्योरिटी की डेट आई तो लोगों को न FD मिली और न ही उनके अकाउंट में जमा लाखों रुपए। इसके बाद लोगों ने बैंक की ब्रांच में जमकर हंगामा किया। एक के बाद एक कई पीड़ित सामने आए जिन्होंने बैंक अधिकारियों पर भी धोखाधड़ी के आरोप लगाए। उनका कहना है कि उन्होंने न शिवा राव को पैसे दिए न ही ब्रांच में जमा किए। फर्जीवाड़े के जरिये जो रकम ट्रांसफर हुई, वह भी गायब हो गई है। कई लोगों ने बेटी की शादी के लिए पैसे इकट्ठा किए थे। ऐनवक्त पैसा न होने का पता चलने पर शादी की डेट टालनी पड़ी। शिवा राव को पुलिस ने फरवरी के पहले सप्ताह में गिरफ्तार कर लिया था। उसके अगले ही दिन उसके साथ साजिशकर्ता बैंक के पूर्व सिक्योरिटी गार्ड दीपक को भी गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस के मुताबिक, शिवा 2015 से बैंक में कार्यरत था। वह किसी भी लैपटॉप या कंप्यूटर पर बैठकर काम करने लगता था और बैंक आने वाले हर ग्राहक से संपर्क साधता था। लोगों को झांसे में लेने के लिए वह उन्हें तरह-तरह की बचत योजनाएं बताता था। पुलिस ने करीब डेढ़ महीने बाद 1 मार्च को बैंक मित्र शिवा राव की मां कारा निर्मला, पत्नी भाग्यवती और उसके नौकर नरौना के विकास कुमार को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों के खातों में करीब 12 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ। शिवा ने ठगी की रकम में से करीब डेढ़ करोड़ रुपए अपने नौकर विकास के खाते में ट्रांसफर किए। इतना ही नहीं, ऐंठे पैसों से नौकर के लिए कार भी खरीदी। पुलिस का कहना है कि इतनी बड़ी रकम का फर्जीवाड़ा अकेले संभव नहीं है। ऐसे में कुछ बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है। जांच के दायरे में अन्य खाताधारकों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब ढाई लाख रुपए के जेवर, एक कार,

चांदी के सिक्के, तीन मोबाइल, एक लैपटॉप, प्रिंटर और 47 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। इसी प्रिंटर से ग्राहकों की फर्जी रसीदें तैयार कर ग्राहकों को दी जाती थीं। ठगी की रकम गहनों, बिजली उपकरणों और संपत्तियों में भी खपाई गई। इसी शाखा में 25 नवंबर 2025 को संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई थी, जिसमें कई दस्तावेज जलकर राख हो गए थे। पीड़ित ग्राहकों ने आरोप लगाया था कि फजीर्वाड़े को छिपाने और सबूत मिटाने के लिए आग लगाई गई। आग के कारण बैंक के महत्वपूर्ण रिकॉर्ड नष्ट हो गए थे। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी है। आने वाले दिनों में बैंक के अंदरूनी लोगों पर भी कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

अंशिका का साथी गिरफ्तार:बर्थडे गर्ल के सामने न्यूड हुए DSP-दरोगा

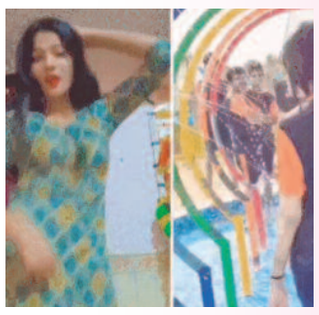

गोरखपुर (एजेंसी)। सिंघड़िया माडल शाप के पास फायरिंग की आरोपी और बर्थडे गर्ल के नाम से मशहूर अंशिका सिंह के गिरोह का एक और शातिर बदमाश रविवार को पकड़ लिया गया। पूछताछ के बाद आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भिजवाया गया। आरोपी की पहचान देवरिया जिले के बरहज थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 23 निवासी अर्जुन वर्मा के रूप में हुई। दरअसल, अंशिका सिंह सिंघड़िया इलाके में किराये के मकान में रहती थी। 20 जनवरी को उसका बर्थडे था। वह अपने 4 दोस्तों के साथ पार्टी कर रही थी। इसी दौरान द्विवेदी चाइल्ड केयर का मैनेजर विशाल वहां पहुंचा। विशाल ब्लैकमेलिंग के पैसे देने के लिए ही वहां गया था। विशाल ने बताया कि कुछ दिन पहले अंशिका किसी बंटी को लेकर अस्पताल आई थी। उसने उसी वक्त मोबाइल नंबर लिया और चली गई। कुछ दिन बाद अंशिका दोबार आई और पिस्टल दिखाकर 12 हजार रुपये ले लिए। अंशिका ने 20 जनवरी को भी उसे फोन कर 50 हजार रुपये मांगे थे और धमकी दी कि किसी से कुछ कहा तो रेप केस में फंसा देगी। केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा था और उसका साथी फरार चल रहा था। एक आरोपी को पुलिस ने जेल भिजवा दिया है। गोरखपुर के सिंघड़िया में 20 जनवरी को अस्पताल मैनेजर पर गोली चलाने की आरोपी अंशिका सिंह उर्फ अंतिमा वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर बीते पांच साल में दुष्कर्म के फर्जी केस में फंसाने की धमकी देकर करीब डेढ़ सौ लोगों से धनउगाही कर चुकी है। हरपुर-बुदहट क्षेत्र के झुड़िया बाबू गांव की रहने वाली अंशिका के जाल में वर्तमान में अयोध्या में तैनात एक सीओ सहित शहर में तैनात 15 पुलिसकर्मी भी फंस चुके थे। वह मैसेंजर के जरिये लोगों से संपर्क बढ़ाती थी। पुलिस की जांच में पता चला है कि वर्ष 2021 में अंशिका ने सबसे पहले सोपरा देवरिया के रहने वाले राज विश्वकर्मा के खिलाफ दुष्कर्म, धमकी और पॉक्सो एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सुलह के नाम पर उसने लाखों रुपये ऐंठे। वर्ष 2023 में वह संतकबीरनगर के थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र में किराए के मकान में रहने लगी थी। अंशिका के मोबाइल में मिले अश्लील वीडिय गोरखपुर में अपने बर्थडे पर युवक को गोली मारने वाली लड़की ब्लैकमेलर निकली। सूत्रों के मुताबिक, उसके मोबाइल से पुलिस को अश्लील वीडियो मिले हैं। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने बताया- शौक पूरे करने के लिए मैं लोगों को फंसाती थी, फिर न्यूड होकर वीडियो कॉल करती। उसे रिकॉर्ड कर लेती थी। इसके बाद उनसे पैसे वसूलती थी। पुलिस के मुताबिक, ब्लैकमेलर अंशिका ने 5 साल में 150 लोगों से वीडियो कॉल पर संपर्क किया। इनमें अयोध्या के एक DSP और गीडा थाना प्रभारी समेत 12 से ज्यादा पुलिसवाले भी हैं। फिलहाल, पुलिस ने ब्लैकमेलर अंशिका को जेल भेज दिया है। वह 20 जनवरी को दोस्तों के साथ मॉडल शॉप के पास बर्थडे मना रही थी, तभी उसका एक प्राइवेट हॉस्पिटल के मैनेजर से विवाद हो गया। अंशिका ने उस पर पिस्टल तान दी। दोनों के बीच छीना-झपटी में गोली मैनेजर के दोस्त के पेट में जा लगी।

मंगलसूत्र छिनैती में चार गिरफ्तार: एक बाल अपचारी भी शामिल

गोरखपुर (एजेंसी)। एम्स थाना क्षेत्र में हुई मंगलसूत्र छिनैती का पुलिस ने पदार्फाश कर दिया है। इस मामले में एक बाल अपचारी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से छीना गया मंगलसूत्र भी बरामद कर लिया है। यह घटना 26 फरवरी,गुरुवार को गोरखपुर के कुसम्ही जंगल स्थित बुढ़िया माता मंदिर के पास हुई थी। देवरिया के बड़की बभनी निवासी पूनम चौरसिया (पत्नी राघवेंद्र चौरसिया) अपनी जेठानी ममता के साथ मंदिर दर्शन कर लौट रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने उनसे मंगलसूत्र छीन लिया और फरार हो गए। सूचना मिलने पर एम्स पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और छिनैती का मुकदमा दर्ज किया। अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस उसी दिन से मामले के खुलासे में जुट गई थी। रविवार को मुखबिर की सूचना पर एम्स पुलिस ने कुसम्ही कोठी से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान आयुष चौरसिया (पुत्र जनार्दन चौरसिया, निवासी थाना गोला, गोरखपुर) और पवन निषाद (पुत्र रुचि, निवासी चिलवा, थाना गोला) के रूप में हुई है। तीसरा आरोपी एक बाल अपचारी है। पुलिस ने दोनों वयस्क आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि बाल अपचारी को बाल सुधार गृह भेजा गया है। एम्स थानाध्यक्ष चंद्र प्रकाश पांडेय ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

मेडिकल स्टोर पर इंजेक्शन से बच्ची की मौत

गोरखपुर (एजेंसी)। 9 वर्षीय बच्ची की मेडिकल स्टोर पर इंजेक्शन लगने के बाद मौत हो गई। बच्ची को मामूली खांसी और बुखार की शिकायत थी। गलत इलाज और लापरवाही ने कारण उसकी जान चली। जिसके बाद इलाके में शोक का माहौल है। मृत बच्ची की मां ने बताया कि रविवार शाम करीब 4 बजे उनकी बेटी को खांसी और बुखार था। इलाज के लिए वे पास के एक मेडिकल स्टोर पर गईं थी। जहां इलाज के तौर पर उसे इंजेक्शन दिया गया था। उन्होंने बताया की मेडिकल स्टोर संचालक ने बेटी को इंजेक्शन लगाया जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। कुछ ही देर में बच्ची ने दम तोड़ दिया।मां की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला रविवार शाम 4 बजे उरुवा क्षेत्र के मसूरिया गांव का बताया जा रहा है। बांसगांव थाना क्षेत्र के मसूरिया गांव की रहने वाली शशिकला पुलिस के पास पहुंची और आपबीती सुनाई। उन्होंने बताया कि उनकी 9 साल की बेटी दिव्या को रविवार से खांसी और बुखार था। अपनी बेटी को राहत दिलाने के लिए वे रविवार शाम करीब 4 बजे पास के जौहराबाद स्थित एस.एन. मेडिकल स्टोर पर ले गईं। शशिकला का आरोप है कि मेडिकल स्टोर संचालक ने दिव्या को देखते ही उसे एक इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगने के चंद मिनटों बाद ही दिव्या की हालत तेजी से बिगड़ने लगी और देखते ही देखते उसने दम तोड़ दिया। मासूम की मौत होते ही मेडिकल स्टोर संचालक घबरा गया और दुकान छोड़कर मौके से फरार हो गया।

हर्षोल्लास के साथ 'ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब' का होली मिलन समारोह संपन्न, शब्दमधु वार्षिक पत्रिका का विमोचन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब की ओर से आयोजित होली मिलन समारोह रविवार को सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क में हर्षोल्लास और रंगारंग कार्यक्रमों के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रेस क्लब की वार्षिक पत्रिका शब्दमधु का भव्य विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद अतिथियों का स्वागत किया गया। समारोह में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल, गौतमबुद्धनगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद महेश शर्मा, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह तथा दादरी विधायक तेजपाल नागर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने प्रेस क्लब की पहल की सराहना करते हुए लोकतंत्र में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत आरायहना नृत्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई, जिसने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात शास्त्रीय शैली में कृष्ण राधा होली नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग बिरंगी वेशभूषा और पारंपरिक संगीत के साथ कलाकारों ने ब्रज की होली का सजीव चित्र उपस्थित किया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण अभय रेनबो किड्स फाउंडेशन से जुड़े ऑटिज्म थेरेपी प्राप्त कर रहे बालक देवाशीष की प्रस्तुति रही। उन्होंने शिव तांडव की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। संस्था का उद्देश्य ऑटिज्म से जुड़े बच्चों को विशेष उपचार और प्रशिक्षण देकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गूंज से उनका उत्साहवर्धन किया। मथुरा से आए कलाकारों ने मयूर नृत्य, फूलों की होली और राधा कृष्ण नृत्य प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को ब्रजमय बना दिया। कार्यक्रम में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर भागीदारी की और पारंपरिक होली गीतों की धुन पर कलाकारों के साथ उत्साहपूर्वक थिरकीं। रंग, गुलाल और संगीत से सराबोर यह आयोजन सामाजिक सौहार्द और एकता का प्रतीक बन गया। अपने संबोधन में महेश शर्मा ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गौतमबुद्धनगर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, जिसमें प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रेस समाज का आईना है और जब यह आईना हट जाता है तो निरंकुशता पनपने लगती है। उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता पर बल दिया। लक्ष्मी सिंह ने भी पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के पत्रकारों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। प्रेस क्लब ने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को एक मंच पर आमंत्रित कर सामाजिक एकता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका लोकतंत्र के तीन स्तंभ हैं, जबकि प्रेस को चौथा स्तंभ माना जाता है। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त विकृतियों को सामने लाने और जनचेतना जगाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम में यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, आरडब्ल्यूए, व्यापार मंडल, औद्योगिक संगठनों, महिला समूहों तथा शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों और पत्रकार परिवारों की उपस्थिति रही। समारोह का समापन आपसी मिलन, अबीर गुलाल और पारंपरिक होली गीतों के साथ उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ।

सर्वोदय हॉस्पिटल में लापरवाही से कटी 9 महीने की बच्ची की ऊँगली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना कविनगर थाना क्षेत्र स्थित सर्वोदय हॉस्पिटल के अंदर एक बड़ी लापरवाही हुई है। हॉस्पिटल की एक नर्स की लापरवाही से एक 9 महीने की बच्ची की ऊँगली कट गई। इस संबंध में बच्ची के पिता ने थाना कविनगर पर अस्पताल स्टाफ और नर्स के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज करवाया है। बच्ची के पिता ने बताया कि बच्ची के हाथ में लगी हुई नीडल हटनी थी। नर्स ने जब नीडल हटानी चाहिए तो उसी दौरान कैंची से बच्ची की उंगली कट कर जमीन पर गिर गई। बच्ची की ऊँगली कटते ही सब जगह खून फेल गया। उन्होंने तुरंत अन्य हॉस्पिटल स्टॉफ को सूचना दी, जिसके बाद बच्ची की ड्रेसिंग कराई गई। सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर सूर्यबली मौर्या ने बताया कि बीती 28 फरवरी 2026 को थाना कविनगर पर बच्ची की पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है।

नावला गांव स्थित देवस्थान होगा पर्यटन स्थल के रूप में विकसित : मदन भैया

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) तहसील क्षेत्र के गांव नावला स्थित प्राचीन देवस्थान को अब पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। यह जानकारी खतौली विधायक मदन भैया ने दी। उन्होंने बताया कि देवस्थान की क्षेत्र में विशेष मान्यता और गहरी आस्था है। ग्रामीणों के साथ साथ दूरदराज से आने वाले श्रद्धालु लंबे समय से इस स्थान के समुचित विकास की प्रतीक्षा कर रहे थे, जो अब पूरी होने जा रही है।

खतौली विधायक मदन भैया

विधायक मदन भैया ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा देवस्थान को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 77.86 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही प्रथम किस्त के रूप में 58 लाख रुपये की धनराशि भी अवमुक्त कर दी गई है। निधि जारी होने के साथ ही विकास कार्यों की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन संभावनाओं को नई दिशा देगी। ज्ञात हो कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व नावला गांव के ग्रामीणों ने विधायक मदन भैया को देवस्थान पर अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। उस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए देवस्थान पर मौजूद अव्यवस्थाओं और अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा कराने का आश्वासन दिया था। अब शासन से स्वीकृति मिलने के बाद उनका यह वादा साकार होता नजर आ रहा है। इससे पूर्व नावला गांव से देवस्थान तक जाने वाले लगभग दो किलोमीटर लंबे मार्ग के निर्माण की स्वीकृति भी विधायक के प्रयासों से प्राप्त हुई थी। सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने से अब श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को आवागमन में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिली है। पहले कच्चे और जर्जर मार्ग के कारण विशेषकर वर्षा ऋतु में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। विधायक ने कहा कि देवस्थान के पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने से न केवल धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। क्षेत्र में छोटे व्यवसाय, दुकानें और अन्य सुविधाएं विकसित होने से ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य क्षेत्र के धार्मिक स्थलों को संरक्षित करते हुए उन्हें आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाना है, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था मिल सके। ग्रामीणों ने शासन द्वारा स्वीकृति मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विधायक का आभार जताया। उनका कहना है कि लंबे समय से लंबित मांग पूरी होने से गांव की पहचान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। देवस्थान के विकास से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और बाहरी श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ेगी।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की जेवर इकाई का हुआ गठन

जेवर (शिखर समाचार) स्थानीय नई अनाज मंडी में रविवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जेवर मंडल की नई इकाई का विधिवत गठन किया गया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद बिहारी मिश्रा एवं जिला अध्यक्ष संजय जैन की उपस्थिति में संगठन का विस्तार करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से जैनेन्द्र कुमार जैन को संरक्षक, संजय माहेश्वरी को अध्यक्ष, अनिल गोयल (अधिवक्ता) को कोषाध्यक्ष तथा कुलदीप पंडित (आढ़ती) को महासचिव मनोनीत किया गया। पदाधिकारियों के मनोनयन की घोषणा होते ही उपस्थित व्यापारियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद बिहारी मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन सदैव तत्पर रहता है। उन्होंने कहा कि बाजार से जुड़े मुद्दों को शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने और उनका निराकरण कराने में संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने नवगठित इकाई से अपेक्षा जताई कि वह व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए सक्रियता और एकजुटता के साथ कार्य करेगी।

जिला अध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि जेवर क्षेत्र के व्यापारियों की लंबे समय से संगठन की मजबूत इकाई की मांग थी, जिसे अब पूरा कर दिया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी क्षेत्र के व्यापारिक विकास और समस्याओं के समाधान में अहम भूमिका निभाएगी। नव नियुक्त पदाधिकारियों ने प्रदेश एवं जिला नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। उन्होंने सभी व्यापारियों से संगठन के साथ जुड़कर सामूहिक शक्ति को बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों और उपस्थित व्यापारियों ने व्यापारियों के हित में एकजुट होकर कार्य करने, आपसी समन्वय बनाए रखने तथा क्षेत्र में स्वस्थ व्यापारिक वातावरण को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रवीन जैन, योगी शर्मा, यतीश गोयल, सुभाष चंद गर्ग, राकेश माहेश्वरी, प्रभात तायल, यश गोयल, दीपक शर्मा, सचिन अग्रवाल, राहुल गोयल, राम बंसल, सचिन जैन, राजू सक्सेना, यश तायल, सोनू बंसल सहित सैकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे।

जान से मारने की नीयत से गोली चलाने का आरोप, पुरानी रंजिश में फायरिंग से दहशत

जेवर (शिखर समाचार) कोतवाली क्षेत्र के गांव नीमका में पुरानी रंजिश के चलते जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने का मामला सामने आया है। गांव निवासी एक व्यक्ति ने गांव के ही कुछ लोगों पर अपने भाई और भाभी पर गोली चलाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। गांव नीमका निवासी राजकुमार ने कोतवाली पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसके भाई प्रेम सिंह सोमवार को अपनी पत्नी के साथ गांव के मंदिर में पूजा अर्चना के लिए गए थे। आरोप है कि मंदिर के पास ही गांव के दो व्यक्ति उनसे मिले और कुछ देर बाद उन्होंने अपने एक अन्य साथी को भी मौके पर बुला लिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि तीनों व्यक्तियों ने प्रेम सिंह और उनकी पत्नी का पीछा किया तथा सुनसान स्थान पर पहुंचते ही जान से मारने की नीयत से उन पर फायरिंग कर दी। गोली चलने से मौके पर अफरा तफरी मच गई। हालांकि गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी और दोनों बाल बाल बच गए। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। राजकुमार का कहना है कि जिन लोगों ने फायरिंग की, उन्हीं पर उसके एक अन्य भाई की हत्या का आरोप है और उस मामले में न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन है। प्रेम सिंह उसी मुकदमे की पैरवी कर रहे हैं। आरोप है कि मुकदमे में दबाव बनाने और गवाही से रोकने के उद्देश्य से यह जानलेवा हमला किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और संभावित स्थानों पर लगे निगरानी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिवार ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और सुरक्षा की मांग की है। उनका कहना है कि पहले भी उन्हें धमकियां मिलती रही हैं। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मेयर ने लोहिया नगर फ्लाईओवर के नीचे ग्रीन बेल्ट पर अवैध मजार हटाने का सुनाया फरमान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में एक बार फिर अवैध तरह से सरकारी जमीन पर बनी मजार का मुद्दा गरमानें लगा है। इस बार मुद्दा मेयर सुनीता दयाल ने उठाया है। मेयर ने लोहिया नगर फ्लाईओवर के नीचे ग्रीन बेल्ट पर बनी मजार को जल्द से जल्द हटाने का फरमान सुना दिया है। मेयर ने एफ हफ्ते का समय मजार पर मौजूद माँ बेटे को दिया है। मेयर ने मौके पर सख्त चेतावनी दी है कि अगर ग्रीन बेल्ट से मजार नहीं हटी तो नगर निगम उसे हटाएगा। आपको बता दे कि मेयर ने इससे पहले भी शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन के पास बनी हुई अवैध मजार पर कार्यवाही करते हुए उसे तुड़वाया था। वहां पर भी ग्रीन बेल्ट की जमीन पर अवैध रूप से मजार बनी हुई थी। सोमवार को मेयर सुनीता दयाल क्षेत्र का निरीक्षण कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने लोहिया नगर फ्लाईओवर के नीचे ग्रीन बेल्ट पर अवैध रूप से मजार बनी हुई देखी। मजार को देखते ही मेयर का काफिला मौके पर रुक गया और मां बेटे को मजार हटाने का फरमान सुना दिया। मौके पर एक महिला वहां पर चद्दर व अन्य सामान बेच रही थी। इतना ही नहीं महिला ने अपने रहने की व्यवस्था भी वही ग्रीन बेल्ट पर कर रखी थी। इन सब चीजों को देखते हुए मेयर ने एक हफ्ते का समय देत हुए जगह खाली करने की चेतावनी दे दी है। फिलहाल मेयर का यह वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

श्री बालाजी ऐन्कलेव सैक्टर में वेद मंत्रों के साथ सम्पन्न हुआ होलिका दहन

दादरी (शिखर समाचार)। श्री बालाजी ऐन्कलेव सैक्टर दादरी में दिनांक 2 अप्रैल 2026 को सायं 8:00 बजे मंदिर प्रांगण में होलिका दहन कार्यक्रम श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सैक्टर के संरक्षक बलराज नागर एवं सैक्टर अध्यक्ष ओमवीर आर्य (एडवोकेट) द्वारा विधि-विधान से पूजन कर किया गया।

कॉलोनी के महंत विजय पंडित ने वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ होलिका दहन की पावन परंपरा को पूर्ण कराया। मंत्रोच्चारण की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर महंत विजय पंडित ने सभी सैक्टर वासियों की शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि होली का पर्व प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के साथ शांतिपूर्वक मनाया जाए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सैक्टर वासियों ने सहभागिता की। प्रमुख रूप से अशोक वर्मा,राजकुमार आर्य, जिले भाटी, हंसराज जी, आदित्य शर्मा, कंछी वर्मा, किरणपाल नागर, सुरेश भगत, सुरेश (प्रिन्स रेडीमेड), महेंद्र कुमार (एडवोकेट), विनोद नागर, धर्मेंद्र नागर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। होलिका दहन के पश्चात सभी ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं और समाज में एकता एवं सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम का आयोजन सुव्यवस्थित एवं गरिमामय रहा, जिससे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा।

ब्राह्मण समाज एकता मंच के तत्वावधान में फुगाना में बैठक, सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने का आह्वान

शामली (शिखर समाचार) ब्राह्मण समाज एकता मंच के तत्वावधान में फुगाना कस्बे में ब्राह्मण समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज में फैल रही सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने, संगठन को मजबूत बनाने और नई पीढ़ी को सही दिशा देने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने एकजुट होकर समाज सुधार के लिए ठोस कदम उठाने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता गठवाला खाप के बाबा सत्येंद्र वशिष्ठ ने की, जबकि संचालन पंडित नरेश शर्मा द्वारा किया गया। अपने संबोधन में अध्यक्ष ने कहा कि समाज की उन्नति तभी संभव है जब सभी लोग मिलकर नशा, बाल विवाह और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संगठित रूप से कार्य करें। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को नशे की लत से बचाना सबसे बड़ी चुनौती है, जिसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। वक्ताओं ने नशा मुक्ति अभियान को गांव गांव तक पहुंचाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को अपने बच्चों की शिक्षा, संस्कार और संगति पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि परिवार जागरूक होगा तो समाज स्वतः सशक्त होगा। इसके साथ ही बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाज के लिए घातक बताते हुए इसे जड़ से समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की गई।

बैठक में भाईचारे, आपसी सहयोग और संगठनात्मक एकता पर भी बल दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज में मतभेद भुलाकर सभी को विकास और सुधार की दिशा में एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना ही समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। इस अवसर पर पंडित सत्य प्रकाश शर्मा, सत्तू शर्मा, राजकुमार वशिष्ठ, रामकुमार वशिष्ठ, ओमदत्त शर्मा, हरिमोहन शर्मा, अशोक शर्मा, चंद्रपाल शर्मा, सोमदत्त शर्मा, राजीव शर्मा सहित ब्राह्मण समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने समाज की भलाई और विकास के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चलने तथा सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लिया।

शारदा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ डेंटल साइंस में सामुदायिक स्वास्थ्य योद्धाओं के सम्मान में होली मिलन समारोह

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शारदा यूनिवर्सिटी के अंतर्गत संचालित स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज में होली मिलन समारोह का आयोजन उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान तथा संस्थान के विशेषज्ञ दंत चिकित्सक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य सहयोगियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के योगदान का सम्मान करना तथा उनके साथ समन्वय को और मजबूत बनाना था। समारोह के दौरान सभी प्रतिभागियों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं और प्रेम, सौहार्द व आपसी सम्मान की भावना के साथ पर्व मनाया। कार्यक्रम का वातावरण संवादात्मक और सकारात्मक रहा। आशा कार्यकर्ताओं एवं ग्राम प्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे, चुनौतियां और सुझाव साझा किए। विशेषज्ञों ने इन प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत करते हुए बेहतर समन्वय और नियमित स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन का आश्वासन दिया। चर्चा में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मुख स्वास्थ्य जागरूकता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा निवारक दंत सेवाओं के विस्तार पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता समाज और स्वास्थ्य संस्थानों के बीच महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं, जिनके सहयोग से ही स्वास्थ्य योजनाएं प्रभावी रूप से लागू हो पाती हैं। पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर डॉ. स्वाति शर्मा ने कहा कि आशा कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधि स्वास्थ्य तंत्र की मजबूत आधारशिला हैं। उनका समर्पण समाज के स्वास्थ्य सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाता है। निदेशक डॉ. अजीत ने भी उनके कार्यों की सराहना करते हुए निरंतर सहयोग का भरोसा दिलाया। डीन डॉ. हेमंत ने संस्थान की सामुदायिक उन्मुख स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए गुणवत्तापूर्ण दंत सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. फेजल, डॉ. आशीष, डॉ. रोहित, डॉ. साक्षी, डॉ. राशी सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक और कर्मचारी उपस्थित रहे। होली के रंगों के बीच आयोजित यह समारोह आपसी विश्वास, सहयोग और सम्मान की भावना को सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ।

राष्ट्रीय प्रभारी पंडित केसी गौड़ को मानद डॉक्टरेट की उपाधि, संगठन में खुशी की लहर

शामली (शिखर समाचार) अखिल भारतवर्ष ब्राह्मण सभा (पंजीकृत) शामली की एक बैठक बरखंडी स्थित वीरो वाला मंदिर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी पंडित अरविंद कौशिक ने की तथा संचालन प्रदीप शर्मा द्वारा किया गया। बैठक में संगठन के राष्ट्रीय प्रभारी पंडित केसी गौड़ को मानद डॉक्टरेट की उपाधि से विभूषित किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया गया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने पंडित केसी गौड़ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंडित पंकज शर्मा ने कहा कि 1 मार्च 2026 को EWIU द्वारा पंडित केसी गौड़, राष्ट्रीय प्रभारी, अखिल भारतवर्ष ब्राह्मण सभा (पंजीकृत) को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम है, बल्कि पूरे संगठन के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि पंडित केसी गौड़ लंबे समय से समाज सेवा, शिक्षा, पर्यावरण जागरूकता और धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में संगठन ने विभिन्न सामाजिक अभियानों को सफलतापूर्वक संचालित किया है, जिससे समाज में जागरूकता और एकता का संदेश गया है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी पंडित अरविंद कौशिक ने भी उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सम्मान उनके समर्पण, निष्ठा और निरंतर सेवा भावना का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पंडित गौड़ आगे भी इसी प्रकार समाजहित में कार्य करते रहेंगे।

बैठक में सभी पदाधिकारियों ने भगवान परशुराम जी से उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की तथा कामना की कि वे निरंतर समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रहें।

बैठक में मुख्य रूप से पंडित पंकज शर्मा (उत्तर प्रदेश अध्यक्ष), पंडित अरविंद कौशिक (पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी), सुशील गौतम, प्रदीप शर्मा, मनोज शर्मा, मुकेश गौतम एडवोकेट, सुमित कौशिक सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

होलिका दहन, चंद्र ग्रहण और दुल्हडी: आस्था, विज्ञान और सामाजिक चेतना का संगम

2 मार्च 2026 को देशभर में एक अद्भुत संयोग चर्चा का विषय बना हुआ है। फाल्गुन पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर होलिका दहन की तैयारियाँ जोरों पर हैं, वहीं इसी कालखंड में चंद्र ग्रहण का खगोलीय योग और उसके बाद दुल्हडी (धुलेंडी) का उत्सव, समाज को आस्था, परंपरा और विज्ञान के त्रिवेणी संगम पर खड़ा कर रहा है। यह संयोग केवल पंचांग की तिथि भर नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक जीवन, सांस्कृतिक चेतना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की परीक्षा भी है। ऐसे अवसर पर आवश्यक है कि हम इन तीनों आयामों को संतुलित दृष्टि से देखें और अपने आचरण को समयानुकूल बनाएं। होलिका दहन भारतीय संस्कृति में सत्य की असत्य पर विजय का प्रतीक है। पौराणिक कथा में भक्त प्रह्लाद की अटूट आस्था और अत्याचारी हिरण्यकश्यप की पराजय का संदेश निहित है। होलिका की अग्नि केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह उस मानसिकता को जलाने का प्रतीक है जो अहंकार, अत्याचार और अन्याय को बढ़ावा देती है। आज जब समाज में कटुता, द्वेष और सामाजिक विभाजन की प्रवृत्तियाँ उभर रही हैं, तब होलिका दहन हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि हम अपने भीतर की नकारात्मकताओं को भी इसी अग्नि में समर्पित करें। यदि यह पर्व केवल लकड़ियाँ जलाने तक सीमित रह जाए और हमारे व्यवहार में परिवर्तन न आए, तो इसकी आत्मा अधूरी रह जाती है। इसी क्रम में चंद्र ग्रहण का खगोलीय योग भी चर्चा में है। वैज्ञानिक दृष्टि से चंद्र ग्रहण पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा की विशेष स्थिति के कारण घटित होने वाली एक प्राकृतिक घटना है। आधुनिक विज्ञान ने स्पष्ट कर दिया है कि इसका मनुष्य के दैनिक जीवन पर कोई प्रत्यक्ष दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। फिर भी समाज का एक बड़ा वर्ग इसे शुभ-अशुभ की दृष्टि से देखता है। ग्रहण के समय भोजन न करना, गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सावधानियाँ, मंदिरों के पट बंद करना जैसी परंपराएँ आज भी प्रचलित हैं। परंपराओं का सम्मान आवश्यक है, किंतु अंधविश्वास से दूरी भी उतनी ही जरूरी है। यह अवसर हमें याद दिलाता है कि भारत जैसे देश में, जहां एक ओर इसरो अंतरिक्ष में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वैज्ञानिक तथ्यों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता अब भी बनी हुई है। दुल्हडी या धुलेंडी, होली का वह रंगीन रूप है जिसमें सामाजिक भेदभाव मिटाने का संदेश छिपा है। रंगों का यह उत्सव जाति, वर्ग, धर्म और क्षेत्र की सीमाओं को पार कर लोगों को एक-दूसरे के निकट लाता है। किंतु विडंबना यह है कि कई स्थानों पर यही उत्सव उच्छृंखलता, नशाखोरी और अशोभनीय व्यवहार का माध्यम भी बन जाता है। पानी की बबार्दी, रासायनिक रंगों का उपयोग, पशुओं और पर्यावरण को होने वाली क्षति, तथा महिलाओं के प्रति अभद्र आचरण जैसी समस्याएँ इस पर्व की गरिमा को आहत करती हैं। यदि दुल्हडी को सचमुच सामाजिक सौहार्द का पर्व बनाना है, तो हमें संयम, मयार्दा और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। आज का समय पर्यावरणीय संकटों का भी है। जलवायु परिवर्तन, जल संकट और प्रदूषण जैसी चुनौतियाँ हमारे सामने हैं। ऐसे में होलिका दहन के नाम पर अत्यधिक लकड़ी जलाना, प्लास्टिक और रबर जैसी हानिकारक वस्तुओं को अग्नि में डालना पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। कई नगरों में प्रशासन सामूहिक होलिका दहन और सीमित संसाधनों के उपयोग की अपील कर रहा है। यह सकारात्मक पहल है। यदि समाज स्वयं आगे बढ़कर हरित होली का संकल्प ले, प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करे और जल की बचत करे, तो यह पर्व आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आनंद का स्रोत बना रहेगा। चंद्र ग्रहण के संदर्भ में भी यह समय वैज्ञानिक चेतना को प्रोत्साहित करने का है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं को चाहिए कि वे इस अवसर पर खगोल विज्ञान से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करें, जिससे नई पीढ़ी आकाशीय घटनाओं को जिज्ञासा और ज्ञान की दृष्टि से देखे, न कि भय और भ्रम की दृष्टि से। जब बच्चे दूरबीन से चंद्रमा को देखते हैं और समझते हैं कि ग्रहण कैसे लगता है, तब वे परंपरा और विज्ञान के बीच संतुलन बनाना सीखते हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

जो अपनी गलतियों से लगातार सीखता है, जीवन की रेस में ज्यादातर वही जीतता है।

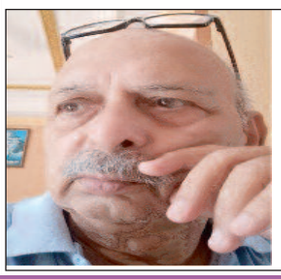

© विनय संकोची

विनाश का अट्टहास: तीन नेताओं की हठ और तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर खड़ी मानवता

दिलीप कुमार पाठक

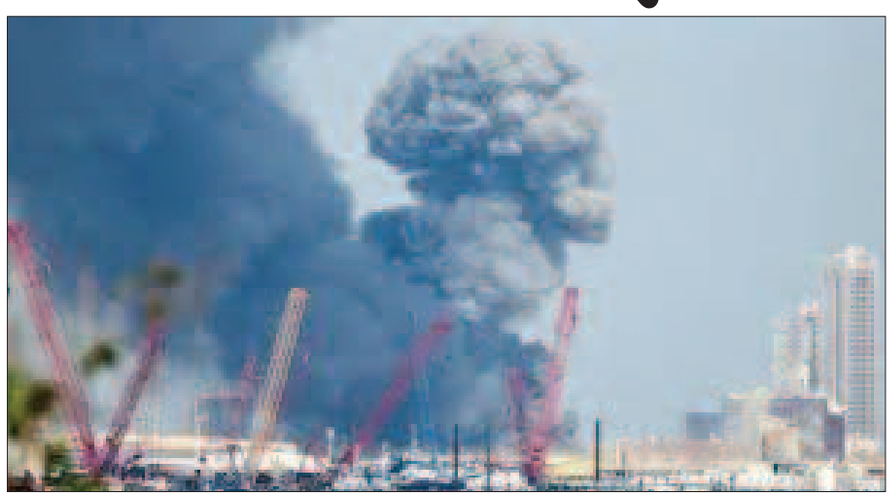

दुनिया की नजरें इस वक्त मध्य पूर्व के उस सुलगते बारूद पर टिकी हैं, जहाँ एक चिंगारी ने पूरे वैश्विक अमन-चैन को स्वाहा करने की ठान ली है। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की एक भीषण सैन्य हमले में हुई मृत्यु ने इस पूरे क्षेत्र को श्मशान में बदलने की कगार पर खड़ा कर दिया है। इस घटना के बाद ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने जिस तरह से प्रतिशोध का बिगुल फूंका है, उससे साफ है कि अब यह केवल दो देशों की आपसी रंजिश नहीं रही। पेजेश्कियान का यह रुख कि वे अपने नेतृत्व की हत्या का बदला लेने के लिए अंतिम विकल्प तक जा सकते हैं, पूरी मानव सभ्यता के लिए एक प्रलयंकारी संकेत है। अगर हम निष्पक्ष होकर इस महासंकट का विश्लेषण करें, तो समझ आता है कि चंद शक्तिशाली नेताओं के अहंकारी फैसलों और व्यक्तिगत राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने आज अरबों लोगों की सांसों को गिरवी रख दिया है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को यह गंभीरता से सोचना होगा कि क्या केवल मिसाइलों और लक्षित हत्याओं से इजरायल कभी सुरक्षित हो पाएगा? इतिहास गवाह है कि रक्तपात हमेशा नई और अधिक भयानक नफरत को जन्म देता है। नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह आरोप लगता है कि वे अपने घरेलू राजनीतिक संकट और सत्ता की कुर्सी बचाने के लिए इस युद्ध की आग को जानबूझकर बुझने नहीं दे रहे हैं। उन्हें यह समझना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियाँ उड़ाकर और संप्रभु देशों के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाकर हासिल की गई जीत असल में एक नैतिक हार है। इजरायल की असली ताकत पड़ोसियों के साथ विश्वास की दीवार खड़ी करने में है, न कि डर का साम्राज्य फैलाने में। बेगुनाह बच्चों और आम नागरिकों की चीखें किसी भी आधुनिक राष्ट्र के लिए विजय का गान नहीं हो सकतीं।

दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी आक्रामक विदेश नीति इस पूरे विवाद की जड़ में बारूद बिछाने का काम कर रही है। ट्रम्प के शासनकाल में लिए गए कठोर फैसलों और अब उनके युद्ध-समर्थक बयानों ने सुलह की रही-सही गुंजाइश को भी मटियामेट कर दिया है। एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में अमेरिका का उत्तरदायित्व शांति स्थापना का होना चाहिए था, लेकिन ट्रम्प की धौंस और दबाव वाली नीति अक्सर समाधान के बजाय संकट को अधिक गहरा कर देती है। अमेरिका को यह समझना होगा कि दुनिया अब उनके एकतरफा आदेशों का दास नहीं है। हथियारों का बाजार गर्म करने और सैन्य गठबंधनों को उकसाने की होड़ ने कूटनीति की मेज को धराशायी कर दिया है। अगर अमेरिका ने एक पक्षपाती खिलाड़ी की भूमिका नहीं छोड़ी, तो वह इतिहास में एक शांति रक्षक नहीं बल्कि एक वैश्विक गृहयुद्ध के सूत्रधार के रूप में दर्ज होगा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के लिए भी यह गहरे आत्ममंथन का समय है। एक राष्ट्र के रूप में अपने सर्वोच्च मार्गदर्शक को खोना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन प्रतिशोध के आवेश में आकर पूरी दुनिया को परमाणु विभीषिका की धमकी देना किसी भी तर्क से उचित नहीं है। पेजेश्कियान को चाहिए कि वे कट्टरपंथियों के दबाव में आकर अपनी जनता को मौत की भट्टी में न झोंकें। ईरान को यह समझना होगा कि प्रॉक्सि वार और अस्थिरता फैलाने वाली नीतियां अंततः उसे ही दुनिया में अलग-अलग कर देंगी। युद्ध की हुंकार भरना आसान है, लेकिन जर्जर अर्थव्यवस्था और उजड़े हुए परिवारों को फिर से खड़ा करना असंभव होता है। उन्हें आक्रोश के बजाय संयम और कूटनीति के कठिन मार्ग को चुनना चाहिए ताकि ईरान का अस्तित्व बचा रह सके।

इस संघर्ष का वैश्विक असर अब केवल तेल की कीमतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर इंसान की थाली तक पहुँच चुका है। होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे व्यापारिक मार्गों के बंद होने के डर ने दुनिया भर की सप्लाई चेन को पंगु बना दिया है। यदि यह तनाव पूर्ण युद्ध में बदलता है और रूस-चीन जैसे देश इसमें कूदते हैं, तो यह आधिकारिक रूप से तृतीय विश्व युद्ध का आगाज होगा। परमाणु युग में लड़ा जाने वाला यह युद्ध किसी को विजेता नहीं बनाएगा, बल्कि धरती पर केवल राख के ढेर और सन्नाटा छोड़ जाएगा। भारत का पक्ष इस पूरे विवाद में दुनिया के लिए एक मिसाल है। भारत की नीति हमेशा से संतुलित और मानवीय रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार चेतावनी दी है कि यह युग युद्ध का नहीं है। भारत के लिए यह स्थिति किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा और खाड़ी देशों में रहने वाले लगभग 90 लाख भारतीयों की जान सीधे इस खतरे की जद में है। भारत आज दुनिया का वह विरल देश है जो इजरायल और ईरान, दोनों से संवाद करने का हौसला रखता है। निष्कर्ष यही है कि आज दुनिया को हथियारों की नुमाइश की नहीं, बल्कि संवेदनशील और दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत है। यदि इन तीनों देशों ने अपना अहंकार नहीं त्यागा, तो आने वाली पीढ़ियाँ इन्हें मानवता के हत्यारों के रूप में याद रखेंगी।

स्वास्थ्य, संस्कृति और अर्थव्यवस्था का आधार है वन्यजीव संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

वन्यजीवों की पुकार, अब नहीं तो कभी नहीं... वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'औषधीय और सुगंधित पौधेः स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय मानव स्वास्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय आजीविका को बनाए रखने में इन पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है, साथ ही पयार्वास के विनाश, अत्यधिक कटाई और अन्य कारणों से इन पर बढ़ते दबावों को दशार्ता है।

जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं।

समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीफेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुमार्ना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

बदलते दौर में होलीः परंपरा से आधुनिकता तक का सफर

सुनील कुमार महला

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, प्रेम, क्षमा और बंधुत्व का प्रतीक है। यह शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व भी है। फाल्गुन मास में जब पलाश के फूल खिलते हैं और आम्र-मंजरियां महकती हैं, तब प्रकृति स्वयं रंगों में रच-बस जाती है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों के साथ-साथ मन को भी रंगना आवश्यक है।

हर वर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन का पर्व मनाया जाता है और उसके अगले दिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को रंगों की होली खेली जाती है। किंतु इस वर्ष पूर्णिमा तिथि पर वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ने के कारण होलिका दहन और रंगोत्सव की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

ज्योतिषियों के अनुसार इस वर्ष 3 मार्च 2026 को वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ रहा है और यह भारत में भी दृश्यमान होगा। द्रिक पंचांग के अनुसार ग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ होकर सायं 6 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। चूंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल 9 घंटे पूर्व, अर्थात सुबह 6 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल में शुभ कार्य, उत्सव, पूजन, भोजन बनाना और ग्रहण करना वर्जित माना जाता है। इस दौरान मंदिरों के कपाट भी बंद कर दिए जाते हैं। ऐसे में रंगों की होली खेलना अशुभ और नकारात्मक प्रभाव देने वाला माना गया है।

शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन के अगले दिन ही रंगों की होली खेली जाती है, किंतु इस बार ग्रहण के कारण विशेष सावधानी अपेक्षित है। होलिका दहन 2 मार्च 2026, सोमवार की रात्रि में भद्रा के पुच्छ काल में किया जा सकता है। भद्रा का पुच्छ 2 मार्च को रात्रि 11 बजकर 53 मिनट से 3 मार्च की रात्रि 1 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। इसके अतिरिक्त 3 मार्च को प्रातः 5:30 बजे से 6:45 बजे के बीच भी होलिका दहन करना लाभकारी माना गया है, क्योंकि इसके बाद सूतक काल प्रारंभ हो जाएगा। चूंकि 3 मार्च को सूतक और ग्रहण का प्रभाव रहेगा, इसलिए उस दिन रंगों की होली खेलना उचित नहीं है। इस दृष्टि से 4 मार्च 2026 को रंगों की होली मनाना अधिक शुभ और लाभकारी रहेगा। ग्रहण समाप्ति के बाद स्नानादि कर शुद्ध होकर ही किसी भी प्रकार का उत्सव करना चाहिए।

होली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्वः-

होली भारत का एक प्राचीन और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा उत्सव है। इसकी जड़ें भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन और अगले दिन रंगोत्सव मनाने की परंपरा सदियों पुरानी है। प्राचीन काल में होली केवल एक दिन का त्योहार नहीं होती थी, बल्कि पूरे फाल्गुन मास में फाग और उल्लास का वातावरण बना रहता था। गांवों में चंग और ढोल की थाप पर फाग गीत गूंजते थे, स्वांग और लोकनाट्य प्रस्तुतियां होती थीं तथा समाज के सभी वर्ग मिलकर उत्सव मनाते थे। पूर्वकाल में होली अत्यंत सामुदायिक और सौहार्दपूर्ण होती थी। लोग घर-घर जाकर फाग गाते थे। महिलाएं गाय के गोबर से उपले बनाती थीं, जिन्हें होलिका दहन की अग्नि में अर्पित किया जाता था। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति और कृषि संस्कृति से जुड़ी आस्था का प्रतीक था। होलिका पूजन विधि-विधान से किया जाता था, जिसमें परिवार की सुख-समृद्धि और उत्तम फसल की कामना की जाती थी। अग्नि में हरे चने और गेहूं की बालियां सेंकी जाती थीं। इन भुने चनों को 'होला' कहा जाता है, जिन्हें प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता था। यह परंपरा रबी की फसल के पकने और कृषि समृद्धि से जुड़ी थी।

रंगों का आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थः-

होलिका दहन के अगले दिन प्राकृतिक रंगों, गुलाल और अबीर से होली खेली जाती थी। लोग गले मिलकर पुराने मतभेद भुला देते थे। होली का मूल संदेश है-मन के विकारों को जलाकर प्रेम, क्षमा और भाईचारे के रंग में रंग जाना। रंगों में तीन प्रमुख रंग माने गए हैं-लाल, हरा और नीला। शेष रंग इन्हीं से निर्मित होते हैं। लाल रंग उत्साह, साहस, सौभाग्य, उमंग और नवजीवन का प्रतीक है। यह मानवीय चेतना में तीव्र ऊर्जा और कंपन उत्पन्न करता है। होली का जोश और उल्लास लाल रंग में ही परिलक्षित होता है।हरा रंग विश्वास, उर्वरता, समृद्धि और प्रगति का प्रतीक है। यह विचारों की हरियाली और जीवन की खुशहाली का संदेश देता है। नीला रंग शांति, स्थिरता और व्यापकता का प्रतीक है। आकाश और समुद्र की विशालता की भांति यह समावेशी भावना का द्योतक है। वास्तु शास्त्र में इसे मानसिक शांति से जोड़ा गया है तथा योग दर्शन में इसे विशुद्ध चक्र (कंठ चक्र) के संतुलन से संबंधित माना जाता है।

साहित्य में होलीः-

महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने भी होली के उल्लास और प्रकृति के रंगों का सुंदर चित्रण किया है। उनकी कविता में लाल गुलाल और प्रकृति के राग-पराग का जो वर्णन मिलता है, वह होली के सांस्कृतिक सौंदर्य को सजीव कर देता है।

पारंपरिक होली बनाम आधुनिक होलीः-

पूर्वकाल में होली प्राकृतिक रंगों से खेली जाती थी-हल्दी से पीला, चुकंदर से लाल, फूलों से गुलाबी और नीम की पत्तियों से हरा रंग बनाया जाता था। ये रंग त्वचा के लिए सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक होते थे। पलाश के फूलों से बना रंग विशेष लोकप्रिय था। आज रासायनिक रंगों का प्रचलन बढ़ गया है, जिनमें कई बार सल्फर और भारी धातुओं का उपयोग होता है। इनके कारण त्वचा में जलन, एलर्जी, आंखों में संक्रमण तथा पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। पहले होली गीतों में अश्लीलता नहीं होती थी; फाग, ढोल-नगाड़े, चंग-डफ और बांसुरी के साथ सामूहिक उत्सव मनाया जाता था। नशे का प्रचलन सीमित था। समय के साथ डीजे संस्कृति, तेज ध्वनि और डिजिटल माध्यमों ने स्थान ले लिया है। आत्मीयता, बड़ों का आशीर्वाद लेने की परंपरा तथा सामुदायिकता में कमी देखी जा रही है।

होली का वास्तविक संदेशः-

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, प्रेम, क्षमा और बंधुत्व का प्रतीक है। यह शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व भी है। फाल्गुन मास में जब पलाश के फूल खिलते हैं और आम्र-मंजरियां महकती हैं, तब प्रकृति स्वयं रंगों में रच-बस जाती है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों के साथ-साथ मन को भी रंगना आवश्यक है। यह पर्व नकारात्मकता, द्वेष और कटुता को त्यागकर नवजीवन का संदेश देता है। यदि हम मयार्दा, प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक मूल्यों के साथ होली मनाएं, तो यह पर्व आज भी उतनी ही आत्मीयता और उल्लास से मनाया जा सकता है, जितना पूर्वकाल में मनाया जाता था। अंततः होली का सार यही है-रंगों में घुली मिठास हो,हर चेहरे पर उल्लास हो, दिल से दिल की पहचान हो, और जीवन प्रेम व सद्भाव से परिपूर्ण हो। आप सभी को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

संक्षिप्त समाचार

पिकअप की टक्कर से सीएनजी प्लांट के चौकीदार की मौत, हादसे के बाद चालक भागा

पीलीभीत , एजेंसी। पीलीभीत के जहानाबाद क्षेत्र में शनिवार देर रात हुए सड़क हादसे में सीएनजी प्लांट के चौकीदार की मौत हो गई। घटना जतीपुर गांव के पास की है। बरेली के थाना नवाबगंज क्षेत्र निवासी सत्येंद्र कुमार बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में सड़क किनारे खड़े गन्ना लदे ट्रक को बचाने के प्रयास में सामने से आ रही पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही सत्येंद्र कुमार की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से भाग गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। थाना प्रभारी प्रदीप विश्नोई ने बताया कि दुर्घटना सड़क किनारे खड़े गन्ना लदे ट्रक से बचने के प्रयास में हुई। पुलिस ने अवैध रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ सख्ती की बात कही है। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

एलयूसीसी घोटाले में आरोपी के घर कुर्की का नोटिस

बाराबंकी, एजेंसी। बहुचर्चित एलयूसीसी चिटफंड कंपनी मामले में फरार चल रहे आरोपी के खिलाफ पुलिस ने कुर्की का नोटिस जारी करने की कार्रवाई की है। एलयूसीसी चिटफंड कंपनी द्वारा निवेशकों से करोड़ों रुपये ऐंठकर फरार होने के मामले में दर्ज मुकदमे की विवेचना के दौरान पुलिस ने जालौन जिले में पहुंचकर आरोपी के घर पर कुर्की की नोटिस चस्पा किया। निवेश के नाम पर कंपनी द्वारा ठगी करने के करीब डेढ़ दर्जन मामले दर्ज हैं। पहला मामला बदोसराय कोतवाली में दर्ज हुआ था। जांच के दौरान सामने आया कि कंपनी से जुड़े आरोपी प्रदेश के अलग-अलग जिलों के निवासी हैं। पुलिस अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, लेकिन कुछ नाम अब भी फरार सूची में शामिल हैं। इन्हीं फरार आरोपियों में जालौन जिले के निवासी शबाब हुसैन रिजवी का नाम भी शामिल है। वह न्यायालय द्वारा जारी कई नोटिसों के बावजूद पेश नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई शुरू की है। इंस्पेक्टर जयप्रकाश यादव की टीम ने जालौन के मोहनपुरा कबाड़ी मार्केट, थाना उरई क्षेत्र में पहुंचकर आरोपी के घर पर नोटिस चस्पा किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यदि आरोपी शीघ्र न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होता है तो आगे की प्रक्रिया के तहत संपत्ति जब्ती और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई तय की जाएगी।

होली मिलन पर न हो टकराव, मेरठ पुलिस ने इस प्राचीन मंदिर के पुजारी को दिया नोटिस

मेरठ, एजेंसी। पुलिस ने बिलवेश्वरनाथ मंदिर के पुजारी गणेश दत्त शर्मा को नोटिस दिया है। आज मंदिर में होली मिलन समारोह होना है, जिसे लेकर दोनों पक्षों में तनाव की स्थिति है। पहले ही धार्मिक आयोजनों पर विवाद होता रहा है। मंदिर समिति ट्रस्ट की महामंत्री राशि शर्मा ने नोटिस पर विरोध जताया है। सदर थाने के पीछे स्थित प्राचीन बिलवेश्वरनाथ मंदिर प्रांगण में स्थित भगवान जगन्नाथ जी मंदिर के पुजारी गणेश दत्त शर्मा को पुलिस ने शनिवार शाम नोटिस जारी कर दिया। इसे लेकर मंदिर समिति के पदाधिकारी भड़क गए हैं। नाराज पदाधिकारियों ने भाजपा नेताओं के दबाव में नोटिस जारी करने का आरोप पुलिस पर लगाया है। साथ ही रविवार को मंदिर में होने वाले होली मिलन समारोह के लिए सुरक्षा की गुहार भी लगाई है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने पुजारी गणेश दत्त शर्मा को नोटिस जारी किए जाने की पुष्टि की। नोटिस में मंदिर पर कब्जे को लेकर कानून-व्यवस्था भंग होने और रविवार को होने वाले होली मिलन समारोह के दौरान शांतिभंग की आशंका व्यक्त की गई है। भगवान जगन्नाथ स्वामी जी मंदिर समिति ट्रस्ट की महामंत्री राशि शर्मा ने बताया कि नोटिस जारी कर दिया, लेकिन धार्मिक स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस-प्रशासन की जिम्मेदारी है। राशि ने पुलिस के इस कदम का विरोध किया। कहा कि कुछ भाजपा नेताओं के दबाव में पुलिस नोटिस देकर परेशान कर कर रही है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कलक्ट्रेट के एक प्रशासनिक अधिकारी के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराने के लिए भी अर्जी दी गई है। एसपी सिटी के मुताबिक पहले भी दो पक्षों में मंदिर पर कब्जे को लेकर विवाद हो चुका है। होली पर आयोजित समारोह के दौरान किसी तरह का टकराव न हो, इसलिए नोटिस दिया गया है।

मेरठ में नामी सराफ का 244 ग्राम सोना लेकर बंगाली कारीगर फरार

मेरठ, एजेंसी। शहर सराफा के न्यायदर मल सुरेश चंद ज्वैलर्स के मालिक सौरभ रस्तोगी ने 244 ग्राम सोना बंगाली कारीगर सुभाष पाल को दिया था। लेकिन वह परिवार समेत फरार हो गया। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। शहर के सराफा बाजार में एक बड़े सराफ का 244 ग्राम सोना लेकर बंगाली कारीगर फरार हो गया। पहले भी बाजार में ऐसे मामले सामने आए हैं, जिसमें बंगाली कारीगर जेवर बनाने के बहाने सोना लेकर भाग गए थे। इस बार सराफ ने घर और दुकान जाकर देखा तो ताले लगे हुए थे और कारीगर व उसके साथी फरार थे। सराफा बाजार के न्यायदर मल सुरेश चंद ज्वैलर्स के मालिक सौरभ रस्तोगी ने बताया कि उन्होंने तीन फरवरी को 244 ग्राम पक्का सोना बंगाली कारीगर सुभाष पाल, निवासी ग्राम घटाल, मेदनीपुर, पश्चिम बंगाल को जेवर बनाने के लिए सौंपा था। इस सोने की कीमत करीब 39 लाख रुपये है। सुभाष ने 14 फरवरी को जेवर तैयार करके लौटाने का वादा किया था लेकिन जब उनके पास कर्मचारी भेजा गया तो सुभाष की दुकान और घर पर ताला लगा था। उसके कारीगर भी गायब थे और मोबाइल बंद था। सौरभ ने देहली गेट थाने में तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सर्विलांस और अन्य उपायों में जुटी है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने कहा कि आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। यह मामला स्थानीय सराफा बाजार के लिए चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि पहले भी ऐसे घटनाओं में जेवर और सोने का नुकसान उठाना पड़ा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी बोले, फॉर्म -6 भरकर मतदाता बनिए

नोटिस या त्रुटियां सही कराने का झंझट छोड़िए

मेरठ, एजेंसी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मेरठ आकर एसआईआर का मुआयना किया। बताया कि जिले के 6.48 लाख मतदाता में से 61 प्रतिशत की समस्या का समाधान किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मेरठ का भ्रमण किया। उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम की बारीकी से समीक्षा की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आप सही मतदाता हैं तो नोटिस या त्रुटियों की चिंता छोड़कर फॉर्म-6 भरें। उन्होंने आगाह किया कि मतदाता सूची में एक से अधिक स्थान पर नाम रखना दंडनीय अपराध है, ऐसे लोग फॉर्म-7 भरकर अपना नाम हटवा लें।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा 6.48 लाख ऐसे मतदाताओं को नोटिस दिए गए थे, जिनकी मैपिंग नहीं हुई थी या जिनमें तार्किक विसंगतियां थीं। इनमें से अब तक 61 प्रतिशत समस्याओं का समाधान हो चुका है। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. वीके सिंह को निर्देश दिए कि शेष नोटिसों का निस्तारण जल्द किया जाए। दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अंतिम तिथि 27 मार्च है जबकि 10 अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

नवदीप रिणवा ने सबसे पहले ब्लॉक रजपुरा स्थित नोटिस सुनवाई केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां मौजूद सुविधाओं, कार्यप्रणाली और शिकायत निस्तारण व्यवस्था को परखा। केंद्र पर आए मतदाताओं से सीधा संवाद करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता के साथ शालीनता और पारदर्शिता से व्यवहार किया जाए। उन्होंने युवाओं और महिलाओं से अपील की कि जिनका नाम सूची में नहीं है, वे साक्ष्यों के साथ फॉर्म-6 भरकर 6 मार्च 2026 तक अपने बीएलओ को दे दें। उन्होंने नोटिस सुनवाई की प्रगति बुक ए कॉल विद बीएलओ एनजीएसपी पोर्टल पर शिकायत निस्तारण के बारे में भी बताया।

विकास भवन सभागार में भाजपा, सपा, रालोद और बसपा सहित अन्य मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दलों से सुझाव लिए और नए मतदाताओं को जोड़ने में बूथ लेवल एजेंटों की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में औसत 73 प्रतिशत के मुकाबले मेरठ में 61 प्रतिशत नोटिस सुनवाई हुई है, जिसे समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत करने की आवश्यकता है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 70 बीएलओ पुरस्कृत : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें जिले की सातों विधानसभा क्षेत्रों से बेहतर कार्य करने वाले 70 बीएलओ और 14 सुपरवाइजरों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सम्मानित किया। उन्होंने बीएलओ के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि मिजोरम के बाद उत्तर प्रदेश इस कार्य में दूसरे स्थान पर है। प्रदेश में औरैया जिला निस्तारण में सबसे आगे है, जबकि मऊ में 52 प्रतिशत कार्य हुआ है।

मेरठ की प्रगति पर जताई चिंता : प्रेसवार्ता के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मेरठ में अब तक हुए 61 प्रतिशत कार्य पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने निर्देश दिए कि 27 मार्च का इंतजार किए बिना शिकायतों का निस्तारण कर कंप्यूटर फीडिंग बढ़ाई जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. वीके सिंह ने बताया कि कुछ तकनीकी कारणों से प्रतिशत कम रहा है, लेकिन होली के बाद इस अभियान में तेजी लाई जाएगी और सभी कमियों को दूर कर लिया जाएगा।

त्योहार पर सक्रिय मिलावटखोर: बाजार में खप रहा मिलावटी तेल-मावा, अफसरों के हाथ खाली; सिर्फ लिए जा रहे नमूने

आगरा, एजेंसी। त्योहार पर मिलावटखोर सक्रिय हो गए हैं। मिलावटी तेल और मावा बाजार में खपाया जा रहा है। शासन की टीम की ओर से की गई हाल ही में कार्रवाई से इसकी पुष्टि भी होती है। लेकिन स्थानीय स्तर पर अफसरों के हाथ खाली हैं।

पांच जिलों के अफसरों की टीम ने बीते सोमवार को मिलावट की आशंका पर 62 टन सोयाबीन रिफाइंड, सरसों का तेल और राइस ब्रान सीज कर जांच को 21 नमूने लिए थे। इसके बाद स्थानीय टीम कोई कार्रवाई नहीं की है। 21 फरवरी को बरौली अहीर शमसाबाद रोड पर 13.40 किलो मिलावटी खोआ अवश्य पकड़ा था। इसे नष्ट भी कराया। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय महेंद्र श्रीवास्तव का कहना है कि टीम जांच कर रही है, टोल प्लाजा पर भी लगाई है। अभी मिलावटी सामान नहीं मिला है। डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी का कहना है कि खाद्य विभाग को मिलावटी सामग्री पकड़ने के लिए अभियान को तेज करने के लिए निर्देशित किया है।

खोआ व गुझिया के लिए नमूने

खाद्य विभाग की टीम ने शनिवार को खोआ मंडी बालूगंज से खोआ का एक नमूना लिया है। खेरागढ़ के जय दाऊजी मिष्ठान भंडार से गुझिया का नमूना लिया है। जांच के लिए लैब भेजा गया है।

795 में से 273 नमूने मिले हैं फेल

खाद्य विभाग को जनवरी में 795 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई थी, जिसमें 273 मिलावटी पाए गए। 53 नमूने नकली और 209 घटिया मिले। दूध और इससे बनने वाली सामग्री के नमूने अधिक रहे।

मिलावटी-नकली सामग्री की शिकायत का टोल फ्री नंबर: 18001805533

मनरेगा व वीबी-जी रामजी में रिश्तेदारों की फर्में नहीं बनेंगी वेंडर, पुराने पंजीकरण की भी होगी समीक्षा

लखनऊ, एजेंसी। मनरेगा और वीबी-जी रामजी में पारिवारिक फर्मों पर रोक लगा दी गई है। इसके लिए सख्त गाइडलाइन लागू की गई है। अधिकारी-कर्मचारियों के परिवार की फर्मों पर रोक लगा दी गई है। पुराने पंजीकरण की भी समीक्षा होगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने मनरेगा और विकसित भारत-रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी रामजी) के तहत वेंडर पंजीकरण के नियमों में बदलाव किया है। अब इन योजनाओं में विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के परिवार की फर्मों को वेंडर के रूप में पंजीकरण नहीं मिलेगा। ग्राम्य विकास विभाग ने इसके लिए नई गाइडलाइन जारी की है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने निर्देश दिए हैं कि मैटेरियल, ईंधन, स्टेशनरी और अन्य सेवाओं की आपूर्ति में पारदर्शिता रखी जाए। किसी भी तरह की अनियमितता या पक्षपात बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम्य विकास विभाग के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ करें। उन्होंने वीबी- जीरामजी के कार्यों और उनमें उपयोग होने वाली सामग्री की आपूर्ति से संबंधित दिशा-निर्देशों पर पूरी तरह से अमल न करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

इस संबंध में जिलाधिकारियों (डीएम) और जिला कार्यक्रम समन्वयकों को पहले से पंजीकृत फर्मों की दोबारा जांच करने को कहा गया है। नई गाइडलाइन के अनुसार ब्लॉक प्रमुख, बीडीओ, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक और अन्य संबंधित कर्मचारियों के परिवार की फर्मों पर प्रतिबंध रहेगा।

हाईवे किनारे चार लोगों को मारी गोली, पहुंची पुलिस; आरोपी के घरवालों से कर रही पूछताछ

चंदौली , एजेंसी। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के सहजौर गांव के समीप हाईवे किनारे शनिवार की देर रात बदमाशों ने पुराने विवाद में चार लोगों को गोली मार दी। घायलों को ट्रामा सेंटर बीएचयू में भर्ती कराया गया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के पुरवा गांव निवासी गोलू यादव (26) सहजौर गांव में अपने मामा जयप्रकाश यादव के यहां रहता था। बताया जा रहा है कि शनिवार की सुबह किसी बात को लेकर के गांव में कुछ लोगों से उसका विवाद हो गया इसके बाद देर रात सहजौर गांव के एक युवक ने गोलू यादव पर फायर झोंक दिया।

परिजनों में मचा कोहराम : गोली की आवाज सुनकर बीच बचाव में आए सोनू यादव, कृष्णा यादव और अक्षय यादवको भी गोली लग गई। इसके बाद हमलावर मौके से भाग गए। आनन फानन में ग्रामीण घायलों को निजी वाहन से बीएचयू ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे। जहां तीनों का इलाज चल रहा है। इसमें गोलू यादव की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना के बाद मौके पर मुगलसराय कोतवाली सहित कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस आरोपी के घर जाकर पूछताछ करने में जुटी रही। सीओ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि तीन लोगों को गोली लगी है। आरोपी की तलाश की जा रही है। घायलों का ट्रॉमा सेंटर में उपचार चल रहा है।

2 या 3 मार्च, कब होगा हालिका दहन? ज्योतिषाचार्य ने दूर की उलझन; इस दिन खेली जाएगी रंगों की होली

आगरा, एजेंसी। होली के त्योहार को लेकर इस बार लोगों के मन में भ्रम की स्थिति है। चंद्रग्रहण के चलते लोग होलिका दहन से लेकर रंगों की होली की तिथि को लेकर असमंजस हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य ने ये उलझन दूर की है।

होलिका दहन की तिथि पर लोगों में भ्रम की स्थिति है। 3 मार्च को साल का पहला चंद्र ग्रहण भी पड़ रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष चतुर्दशी तिथि सोमवार 2 मार्च को सायं 5:57 बजे समाप्त होगी, इसके बाद पूर्णिमा तिथि का आरंभ प्रदोष काल में होगा। शास्त्रसम्मत निर्णय के अनुसार 2 मार्च को शाम 6:15 से रात 8:47 बजे तक प्रदोष काल में होलिका दहन करना शुभ और श्रेष्ठ रहेगा।

पंडित सुभाष शास्त्री ने बताया कि 3 मार्च को पूर्णिमा तिथि प्रदोष काल से पूर्व ही समाप्त हो रही है। उस दिन चंद्रग्रहण भी निर्धारित है। 3 मार्च को चंद्रग्रहण का सूतक प्रातः 6:20 बजे से प्रारंभ होगा। ग्रहण का स्पर्श दोपहर 3:20 बजे, जबकि सायं 6:47 बजे मोक्ष होगा। सूतक काल में मंदिरों के पट बंद रहेंगे और पूजा-पाठ, मूर्ति स्पर्श, भोजन बनाना व ग्रहण करना वर्जित रहेगा। बालक, वृद्ध और रोगग्रस्त व्यक्तियों के लिए शास्त्रों में नियमों में शिथिलता का प्रावधान है।

इसलिए रंगों से होली 4 मार्च को खेली जाएगी। ज्योतिषाचार्य डॉ. पूनम वार्ष्णेय ने बताया कि इस बार होली पर दुर्लभ खगोलीय संयोग देखने को मिलेगा। 2 मार्च की शाम 5:56 के उपरांत पूर्णिमा तिथि प्रारंभ हो रही है। 3 मार्च को चंद्र ग्रहण होगा। चंद्र ग्रहण के 9 घंटे पूर्व से सूतक प्रारंभ होते है। होलिका दहन पूर्णिमा तिथि में ही किया जाता है। सागर पंचांग के अनुसार 2 मार्च को ही होलिका दहन करना शुभ रहेगा।

4 को खेली जाएगी होली : ज्योतिषाचार्य अनीता पाराशर ने बताया कि होलिका दहन 2 मार्च सोमवार को शाम 6:22 बजे से रात 8:53 बजे तक शुभ मुहूर्त में किया जाएगा।

3 मार्च को चंद्रग्रहण और सूतक काल होने के कारण इस दिन होली खेलना संभव नहीं होगा। चंद्रग्रहण का सूतक काल 3 मार्च को प्रात 6:20 बजे से शाम 6:40 बजे तक रहेगा। ग्रहण और सूतक के कारण इस दिन होली खेलना वर्जित रहेगा इसलिए 4 मार्च बुधवार को होली खेली जाएगी।

प्रदेश में फिर से गर्माया यूजीसी का मुद्दा, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा के सामने नारेबाजी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रबुद्ध समागम में हंगामा हो गया। बीजेपी सांसद व पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा को भी विरोध का सामना करना पड़ा। यूजीसी के नए प्रावधानों और ब्राह्मण हितों पर चुप्पी से नाराज लोगों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की। कार्यक्रम में डॉ. दिनेश शर्मा के बोलना शुरू करते ही लोग उनसे यूजीसी मुद्दे पर जवाब मांगने लगे। शोर इतना बढ़ गया कि उन्हें अपना भाषण अधूरा छोड़ना पड़ा। विरोध के बीच डॉ. दिनेश शर्मा भारत माता की जय का नारा लगाते हुए अपनी सीट पर जाकर बैठ गए।

राजनीतिक रेखा पारकर समागम : समागम में राजनीति से ऊपर उठकर विभिन्न दलों के प्रबुद्ध नेता शामिल हुए। जिनमें पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र,उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र नाथ त्रिपाठी, निलंबित पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री, यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मौजूद रहे।

ब्राह्मण पीड़ा हुई मुखर : निलंबित पीसीएस अलंकार अग्निहोत्री ने मंदिर और चंदे से जुड़े विषयों पर बोलना शुरू किया, तो आयोजकों ने मुद्दे पर बात करने को कहा। हस्तक्षेप से भड़के लोगों ने अलंकार के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी। अलंकार ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार में ब्राह्मण पीड़ित है। उनकी कोई सुनने वाला नहीं है। कोई ब्राह्मण सरकार के साथ नहीं है। यूजीसी के नए प्रावधान सामान्य वर्ग के खिलाफ हैं। इसका विरोध जरूरी है। मंच पर लोगों ने मेरा विरोध किया लेकिन, नीचे बैठे लोगों ने समर्थन दिया।

शंकराचार्य विवाद पर रोष की आवाज : समागम में शंकराचार्य विवाद भी उठा। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र नाथ त्रिपाठी ने बटुकों के साथ हुए व्यवहार और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोष व्यक्त किया। कहा, हिंदूवादी सरकार में शंकराचार्य का अपमान दुर्भाग्यपूर्ण है।

सरकार ब्राह्मण समाज के साथ : डिप्टी सीएम : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भरोसा दिलाया कि हमारी सरकार ब्राह्मण समाज के साथ है। उनके हितों की पार्टी और सरकार दोनों चिंता कर रही हैं। ब्राह्मण समाज का अहित नहीं होने देंगे। हालांकि, यूजीसी के नए प्रावधान पर डिप्टी सीएम ने भी चुप्पी साधी। वहीं, पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि यूजीसी पर सरकार का विरोध सही नहीं है। फैसला सोच समझकर लिया गया होगा।

यूजीसी पर भाजपा के रुख से असंतुष्ट जिला उपाध्यक्ष ने छोड़ा पद : यूजीसी मामले में पार्टी की नीति समाज हित में न होने की बात कहते हुए भाजपा के मुरादाबाद जिला उपाध्यक्ष डॉ. विश्वास शर्मा ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने कहा कि यूजीसी के नए प्रावधानों से जाति विभेद हो रहा है जो समाज हित में नहीं है बल्कि इसका परिणाम दुखद होगा।

शनिवार को बिलारी में प्रेस वार्ता करते हुए शर्मा ने पुरानी और वर्तमान भाजपा में बड़ा अंतर होने की बात कही। 81 वर्षीय वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि वह पार्टी के गठन के समय से जुड़े हैं। वह बीते चार अध्यक्षों के कार्यकाल से जिला उपाध्यक्ष का दायित्व संभाले रहे हैं। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक के अलावा स्वच्छ भारत अभियान के पश्चिम क्षेत्र के मानव सलाहकार और संस्कार भारती के जिला संयोजक भी रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अब भाजपा में जाति आधारित राजनीति को बढ़ावा मिल रहा है। यूजीसी के मुद्दे पर पार्टी की नीतियों से खिन्न होकर जिला उपाध्यक्ष पद अपना इस्तीफा पार्टी के क्षेत्रीय महामंत्री हरिओम शर्मा और जिलाध्यक्ष आकाश पाल को भेज दिया है। उधर, मुरादाबाद में भाजपा के जिला अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की नई कार्यकारिणी के गठन का समय आ गया है। इस समय में किसी के पद से इस्तीफे का कोई औचित्य नहीं है।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1,048, निफ्टी 312 अंक गिरा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही करोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इजरायल-ईरान युद्ध के कारण भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ने से बाजार टूटा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,048.34 अंक नीचे आकर 80,238.85 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 312.95 अंक गिरकर 24,865.70 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकर 7 लाख करोड़ रुपए कम होकर 456 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि शुक्रवार को 463 लाख करोड़ रुपए था। इससे निवेशकों को भारी झटका लगा है। कारोबार के दौरान निफ्टी इन्फ्रा 2.23 फीसदी , निफ्टी ऑटो 2.20 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.15 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.15 फीसदी, निफ्टी पीएसयू 1.84 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.49 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.24फीसदी और निफ्टी फार्मा 0.02 फीसदी ही उछले। सेंसेक्स पैक में बीईएल, सन फार्मा और आईटीसी के शेयरों को लाभ हुआ जबकि इंडिगो, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, ट्रेंट, इटरनल, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। आज लार्जकैप के साथ ही स्मॉलकैप और मिडकैप में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 935.10 अंक या 1.58 फीसदी की गिरावट के साथ 58,180.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 296.50 अंक या 1.75 फीसदी की कमजोरी के साथ 16,632 .40 पर था।

इससे पहले आज सुबह बाजार में भारी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 1,125 अंकों की गिरावट के साथ खुला, जबकि निफ्टी 50 करीब 300 अंक टूटकर खुला। शुरुआती कारोबार में कुछ रिकवरी दिखी पर बाद में फिर गिरावट हावी रही। बाजार जानकारों के अनुसार ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक बाजारों में कमजोरी, सोने-चांदी की कीमतों में उछाल और कच्चे तेल के चार साल के उच्च स्तर पर पहुंचने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। दिनभर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने और सतर्क कारोबार की संभावना जताई जा रही है। वहीं अमेरिकी बाजार में पिछले सप्?ताह के आखिरी कारोबारी दिवस पर भी गिरावट दिखी थी और 2 मार्च को भी दलाल स्ट्रीट के सबसे बड़े एक्?सचेंज डाउ जोंस पर 0.72 फीसदी यानी 342 अंकों की गिरावट दिख रही है। डाउ जोंस 48,631 के अंक पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिका-इज़राइल-ईरान तनाव से सोना-चांदी में रिकॉर्ड उछाल

- सोना 4759 रुपये महंगा हुआ, 3 फीसदी बढ गया चांदी का दाम

नई दिल्ली । मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सोना और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई है। अमेरिका, इजराइल और इरान के बीच बढ़ते टकराव ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे निवेशकों का रुख सुरक्षित निवेश यानी बुलियन की ओर हो गया है। सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 4,759 रुपये की छलांग लगाकर 1,66,880 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी करीब 3 प्रतिशत उछलकर 2,91,439 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर

रही है। घरेलू बाजार में यह तेजी अंतरराष्ट्रीय संकेतों के अनुरूप देखी जा रही है। अमेरिकी कमोडिटी एक्सचेंज कॉमेक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की स्पॉट कीमत 1.86 प्रतिशत बढ़कर 5,345.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। चांदी भी 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 94.045 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 17,234 रुपये प्रति ग्राम पर बिक रहा है, जबकि मुंबई और कोलकाता में यह 17,309 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया। चेन्नई में कीमत 17,210 रुपये प्रति ग्राम है। 22 और 18 कैरेट सोने में भी समान तेजी देखी गई है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि तनाव बरकरार रहा तो घरेलू बाजार में सोना 1.70 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 3 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान एफडीआई 18 प्रतिशत बढ़कर 47.87 अरब डॉलर पर

एफडीआई निवेश सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 12.69 अरब डॉलर रहा

नईदिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 18 प्रतिशत बढ़कर 47.87 अरब डॉलर रहा। इस दौरान अमेरिका से आने वाला निवेश भी लगभग दोगुना होकर 7.80 अरब डॉलर हो गया। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में देश के भीतर 40.67 अरब डॉलर एफडीआई आया था। वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में इक्विटी में एफडीआई निवेश सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 12.69 अरब डॉलर रहा। हालांकि यह जून-सितंबर तिमाही के 16.55 अरब डॉलर से 23 प्रतिशत कम है। इक्विटी, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी को मिलाकर कुल एफडीआई प्रवाह अप्रैल-दिसंबर अवधि में 17.4 प्रतिशत बढ़कर 73.31 अरब डॉलर हो गया जबकि 2024-25 की समान अवधि में यह 62.48 अरब डॉलर था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सिंगापुर 17.65 अरब डॉलर के साथ एफडीआई का सबसे बड़ा निवेश स्रोत रहा। उसके बाद अमेरिका (7.8 अरब डॉलर), मॉरीशस (4.83 अरब डॉलर), जापान (3.2 अरब डॉलर), यूएई (2.45 अरब डॉलर) और नीदरलैंड (2.29 अरब डॉलर) रहे। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2025 के बीच सिंगापुर (192.53 अरब डॉलर) और मॉरीशस (185 अरब डॉलर) शीर्ष निवेशक रहे हैं जबकि अमेरिका का कुल निवेश 78.46 अरब डॉलर रहा है। उद्योग क्षेत्रों के हिसाब से, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर में 10.7 अरब डॉलर, सेवाओं में 8.42 अरब डॉलर और व्यापार में 3.36 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया। गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्र में 2.53 अरब डॉलर, निर्माण में 2.1 अरब डॉलर और वाहन क्षेत्र में 1.82 अरब डॉलर का निवेश हुआ। आंकड़े बताते हैं कि राज्यों में महाराष्ट्र 15.38 अरब डॉलर के साथ एफडीआई के मामले में शीर्ष पर रहा। उसके बाद कर्नाटक (11.2 अरब डॉलर) और गुजरात (5 अरब डॉलर) का स्थान रहा। सरकार ने अधिकांश क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग से 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देते हुए निवेश-अनुकूल नीति लागू की है। पिछले वित्त वर्ष में इक्विटी एफडीआई 50.01 अरब डॉलर और कुल एफडीआई 80.6 अरब डॉलर रहा था।

ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज ने भारत में पहली बार लॉन्च की किफायती

ड्रग-फ्री हैंडहेल्ड सांस की डिवाइस पेपेअरटीएम

भोपाल। एक इनोवेशन-आधारित इंटरनेशनल लाइफ-साइंसेज कंपनी, ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज लिमिटेड (अपनी सहायक/संबद्ध कंपनियों सहित, जिसे आगे ज़ाइडस कहा गया है), ने पेपेअरटीएम लॉन्च किया है। यह भारत का पहला किफायती ऑसिलेटिंग पॉजिटिव एक्सपायरेटरी प्रेशर (ओपीईपी) डिवाइस है, जिसमें 3-रेज़िस्टेंस सिस्टम दिया गया है। यह डिवाइस सीओपीडी, अस्थमा और ब्रोन्किइक्टेसिस से पीड़ित मरीजों में छाती की जकड़न कम करने, बलगम साफ करने और सांस लेने में सुधार करने में मदद करता है। पेपेअरटीएम एक इनोवेटिव, ड्रग-फ्री, हैंडहेल्ड डिवाइस है, जिसका डिजाइन पेटेंटेड है। भारत में 90 लाख से अधिक मरीज गंभीर सांस के रोगों से पीड़ित हैं। इन मरीजों में अत्यधिक और लगातार बलगम बनना एक आम समस्या है, जिसके लिए रोज़ाना उपयोग योग्य एयरवे क्लीयरेंस समाधान की आवश्यकता होती है। पेपेअरटीएम को ऐरोडेल टेक्नोलॉजी इन्नोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौते के तहत लॉन्च किया जा रहा है। यह एक भारतीय मेडिकल डिवाइस कंपनी है, जो ड्रग-डिलीवरी पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन को सरल बनाने पर काम करती है। रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए, ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज ने पेपेअरटीएम को किफायती कीमत 990 रुपये प्रति यूनिट में उपलब्ध कराया है। लॉन्च के अवसर पर ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर शर्विल पटेल ने कहा, ज़ाइडस में पेशेंट-सेंट्रिक इनोवेशन का मतलब है स्वास्थ्य सेवाओं को इस तरह आगे बढ़ाना, जिससे रोज़मर्रा की देखभाल मरीजों के लिए अधिक सुलभ हो सके। पेपेअरटीएम के साथ, जो भारत का पहला किफायती ओपीईपी डिवाइस है, हम एक ड्रग-फ्री, हैंडहेल्ड समाधान पेश कर रहे हैं, जिसे सीओपीडी, अस्थमा और ब्रोंकिएक्टेसिस से पीड़ित मरीजों की बेहतर सांस लेने में मदद के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हीरो मोटोकॉर्प ने 'राइड सेफ इंडिया' के साथ सबके लिए सड़क सुरक्षा को बढ़ावा दिया

मुंबई, एजेंसी। हीरो मोटोकॉर्प, दुनिया की सबसे बड़ी मोटरसाइकिल और स्कूटर निर्माता कंपनी, ने हरियाणा पुलिस और राहगिरी फाउंडेशन के साथ मिलकर गुरुग्राम में सी राइड फार सेफ्टी वुमंस नाइट रैली का आयोजन किया। इस रैली को डॉ. अर्पित जैन, पुलिस उपायुक्त; डॉ. राजेश मोहन, उपायुक्त (ट्रैफिक पुलिस) और हीरो मोटोकॉर्प के वाइस प्रेसिडेंट, ग्लोबल बिजनेस एंड प्रोडक्ट प्लानिंग, श्री संजय भान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्टेशन हाउस ऑफिसर सुश्री सोनिया तथा महिला पुलिस बल ने भी इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए इस मुहिम का समर्थन किया। इस रैली में 150 महिला राइडर्स ने भाग लिया और यह सड़कों पर सुरक्षा, आत्मविश्वास तथा समावेशन का एक शक्तिशाली उत्सव था। महिला राइडर्स ने गुरुग्राम की सड़कों पर देर शाम 9 किलोमीटर की रूट पर सवारी की। जनवरी 2026 में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर शुरू की गई राइड सेफ इंडिया पहल एक तीन महीने की मुहिम है, जो सड़क

परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा निर्धारित सड़क सुरक्षा के 4श्वह्य - शिक्षा, इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और आपातकालीन देखभाल पर आधारित है। प्रशिक्षण, जागरूकता अभियान, स्कूल एक्टिवेशन और नागरिक-नेतृत्व वाले कार्यक्रमों के माध्यम से यह अभियान सुरक्षित सवारी को एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करने में मदद कर रहा है।

इस पहल के बारे में, हीरो मोटोकॉर्प की हेड - कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस, कॉर्पोरेट अफेयर्स एवं सीएसआर, लतिका तनेजा ने कहा, दुनिया की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी के रूप में, जहां हर दिन लाखों लोग हीरो मोटोकॉर्प के वाहनों को चलाते हैं, सड़क सुरक्षा हमारे लिए केवल एक प्राथमिकता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है जो हमें परिभाषित करती है।

टाटा मोटर्स ने वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी के साथ किया समझौता

तूतीकोरिन, एजेंसी। देश के नेट-ज़ीरो उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर एक अहम कदम बढ़ाते हुए, भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल व्हीकल निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने तूतीकोरिन (तमिलनाडु) के वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत पोर्ट पर 40 ग्रीन हाइड्रोजन इंटरनल कम्बशन इंजन से चलने वाले हैवी-ड्यूटी प्राइम मूवर्स तैनात किए जाएंगे। स्न्ररू पर माननीय केंद्रीय पोर्ट्स, शिपिंग और वॉटरवेज़ मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल की मौजूदगी में साइन किए गए।

समझौते के अनुसार, टाटा मोटर्स सबसे पहले एक हाइड्रोजन-पावर्ड प्राइम मूवर का ट्रायल शुरू करेगी, जिसके बाद अगले दो वर्षों में चरणबद्ध तरीके से 40 एच2 आइसीइ प्राइम मूवर्स तैनात किए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट की फंडिंग बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा की जाएगी, जो ग्रीन एनर्जी अपनाने और एक टिकाऊ व फ्यूचर-रेडी समुद्री इकोसिस्टम बनाने के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पार्टनरशिप पर अपने विचार शेयर करते हुए, श्री सुसांता कुमार पुरोहित, आइआरएसइइ, चेयरपर्सन, वीओसीपीए ने कहा, टाटा मोटर्स के साथ हमारी पार्टनरशिप वीओसी पोर्ट के नेट-ज़ीरो एमिशन हासिल करने की कोशिश में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम है। ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों के आने से हमारे कार्गो हैंडलिंग ऑपरेशन काफ़ी हद तक डीकार्बनाइज़ होंगे, साथ ही भारत में सस्टेनेबल पोर्ट-लेड लॉजिस्टिक्स के लिए एक बेंचमार्क सेट होगा। इन ग्रीन हाइड्रोजन ट्रकों को धीरे-धीरे शामिल करने में मदद करने के लिए, पोर्ट 2 एमडब्लयू का इलेक्ट्रोलाइज़र और एक खास हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग स्टेशन बनाने की योजना पर भी काम कर रहा है। यह प्रोजेक्ट ग्रीन फ्यूल से जुड़ी कई दूसरी कोशिशों के साथ मिलकर एक मज़बूत ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने और वीओसी पोर्ट को सस्टेनेबल मैरीटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर में लीडर बनाने के हमारे कमिटमेंट को और मज़बूत करता है। स्न्ररू की घोषणा पर बोलते हुए, टाटा मोटर्स लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट और बिज़नेस हेड - ट्रक्स, श्री राजेश कौल ने कहा, वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटीज़ के साथ हमारा कोलेबोरेशन हाइड्रोजन से चलने वाले हेवी-ड्यूटी ट्रकिंग को असल दुनिया के पोर्ट ऑपरेशन्स में लाने में एक अहम मील का पत्थर है। पिछले कई महीनों में, हमने कार्गो हैंडलिंग एप्लीकेशन्स में हाइड्रोजन ट्रक्स के लिए रास्तों का पता लगाने के लिए पोर्ट अथॉरिटीज़ के साथ मिलकर काम किया है। यह पायलट टीसीओ पैरिटी का पता लगाने और ग्रीन हाइड्रोजन के साथ भारत के पोर्ट्स को ज़्यादा साफ़ और सस्टेनेबल लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस की ओर बदलने में मदद करने की क्षमता दिखाने में मदद करेगा।इस प्रोजेक्ट के लिए गाड़ियों के बेड़े में टाटा मोटर्स प्राइमा 55-टन प्राइम मूवर शामिल है, जिसे टिकाऊ, लागत प्रभावी और हाई-परफॉर्मेंस ट्रांसपोर्टेशन के लिए तैयार किया गया है। प्रीमियम प्राइमा केबिन और उन्नत ड्राइवर-असिस्ट सुरक्षा फीचर्स से लैस ये ट्रक ड्राइवर की सुविधा को बढ़ाते हैं, उनकी थकान कम करते हैं और प्रोडक्टिविटी में सुधार करते हैं, साथ ही सुरक्षा के नए मानक भी स्थापित करते हैं।

पी एंड जी शिक्षा मंडीदीप सहित 1 करोड़ बच्चों को सकारात्मक रुप से प्रभावित कर रही है

मंडीदीप । पी एंड जी शिक्षा ने मध्य प्रदेश में 1989 में मंडीदीप में अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा स्थापित करके अपना व्यावसायिक संचालन शुरू किया, जिससे महत्वपूर्ण निवेश हुआ और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए। आज, यह संयंत्र पी एंड जी इंडिया की गुणवत्ता और नवाचार के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का आधार बन गया है, और प्रॉक्टर एंड गैंबल का के विश्व स्तर पर सबसे बड़ा डायपर विनिर्माण संयंत्र है।वर्ष 2005 से, पी एंड जी शिक्षा ने देश भर के हजारों विद्यालयों और समुदायों का सहयोग किया है, और लक्षित शैक्षणिक हस्तक्षेपों के माध्यम से वंचित क्षेत्रों के 1 करोड़ से अधिक बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पढ़ रहा है। इसके अंतर्गत, बच्चों के सीखने के परिणामों में सुधार लाने के लिए, पी एंड जी शिक्षा रोकथाम और सुधारात्मक उपायों पर ध्यान केंद्रित करती है। सुधारात्मक उपायों के लिए, इसने साथ साझेदारी में नामक एक कंप्यूटर-आधारित अनुकूलनशील शिक्षण उपकरण के साथ समर्थित तकनीक का लाभ उठाता है।

यह कार्यक्रम प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के साथ साझेदारी में जमीनी स्तर पर सुधारात्मक शिक्षण कार्यक्रमों को भी लागू करता है, जिसमें प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और शिक्षकों द्वारा समर्थित सामुदायिक और विद्यालय-आधारित दोनों मॉडल का उपयोग किया जाता है। रोकथाम के लिए, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के माध्यम से पी एंड जी शिक्षा प्रारंभिक बाल्य शिक्षा पर ध्यान देती है, ताकि बच्चों में सीखने की कमियों को दूर करने और स्कूल शुरू करते समय एक मजबूत नींव रखने के लिए उनमें मोटर, संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक, भाषा और रचनात्मक कौशल विकसित किए जा सकें। पी एंड जी शिक्षा ने आज भारत भर में 1 करोड़ बच्चों तक पहुंचने और उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने की उपलब्धि की घोषणा की, जिसका उद्देश्य सीखने के अंतर को मिटाना है। यह उपलब्धि देश भर में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को सशक्त बनाने के लिए दो दशकों से अधिक समय से जारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत की अनेक कक्षाओं में सीखने के दौरान होने वाली झिझक अक्सर अनदेखी रह जाती है-कोई बच्चा पैराग्राफ

ओटीटी रिलीज़ के साथ रंग भरें अपनी होली की छुट्टियों में

मुंबई, एजेंसी। होली रंगों, मस्ती, मेलजोल और बेफिक्र आनंद का त्योहार है। गुलाल के धमाल, पकवानों की खुशबू और थोड़ी सी फुर्सत के बीच यही सही मौका है घर के अंदर आराम से बैठकर ऐसी कहानियों में खो जाने का, जो इस त्योहार की तरह ही जीवंत और चौंकाने वाली हों।एयरटेल आईपीटीवी के साथ आपका होली का मनोरंजन अनुभव और बेहतर हो जाएगा। इसमें आपको एक ही बड़ी स्क्रीन पर 29 से ज्यादा मुख्य ओटीटी ऐप्स, 600 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल और ऑन डिमांड कंटेंट की बड़ी लाइब्रेरी उपलब्ध होती है।

वायासैट और बीएसएनएल ने भारत में पहला सैटेलाइट कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू किया

जबलपुर, एजेंसी। भारत संचार निगम लिमिटेड और वायासैट इंडिया ने सैटेलाइट और सैटेलाइट तकनीक के अनुप्रयोग पर अपना पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। यह कार्यक्रम भारत रत्न भीम राव अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेलीकॉम ट्रेनिंग , जबलपुर में प्रस्तावित दूरसंचार नवाचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र के तत्वावधान में शुरू किया गया है। सैटेलाइट संचार के क्षेत्र में कौशल विकास एवं उद्योग की तैयारी को बढ़ावा देने के लिए बीएसएनएल और वायासैट इंडिया ने पिछले वर्ष गठबंधन की घोषणा की थी। प्रशिक्षण के शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता बीएसएनएल के सीएमडी रॉबर्ट रवि ने की। इस अवसर पर वायासैट के अध्यक्ष - कॉमर्शियल बेन पामर, वायासैट इंडिया के प्रबंध निदेशक गौतम शर्मा, वायासैट के उपाध्यक्ष-एडवांस्ड ह्रञ्जह्र सॉल्यूशंस संदीप मूर्ति और

दूरसंचार विभाग के अन्य अधिकारी भी संचार भवन में मौजूद थे। वहीं, इस समारोह के दौरान जबलपुर स्थित बीआरबीआरएआईटीटी में विद्यार्थी मौजूद थे। इस गठबंधन के तहत सैटेलाइट एवं सैटेलाइट टेक्नोलॉजी के उपयोग पर यह प्रारंभिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों और करियर के शुरुआती दौर में काम कर रहे पेशेवरों के लिए 22 घंटे का एक वर्चुअल प्रोग्राम है। इन प्रशिक्षण सत्रों का संचालन एक्सपर्ट ट्रेनर द्वारा ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कॉलेज के विद्यार्थियों, आईटी व इंजीनियरिंग के पेशेवरों और सैटेलाइट संचार एवं सैटेलाइट युक्त एप्लीकेशंस में बुनियादी ज्ञान प्राप्त करने के इच्छुक नए स्नातकों को लाभ प्रदान करना है। यह पाठ्यक्रम जबलपुर में बीएसएनएल के तत्वावधान में स्थापित विशेषज्ञ प्रशिक्षण संस्थान बीआरबीआरएआईटीटी में एक व्यापक कौशल विकास की रूपरेखा पेश करने में पहला कदम है। यह संस्थान टेक्नोलॉजी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए आधारभूत ढांचा और लॉजिस्टिक संबंधी सहयोग उपलब्ध कराता है।

साणंद प्लांट उन्नत सेमीकंडक्टर डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग केन्द्र के रूप में भारत का उद्भव है: अशोक चांडक

साणंद, एजेंसी। इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) भारत सरकार और माइक्रोन टेक्नोलॉजी को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के साणंद में माइक्रोन की अत्याधुनिक एटीएमपी (असेंबली, टैस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) फैसिलिटी के ऐतिहासिक उद्घाटन पर बधाई देती है। इस आयोजन में उपस्थित रहे, आईईएसए के प्रेसिडेंटअशोक चांडक ने इस घटना को भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक अहम पड़ाव बताते हुए कहा- यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी कि मैंने स्वयं इतिहास बनते हुए देखा। प्रधानमंत्री के तीन शब्दों ने सब कुछ कह दिया - 'भारत तैयार है, भारत भरोसेमंद है, और भारत काम करके दिखाता है' - यह एक विश्व स्तरीय चिप ईकोसिस्टम बनाने में देश के भरोसे का एक शक्तिशाली ऐलान था। माइक्रोन के एटीएमपी प्लांट का चालू होना भारत की सेमीकंडक्टर नीति के इरादे को लागू करने और मैन्युफैक्चरिंग की तैयारी में सफलतापूर्वक बदलने का सबूत है। सरकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन, गुजरात सरकार की मज़बूत प्रतिबद्धता और हमारी महत्वपूर्ण सदस्य कंपनी माइक्रोन के भारत की डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं पर भरोसे को दिखाता है। माइक्रोन का ?22,516 करोड़ (लगभग 2.75 अरब यूएस डॉलर) का बड़ा निवेश, भारत में उनके डिज़ाइन सेंटर्स के अलावा, भारत के मैन्युफैक्चरिंग लैंडस्केप में किसी वैश्विक सेमीकंडक्टर लीडर के सबसे बड़े वायदों में से एक है।

महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ ही देशों के पास यह क्षमता है। दुनिया भर में मांग तेज़ी से बढ़ रही है - अल्पकालिक आपूर्ति का दबाव बना हुआ है, ऐसे में भारत का माइक्रोन के डिज़ाइन सेंटर्स के अलावा मेमोरी मैन्युफैक्चरिंग में अपनी मौजूदगी बनाना सही वक्त पर हुआ है और यह कदम परिवर्तनकारी है। इस मेमोरी प्लांट और माइक्रोन के मौजूदा मेमोरी चिप डिज़ाइन सेंटर्स और इस साल खुलने वाली चिप ह्रस्ञ्ज सुविधाओं से भारत की सेमीकंडक्टर ताकत कई गुना बढ़ जाएगी।

टी20 वर्ल्ड कप: 39 साल पुरानी हार का बदला लेगा भारत, इंग्लैंड को हराकर पहुंचेगा फाइनल में

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें टीम इंडिया और इंग्लैंड आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए खास है, क्योंकि ये लगातार तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में टकरा रही हैं। भारतीय टीम के पास इस बार पुराने अनुभव और हार का बदला लेने का मौका है, जबकि इंग्लैंड ने ग्रुप-2 में टॉप करके अपनी ताकत साबित की है। फैंस के लिए यह मुकाबला इतिहास और आधुनिक क्रिकेट का अनोखा संगम साबित होगा।

इतिहास की यादें और बदला लेने का मौका

वानखेड़े स्टेडियम क्रिकेट इतिहास में कई यादगार मैचों की गवाह रहा है। खासतौर पर 5 नवंबर 1987 को हुए वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत को इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय भारत डिफेंडिंग चैंपियन था और घरेलू फैंस की उम्मीदें आसमान छू रही थीं। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की टीम इंग्लैंड के 254 रनों के स्कोर का पीछा करते हुए 219 पर ऑलआउट हो गई थी। यह हार भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा झटका साबित हुई थी। अब, 39 साल बाद वही मैदान और वही टीमें, लेकिन टी20 फॉर्मेट में, टीम इंडिया इस पुरानी हार का बदला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है।

टीमों की फॉर्म और सेमीफाइनल तक का सफर

इंग्लैंड ने ग्रुप-2 में शीर्ष स्थान हासिल किया और सुपर-8 में अपनी पकड़ मजबूत रखी। वहीं, भारत ने सुपर-8 राउंड को दूसरे स्थान पर खत्म किया। भारतीय टीम ने पिछले मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को हराकर आत्मविश्वास बढ़ाया है। अब इंग्लैंड के खिलाफ यह मुकाबला केवल सेमीफाइनल नहीं, बल्कि भारत के लिए एक पुरानी हार की भरपाई और फाइनल की टिकट सुनिश्चित करने का अवसर है।

टीम इंडिया की बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संतुलन इस मैच की कुंजी होगी। रोहित शर्मा की कप्तानी, युवा खिलाड़ियों का उत्साह और अनुभवी खिलाड़ियों का अनुभव टीम को जीत की ओर ले जा सकता है। वहीं, इंग्लैंड की तेज़ और रणनीतिक बल्लेबाजी भी भारतीय टीम के लिए चुनौती पेश करेगी।

मुकाबले का महत्व और भविष्य की संभावनाएं

इस सेमीफाइनल का नतीजा टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में प्रवेश का रास्ता तय करेगा। भारतीय टीम अगर जीतती है, तो इतिहास की पुरानी हार का बदला लेते हुए फाइनल में कदम रखेगी। वहीं, इंग्लैंड अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए भारतीय चुनौती को मात देने की कोशिश करेगा।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम की जीत के बाद का विडियो जारी किया

-घुटने पर बैठकर हाथ जोड़ते नजर आये सैमसन

कोलकाता (एजेंसी)। संजू सैमसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के तीसरे और अंतिम सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम की जीत के बाद सैमसन ने ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सबसे पहले घुटने टेककर और हाथ जोड़कर ईश्वर को याद किया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 196 रनों का कठिन लक्ष्य मिला था जिसे भारतीय टीम ने सैमसन की 97 रनों की पारी से हासिल कर लिया। सैमसन ने अपने करियर की सबसे अच्छी पारियों में से एक खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताएं दिखायी हैं। भारतीय टीम की जीत के बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया में जारी किया है जिसमें भारतीय टीम की जीत के बाद के पलों को दिखाया गया है।

इस वीडियो में दिख रह है कि सैमसन के विजयी शॉट लगाते ही डगआउट में मौजूद सभी खिलाड़ी खुशी से झूम उठते हैं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मैदान पर दौड़ लगाते हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम टीम के साथ मैदान में उतरते हैं और सैमसन से मिलते हैं। इसके बाद बाकी खिलाड़ी भी उनसे मिलते हैं। वीडियो के अंत में नजर आता है कि ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सैमसन अपनी किट के आगे घुटने टेकते हैं और फिर हाथ जोड़कर ऊपर वाले का आभार जताते हैं।

सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले गेम में हम पहले बल्लेबाजी कर रहे थे, तो बड़ा स्कोर बनाने पर ध्यान था। इस बार मैं पहली गेंद से ही बड़ा स्कोर बनाना चाहता था। लेकिन यह गेम बिल्कुल अलग था। मुझे लगता है कि जैसे ही मैं तेजी से खेलने जाना चाह रहा था तभी हम विकेट खो रहे थे। इसलिए मुझे लगा कि हमें एक साझेदारी की जरुरी है। मैं अत टिककर खेलने पर ध्यान देने लगा। मुझे कभी नहीं लगा कि मैं ऐसा कुछ खास कर पाऊंगा, लेकिन मैं बस अपनी भूमिका पर ध्यान दे रहा था। इस दौरान मैं एक बार में एक ही गेंद पर ध्यान दे रहा था। ये मेरी सबसे अच्छी पारियों में से एक रही।'

डेनमार्क में लगभग एक करोड़ 8 लाख में नीलाम हुआ पहले ओलंपिक का पदक

कोपेनहेगन । डेनमार्क में एक नीलामी में आधुनिक ओलंपिक खेलों के पहले मेडल को लगभग एक करोड़ आठ लाख रुपये यूरो में बेचा गया है। 'ब्रून रासमुसेन आर्ट्स ऑक्शनियर्स' द्वारा आयोजित नीलामी में इस पदक को बिक्री के लिए रखा गया था, जो 1896 में एथेंस में आयोजित दुनिया के पहले आधुनिक ओलंपिक खेलों में प्रदान किया गया था। उन खेलों में, पहले स्थान पर आने वाले विजेताओं को रजत पदक (सिल्वर मेडल) दिए गए थे, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वालों को कांस्य पदक (ब्रोंज मेडल) प्रदान किए गए थे। स्वर्ण पदक बाद के ओलंपिक खेलों में दिया जाने लगा था। प्रसिद्ध फ्रांसीसी कलाकार जूल्स-क्लेमेंट चैपलैन द्वारा उकेरा गया यह पदक शास्त्रीय प्रतीकों से समृद्ध है। पदक के सामने के हिस्से पर फूल-पत्तों के मुकुट से सुसज्जित यूनानी देवता ज्यूस का चित्र है, जिन्होंने अपने हाथ में एक ग्लोब पकड़ा हुआ है, जिसके ऊपर विजय की देवी नाइकी जैतून की टहनी लिये खड़ी हैं। पहले आधुनिक ओलंपिक में 14 देशों के 241 एथलीटों ने हिस्सा लिया था, जिन्होंने नौ खेलों और 43 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा की थी।

अभी भी मेरे अंदर भारतीय टीम से खेलने का जुनून : शमी

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उनके अंदर अभी भी भारतीय टीम से खेलने का जुनून है। शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर इसके बाद भी उनकी उपेक्षा हुई है। शमी ने अंतिम बार साल 2025 में खेला था। इसके बाद से ही वह किसी भी प्रारुप में नहीं खेले हैं हालांकि वह घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं। शमी का कहना है कि वह अभी भी देश के लिए खेलना चाहते हैं। साथ ही कहा कि उनमें अभी भी खेलने की क्षमता है।

शमी ने कहा, 'मैं हमेशा कहता हूं, चाहे आप कोई भी खेल खेलें, अगर आपके अंदर योग्यता है तो उसे बेकार न करें।' नवंबर 2024 में लंबी चोट के बाद वापसी करने के बाद शमी ने घरेलू क्रिकेट में काफी मेहनत की है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में बंगाल के लिए खेलते हुए वह काफी अच्छे फॉर्म में नजर आये। सेमीफाइनल में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ उन्होंने काफी अच्छा खेल दिखाया है। इस सीजन की 12 पारियों में शमी ने 36 विकेट लिए हैं और वे टूर्नामेंट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

2025 की शुरुआत में टी20 मैचों और विजेता चैंपियंस ट्रॉफी में शामिल रहने के बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वे एकदिवसीय और टी20 टीम से बाहर रहे। वही ये भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे फिर से पांच दिन का लंबा प्रारुप खेल पाएंगे। इसको लेकर उन्होंने कहा, 'देश का प्रतिनिधित्व करने की बात हो तो मैं अपना सब कुछ दे दूंगा। मैं कभी पीछे मुड़कर ये नहीं सोचना चाहता कि मैंने अपनी क्षमता का थोड़ा भी हिस्सा अधूरा छोड़ दिया।' शमी की इन बातों से एक बात तो साफ है कि वह आलोचनाओं से डरे नहीं हैं। उन्होंने कहा हर खिलाड़ी देश के लिए खेलना चाहता है और मैं भी हमेश तैयार हूं।

मध्यपूर्व में जारी संघर्ष के कारण स्वदेश नहीं लौट पा रही जिम्बाब्वे टीम

मुम्बई (एजेंसी)। खाड़ी देशों में जारी संघर्ष के कारण जिम्बाब्वे की टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी भारत में ही फंसी हुई है। जिम्बाब्वे की टीम दुबई हवाई अड्डे के बंद होने के बाद से ही स्वदेश वापसी की योजना पर अपने क्रिकेट बोर्ड के अगले आदेश का इंतजार कर रही है।

जिम्बाब्वे की टीम रविवार को सुपर आठ चरण के अपने अंतिम मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद से ही स्वदेश लौटने की तैयारी में लगी थी पर अचानक ही अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद से ही खाड़ी देशों से सभी उड़ाने बाधित हो गयीं। टीम के अधिकांश खिलाड़ी सोमवार सुबह से दिल्ली से तीन अलग-अलग चरणों में रवाना होने वाले थे पर ये संभव नहीं हुआ। टीम के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने बताया कि अभी वापसी को टाल दिया गया है अभी हम इंतजार की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

वहीं जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर ग्रीम क्रीमर दुबई में रहते हैं और मध्य पूर्व के प्रमुख हवाई अड्डों के हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद उनकी यात्रा योजना भी अभी टल गई है। टीम के अन्य खिलाड़ियों को दुबई से आगे की उड़ान लेनी थी। मुख्य कोच सैमन्स ने कहा, खिलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति की अनदेखी करना कठिन है लेकिन फिर भी सबका ध्यान रविवार को मैच के दौरान खेल पर ही था। उन्होंने मौजूदा स्थिति से खेल के प्रभावित होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, सबके दिमाग में यह था कि उन्हें सोमवार को घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर बात हो रही थी पर मैदान पर कदम रखते समय उनका पूरा ध्यान मैच पर ही था। सैमन्स ने कहा कि रविवार को टीम को कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, जब हमने मैच शुरू किया था, तब कोई जानकारी नहीं थी। उसके बाद पूरा ध्यान खेल पर रहा। तब से मुझे कोई जानकारी नहीं मिली है। दुबई हवाई अड्डा बंद होने के कारण खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए अब अदीस अबाबा स्थित इथोपियाई एयरलाइंस के जरिए स्वदेश लौटने का विकल्प है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी कहा है कि टी20 विश्व कप से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था कर रही है। यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष के कारण उड़ाने बंद होने के कारण उठाया गया है। हमलों के बाद उत्पन्न व्यवधान को देखते हुए उठाया जा रहा है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में पहुंची है और उसके दिमाग में भी वापसी को लेकर संशय है। टीम के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष की स्थिति खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय रहा है। आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते पर हमारा ध्यान खेल पर ही रहेगा।

ईरान का फुटबॉल विश्व कप में खेलना संदिग्ध

तेहरान। ईरान के फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के उनके देश पर किए गए हमले के बाद वह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि उनकी टीम इस साल अमेरिका में होने वाले फीफा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में खेल पाएगी या नहीं। मेहदी ताज ने कहा, 'निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते।' अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इस देश का भविष्य अनिश्चितता में डूब गया है और क्षेत्रीय अस्थिरता का खतरा बढ़ गया है। विश्व कप में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसक बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। विश्व कप फुटबॉल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।

तीरंदाज अंकिता भकत की नजरें एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर लगी

नई दिल्ली । तीरंदाज अंकिता भकत आजकल 2026 एशियाई खेलों की तैयारियों में लगी हैं। अंकिता एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हैं। इसमें वह अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ औसत स्कोर पार करना चाहती हैं। उनका मानना है कि अगर तकनीक पर पूरी पकड़ बन गई, तो वह बड़े मंच पर देश के लिए बड़ा पदक जीत सकती हैं।अंकिता ने अपनी मेहनत से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से पहचान बनाई है। पिछले साल उसने दक्षिण कोरिया में विपरीत हालातों में अभ्यास किया था। पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहने के कुछ महीनों बाद ही उन्होंने खुद को और बेहतर बनाने का फैसला लिया। अंकिता ने टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता कांग चेयॉन्ग और जांग मिन ही को भी हाल में हराया था, वहीं पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट सु-ह्योन पर भी जीत दर्ज की। ऐसे में अब वह एशियाई खेलों को लेकर उत्साहित हैं। अंकिता ने बहुत कम उम्र में कोलकाता के सर्कस ग्राउंड से तीरंदाजी शुरू की थी। लकड़ी के धनुष से शुरुआत कर उन्होंने टाटा आर्चरी अकादमी, जमशेदपुर तक का सफर तय किया। 2016 में पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली और तब से अब तक वह कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। 2023 एशियन गेम्स में टीम ब्रॉन्ज भी उनके खाते में है।पेरिस ओलंपिक में हालांकि कुछ निर्णायक तीर निशाने से रह गये थे जिससे वह असफल रहीं। अंकिता का साफ कहना है कि हर खिलाड़ी से कभी-कभी गलती होती है और वह उन पलों को सीख की तरह लेती हैं। कोच के अनुसार वह अब पहले से बेहतर हुई है।

सैमसन की प्रशंसा करते हुए गंभीर बोले, हमेशा से उसकी क्षमताओं का अंदाजा था

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तीसरे सुपर-8 मुकाबले में शानदार पारी खेलने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की है। साथ ही कहा वह हमेशा से उसकी क्षमता जानते थे। गंभीर के अनुसार कहते हैं कि सब्र का फल मीठा होता है और यही उसे मिला है। सैमसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण विश्वकप के शुरुआती मैच के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उस सीरीज में सैमसन एक बार भी 30 रन तक नहीं पहुंच पाये थे, वहीं एक बार वह शून्य पर ही आउट हुए थे। इसके अलावा गोल्डन डक के साथ वह कुल 3 बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। गंभीर ने कहा, संजू एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है, सही जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है। टीम को जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तो उससे अपने को साबित किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में उसकी क्षमताएं सामने आई हैं। उम्मीद है, यह उसके लिए बेहतर प्रदर्शन का समय है और आगे के दो और गेम में भी रहेगा। उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी में कभी भी तेज खेलने का प्रयास नहीं किया। केवल सामान्य शॉट ही लगाये। मैंने उसे कभी बॉल को ताकत से मारते हुए भी नहीं देखा, और उसमें इसी तरह की प्रतिभा है। जब आपको पता होता है कि गेम आपके नियंत्रण में है और आप जानते हैं कि आप अच्छा महसूस कर रहे हैं, तो मनोबल बढ़ा रहता है। वह नेट्स में भी गेंद को बहुत अच्छी तरह से खेल कर रहा है और अब उसने मैदान में उसी क्षमता को दिखाया है। उसे पता था कि विकेट बहुत अच्छा था, आउटफील्ड भी तेज थी, मैंने हमेशा कहा है कि वह एक शीर्ष स्तर का खिलाड़ी है, वह एक शानदार प्रतिभा है, उम्मीद है कि हम संजू से ऐसी और भी पारियों की उम्मीद करेंगे।

कोच अमेलिया के मार्गदर्शन में वियतनाम के खिलाफ उतरेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

-एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल

पर्थ (एजेंसी)। एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में भारतीय महिला टीम 4 मार्च को वियतनाम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम को इस मुकाबले में पूरी ताकत से उतरना होगा। इसका कारण है कि वियतनाम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है। नई मुख्य कोच अमेलिया वाल्वेर्दे, के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का ये पहला मुकाबला होगा। ये मुकाबला टीम के लिए आसान नहीं होगा। वियतनामी टीम साल 2022 में क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम को दो बार की विजेा जापान से खेलना होगा। ये मुकाबला भी काफी कठिन होगा क्योंकि जापान फीफा रैंकिंग में शीर्ष टीमों में से एक है। जापान की कई खिलाड़ी इंग्लैंड लीग में भी खेलती हैं, जिससे भी वह काफी बेहतर मानी जाती हैं।

भारतीय टीम 10 मार्च को भारत चीनी ताइपे से खेलेगी। फीफा रैंकिंग में 67वें स्थान पर मौजूद भारत के लिए नॉकआउट चरण में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। कोच वाल्वेर्दे के अनुसार भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का संतुलन है। 2022 संस्करण में शामिल सात खिलाड़ी फिर से टीम में हैं, जबकि छह नए चेहरे पहली बार इस मंच पर उतरेंगे।इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच प्ले-ऑफ जीतने वाली दो टीमों को सीधे 2027 विश्व कप के लिए प्रवेश मिलेा जबकि बच हुई टीमों को इंटर-कॉन्टिनेंटल प्ले-ऑफ के जरिये आगे जाना होगा। इस टूर्नामेंट में अगले 20 दिनों टूर्नामेंट में 12 टीमें 27 मुकाबलों में उतरेंगी जिससे एशियाई चैंपियन का फैसला होगा। इससे उनकी 2027 महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की राह भी आसान होगी। मेजबान ऑस्ट्रेलिया के लिए यह टूर्नामेंट बेहद खास माना जा रहा है। स्टार खिलाड़ी सैम केर की कप्तानी वाली टीम की स्वर्णिम पीढ़ी के लिए घरेलू मैदान पर बड़ा खिताब जीतने का यह शायद आखिरी मौका हो सकता है।

बाबर के बचाव में उतरे पुजारा

मुम्बई । भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज रहे चेतेश्वर पुजारा ने कहा है टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के लिए केवल अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को ही दोष देना सही नहीं है। पुजारा के अनुसार टीम प्रबंधन को बाबर के साथ स्पष्ट रुप से बातचीत कर बताना चाहिये कि टीम उनसे क्या चाहती है। पुजारा ने कहा कि अगर बाबर टीम की भविष्य की योजनाओं में फिट नहीं बैठते हैं, तो उन्हें यह बात स्पष्ट रुप से बता देनी चाहिये। उनके अनुसार, केवल एक खिलाड़ी से ही परिणाम प्रभावित नहीं होता, विफलता के लिए पूरी टीम जिम्मेदार होती है।पुजारा ने कहा कि पाक टीम के खराब प्रदर्शन का कारण मध्यक्रम की विफलता है। वहीं बाबर को इस टूर्नामेंट में मध्यक्रम में उतारा गया और वह रन नहीं बना पाये। उनके आउट होने से टीम का मध्यक्रम लगातार दबाव में दिखा, जिससे पाकिस्तान की बल्लेबाज ढ़हती दिखी।बाबर ने इस टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और 4 पारियों में 91 रन बनाए। उनका औसत 22.75 और स्ट्राइक रेट 112.34 रहा। उनका सबसे अधिक स्कोर 46 रन रहा। ये उन्होंने अमेरिका के खिलाफ बनाया था। भारत के खिलाफ वह एक रन ही बना पाये। पुजारा ने बल्लेबाज फखर ज़मान टूर्नामेंट में काफी रन बनाने वाले साहिबज़ादा फरहान की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पाक की असली ताकत निडर और आक्रामक क्रिकेट में है, और यही अंदाज उन्हें आगे भी अपनाना होगा पर वर्तमान में टीम काफी रक्षात्मक है।

सिंधु का ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप से बाहर रहना तय, लक्ष्य सेन पर होगी नजर

हैदराबाद (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का मंगलवार से यहां शुरू होने वाली अखिल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर रहना तय है क्योंकि अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण वह दुबई में फंस गई हैं। खिलाड़ियों के यात्रा संबंधी बाधाओं ने सुपर इस 1000 प्रतियोगिता की तैयारियों को बुरी तरह प्रभावित किया है।

सिंधु शनिवार से दुबई में फंसी हुई हैं क्योंकि ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सिंधु और उनके कोच इंडोनेशिया के इरवानस्याह आदि प्रतामा दुबई में फंसे हुए हैं। वह उनके ठहरने के स्थान के करीब हुए विस्फोट में बाल-बाल बच गए थे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने के कारण उन्हें बाद में एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

भारतीय स्टार खिलाड़ी को पहले दौर में थाईलैंड की सुपानिडा कटेथोंग का सामना करना था, लेकिन दुबई के हवाई क्षेत्र और हवाई अड्डे के बंद रहने के कारण उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ेगा। विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) भी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है तथा देर से पहुंचने वाले खिलाड़ियों की मदद करने के लिए तैयार है। सिंधु की टूर्नामेंट में भागीदारी अभी अनिश्चित है, लेकिन भारत के कुछ अन्य खिलाड़ी सिंगापुर और अफ्रीका के वैकल्पिक मार्गों से बर्मिंघम पहुंच गए हैं। हालांकि यह देखना बाकी है कि लंबी और थका देने वाली यात्रा उनकी तैयारियों को कितना प्रभावित करेगी।

भारत के शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरते युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी यात्रा संबंधी किसी भी तरह की समस्या के बिना यहां पहुंच गए हैं। लक्ष्य का पहले दौर में मुकाबला चीन के विश्व के नंबर एक खिलाड़ी शी यु ची से होगा, जबकि आयुष इंडोनेशिया के अलवी फरहान के खिलाफ खेलेंगे। लक्ष्य के लिए पहले दौर की चुनौती बड़ी मुश्किल होगी क्योंकि वह चीन के खिलाड़ी से पिछले पांच मुकाबलों में से चार में हार चुके हैं। आयुष को भी फरहान से पांच मुकाबलों में से तीन में हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स का मुकाबला भी शामिल है।

महिला एकल वर्ग में मालविका बंसोड़ को तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चीन की चेन युफेई के खिलाफ कड़ी शुरुआती चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उन्नति हुडा अफ्रीका के रास्ते यहां पहुंची है और उन्हें अपने पहले मैच में थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ने पर जेट लैग से उबरने की जरूरत होगी। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पहले दौर में मलेशिया के कांग खाई जिंग और आरोन ताई के खिलाफ खेलेंगे। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना जापान की सायका हिरोटा और अयाको सकुरामोतो से होगा।

मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो का मुकाबला मलेशिया के हू पांग रॉन और चेंग सु यिन से, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे का फ्रांस के थॉम गिक्रेल और डेल्फिन डेलरू से होगा। प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) ही ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने ऑल इंग्लैंड का खिताब जीता है। हाल के वर्षों में केवल साइना नेहवाल (2015 उपविजेता) और लक्ष्य (2022 उपविजेता) ही इसके करीब पहुंच पाए।

पत्तियों से सौंदर्य

प्रकृति ने पत्तियों में बहुत सारे गुण प्रदान किये हैं जो सेहत और सौं दर्य के लिए वरदान से कम नहीं। कुछ उदाहरण :-

-नीम की कच्ची कोपलों को पीस कर पेस्ट की तरह चेहरे पर लगाने मुंहासे कम होते हैं। यह स्किन के लिए अच्छे फेसवॉश का भी काम करता है। खासकर तैलीय त्वचा के लिए यह बेहतरीन क्लींजर है।

-नींबू की कोमल पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलायें। चेहरे पर फेसपैक को कुछ देर लगाकर रखें। इससे रंग में निखार आता है और ताजगी का अहसास होता है।

-तुलसी की पत्तियों को सुखाकर बारीक पाउडर बना लें। इसे टेल्कम पाउडर की तरह स्किन पर रगड़ने से चेहरे के दागध ब्बे कम हो जाते हैं।

-आंखों में ताजगी लाने और डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए पुदीने की पत्तियां पीस कर लगानी चाहिए। ताजा हरा पुदीना पीसकर चेहरे पर लगाने से चेहरे की गर्मी निकल जाती है।

-मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसमें आंवले का रस मिलायें। बालों में अच्छी तरह लगायें और कुछ समय बाद धो डालें। इससे बालों में चमक आती है।

-तुलसी की पत्तियों का रस निकालकर उसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की डालें। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। साफ पानी से धो डालें। इससे ब्लैक स्पॉट मिटते हैं और त्वचा निखरी-निखरी नजर आती है।

-नीम की पत्तियों का पेस्ट बनाकर बालों की जड़ों में अच्छे से लगाने से रूसी दूर हो जाती है। इससे सिर में होने वाले दूसरे इंफेक्शन और जुओं से भी छुटकारा मिलता है।

-मेहंदी की हरी या सूखी पत्तियों का पेस्ट बालों के लिए बेहतरीन कंडीशनर का काम करता है।

-मीठे नीम की पत्तियों के रस को छाछ के साथ मिलाकर पीने से बालों को असमय सफेद होना बंद हो जाता है।

पत्तियों से स्वास्थ्य

-तुलसी की कुछ पत्तियां मुंह में रखकर धीरे-धीरे चबाने से दुर्गंध नहीं आती, दांत के दर्द में आराम मिलता है और रक्त भी शुद्ध होता है।

-मधुमेह के रोगियों के लिए पालक की हरी पत्तियों का सेवन बहुत ही लाभकारी होता है।

-अमरूद के पत्तों को पान की तरह कत्था लगाकर चबाने से मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं।

-पुदीने की कुछ पत्तियां सुबह शाम चबाने से दांतों के कीड़े खत्म हो जाते हैं और मुंह में ताजगी बनी रहती है।

-आम की कच्ची कोपलों को दांतों से खूब चबाकर थूक दें। दांत मजबूत और चमकदार बन जायेंगे।

-ब्राह्मी की पत्तियों का थोड़ा-सा ताजा रस (एक चम्मच) लेने से सर्दी-खांसी और उल्टी-दस्त बंद हो जाते हैं।

-नीम की पत्तियों के पेस्ट में थोड़ी-सी हल्दी मिलाकर लगाने से फुंसियां ठीक हो जाती हैं।

-हैजा, पेटदर्द, अजीर्ण, हिचकी बंद न होना, चर्मरोग और ब्लडप्रेशर कंट्रोल जैसी कई स्वास्थ्य समस्याओं के लिए पुदीना की पत्तियां कारगर दवा है। पुदीना एंटीबायोटिक औषधि का भी काम करती है।

-मेहंदी की पत्तियों का पेस्ट पैरों के तलवों में लगाने से जलन कम होती है, ठंडक और सुकून का अहसास होता है।

-पालक की पत्तियों में मौजूद फ्लेजेवोनॉइडस एंटीऑक्सीडेंट्स का काम करते हैं। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। पालक में विटामिन ए काफी मात्रा में पाया जाता है जो आंखों, बालों और त्वचा के लिए कफी फायदेमंद होता है।

-बथुए की पत्तियों को उबालकर उनका रस पीने से पेट और पेशाब के रोग ठीक होते हैं।

-पीपल की ताजी हरी पत्तियों का रस कान में टपकाने से कान का दर्द दूर होता है।

-कढ़ी पत्ता (मीठा नीम) के कुछ पत्तियों के रस को नींबू के रस और शक्कर के साथ मिलाकर पीने से अपच, उल्टी और थकान मे आराम मिलता है।

-हरे धनिये की पत्तियां वातनाशक और पाचनशक्ति को बढ़ाने वाली होती हैं। इसकी पत्तियों को पानी भिगोकर मसलकर पानी को छान लें।

ब्यूटी टिप्स

होली के रंग निकाले, रूप निखार

युवाओं को होली के रंग-बिरंगे पर्व का खास इंतजार रहता है। क्यों न हो! होली का त्योहार ही कुछ ऐसा है। पर होली के लाल-पीले रंगों से सबसे ज्यादा डर लड़कियों को लगता है कहीं कलर्स से उनकी त्वचा को नुकसान न पहुंचे।

बस इसीलिए कभी-कभी मन में उमंग होते हुए भी इस उत्सव का पूरी तरह आनंद नहीं उठाया जाता। होली के रंग कहीं त्वचा व रंग को बर्बाद न कर दे, यही आशंका बनी रहती है। लेकिन घबराइए नहीं, हमारे पास हैं रंगों को छुड़ाने के कुछ आसान से नुस्खे, जो आपके घर में ही उपलब्ध हैं। बस इन्हें इस्तेमाल कीजिए और रंगों को आसानी से छुड़ा लीजिए। तो फिर तैयार हैं न आप होली खेलने के लिए...!

* बेसन में नींबू व दूध मिलाकर उसका पेस्ट बनाकर अपनी स्कीन पर लगाएं। पंद्रह-बीस मिनट तक पेस्ट लगा रहने दें और फिर गुनगुने पानी से मुंह-हाथ धो लें।

* खीरे का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा गुलाब जल और एक चम्मच सिरका मिला लें। और इसका पेस्ट तैयार कर इससे मुंह धोएं। आपके चेहरे पर लगे सारे रंग के दाग-धब्बे दूर हो जाएंगे और त्वचा खिली-खिली हो जाएगी।

* मूली का रस निकालकर उसमें दूध व बेसन या मैदा मिलाकर पेस्ट बनाएं और उसे चेहरे पर लगाने से भी चेहरा साफ हो जाता है।

* अगर आपकी त्वचा पर ज्यादा गहरा रंग लग गया हो तो दो चम्मच जिंक ऑक्साइड और दो चम्मच कैस्टर ऑइल मिलाकर लेप बनाकर इसे चेहरे पर लगाएं। अब स्पंज से हल्के हाथों से रगड़कर चेहरा धो लें। और फिर बीस-पच्चीस मिनट बाद साबुन लगाकर चेहरा धोएँ। आपकी त्वचा पर लगा रंग उतर जाएगा।

* जौ का आटा व बादाम का तेल मिक्स कर लें। उसको त्वचा पर लगाकर रंग को साफ करें।

* दूध में थोड़ा सा कच्चा पपीता पीसकर मिलाएं। साथ ही थोड़ी सी मुलतानी मिट्टी व थोड़ा सा बादाम का तेल मिक्स करें और करीब आधे घंटे बाद चेहरा धो डालें।

* संतरे के छिलके व मसूर की दाल व बादाम को दूध में पीसकर पेस्ट बनाएं इस तैयार उबटन को पूरी त्वचा पर मसलें और धो लें। आपकी त्वचा साफ होकर उसमें निखार आएगा।

कहीं नुकसान न पहुंचा दे होली के रंग

अब रंगों के त्योहार होली का बड़ी ही उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा है। होली से जुड़ा है रंग, गुलाल व अबीर। लेकिन रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है। कैसे खेलें होली, क्या बरतें सावधानी,

होली के समय में हमारी आंखों को सबसे अधिक नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि होली में इस्तेमाल किए जाने वाले रंग आंखों में जलन, संक्रमण पैदा कर सकते हैं या फिर आंखों को चोटिल कर सकते हैं। होली के बाद अस्पतालों में सामान्य तौर पर त्वचा व आंखों के मरीजों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसलिए सावधानी जरूर बरतनी चाहिए।

आंखों में जलन की समस्या

कुछ रंगों के आंखों के साथ संपर्क में आने से आंखों में जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। अगर यह समस्या दो चार दिनों में ठीक न हो तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आंखों में किसी प्रकार की समस्या होने पर यह देखना चाहिए कि आपकी दृष्टि की स्पष्टता में तो कोई कमी नहीं आई है? यदि हां तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

ये सावधानियां हैं जरूरी

अपनी आंखों को बचाकर रखें। कोई आप के पास रंग लगाने आए तो अपनी आंखों को बंद करके पहले बचाने का प्रयास करें।

आंखों में चश्मा पहनें, जिससे खतरनाक रंगों के रसायन से आपकी आंखें बच सकें।

बालों पर कोई बड़ी-सी टोपी या हैट लगाएं, जिससे आपके बालों का केमिकल डाई के दुष्प्रभाव से बचाव हो सके।

नहाते समय और रंगों को निकालते समय आंखों को अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि पानी के साथ बहता हुआ रंग आप की आंखों में प्रवेश न कर सके।

घर पर खुद ही रंग बनाएं और उन्हीं का इस्तेमाल करें। बाहर के खरीदे हुए हानिकारक रंगों को इस्तेमाल न ही करें तो ही अच्छा है।

बच्चों को गुब्बारों से खेलने के लिए उत्साहित न करें, क्योंकि गुब्बारे कभी भी किसी की आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अपने रंग लगे हाथों को आंखों के पास न ले जाएं। हाथ धोने के बाद ही आंखों को छुएं। आंखों को मसलने या रगड़ने की गलती भी न करें।

ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें, जो हाथों से आपके चेहरे पर रंग लगाने आएं। यदि कोई रंग लगाने आए तो आप आंखों और होंठों को बंद कर लें ताकि रंग आपके मुंह या आंखों में न जा पाए।

होली खेलने से पहले चेहरे पर कोल्ड क्रीम की एक मोटी परत लगाएं ताकि रंग लगने के बाद जब आप अपना चेहरा धोएं तो रंग आसानी से निकल जाए।

यदि आंखों में कोई रंग चला जाए तो तुरंत पानी के छीटे मारें। यदि लक्षण कुछ भीषण प्रतीत हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

होली के बाद आपको आंखों में हल्की असहजता महसूस हो रही हो तो रुई के फाहे पर गुलाब जल छिड़क कर आंखों पर थोड़ी देर के लिए रखें। इससे आपकी थकी हुई आंखों को आराम मिलेगा।

यदि आंखों में रंग चला जाए और आंखों में जलन, सूजन या दर्द हो तो साफ पानी से आंखें धोएं। थोड़ी देर देखें, अगर तब भी लक्षण ऐसे ही रहें तो डॉक्टर के पास जाएं।

यदि आंख में गुब्बारे या रंग में मिले हुए किसी कण से चोट लग गई हो, रेटिना को नुकसान पहुंचा हो, रक्तस्राव हो, तो आंखों को पानी से धोने की गलती न करें। ऐसे में आंखें बंद करें और तुरंत अस्पताल जाएं।

आंखों को चोट न लगे

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है। होली पर गुब्बारों के इस्तेमाल से आंखों में अंदरूनी रक्तस्राव हो सकता है या किसी प्रकार की भी चोट लग सकती है। इसलिए ऐसे हालातों में किसी बात का इंतजार न करें। आंखों को किसी प्रकार का खतरा हो, उससे पहले आप किसी अच्छे नेत्र रोग विशेषज्ञ से अवश्य ही संपर्क करें।

'टॉक्सिक' में नजर आएंगी संजीदा शेख, छोटा लेकिन दमदार होगा किरदार

अभिनेता यश की अदाकारी वाली फिल्म 'टॉक्सिक' रिलीज से पहले चर्चा में है। यह 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया जैसी मजबूत फीमेल कास्ट है। बताया जाता है कि फिल्म में पांच फीमेल एक्ट्रेस के अलावा एक और अभिनेत्री नजर आएंगी।

संजीदा शेख होंगी 'टॉक्सिक' का हिस्सा

वैरायटी इंडिया के मुताबिक अभिनेत्री संजीदा शेख भी फिल्म 'टॉक्सिक' का हिस्सा होंगी। इसमें उनका स्पेशल अपीयरेंस होगा। खबर है कि वह एक छोटा लेकिन अहम किरदार निभाएंगी। 'टॉक्सिक' संजीदा का पहला पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है।

संजीदा शेख का वर्कफ्रंट

संजीदा शेख सबसे ज्यादा टीवी में काम करने के लिए जानी जाती हैं। वह 'फाइटर' और 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' जैसे प्रोजेक्ट्स में अदाकारी से फिल्म और OTT में अपनी पहचान बना रही हैं। 'टॉक्सिक' के अलावा संजीदा शेख अजय देवगन स्टारर 'धमाल 4' में भी नजर आएंगी। यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को रिलीज होने वाली है। उनके पास सनी देओल और अक्षय खन्ना के साथ 'इक्का' भी पाइपलाइन में है।

'टॉक्सिक' के बारे में

आपको बता दें कि 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। इसके लेखक यश और गीतू मोहनदास हैं। इसे कन्नड़ और इंग्लिश में एक साथ शूट किया गया है। फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और दूसरी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 19 मार्च, 2026 को बॉक्स ऑफिस पर रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर 2' से टकराएगी।

तापसी पन्नू ने टाइपकास्ट किए जाने पर उठाए सवाल

तापसी पन्नू को अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'अस्सी' के लिए प्रशंसाएं मिल रही हैं। फिल्म को भी क्रिटिक्स द्वारा काफी सराहा जा रहा है। हालांकि, हर बार की तरह इस बार भी अच्छा कंटेंट और तारीफों के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस धीमी रफ्तार से ही आगे बढ़ रही है। इस बीच तापसी पन्नू ने एक ही तरह के किरदार के लिए एक ही तरह के कलाकारों को चुनने के मुद्दे पर सवाल उठाया। तापसी की अनुभव सिन्हा के साथ ये तीसरी फिल्म है, इससे पहले दोनों 'मुल्क' और 'थप्पड़' में भी साथ काम कर चुके हैं।

कोई अपने कंफर्ट जोन से बाहर नहीं आना चाहता

गलाट्टा प्लस के साथ बातचीत के दौरान तापसी पन्नू ने बताया कि उन्होंने कई प्रमुख निर्देशकों से उनकी फिल्मों में बार-बार दोहराए जाने वाले कास्टिंग विकल्पों के बारे में सवाल किए हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि यह मुश्किल है। मेरे लिए नहीं, बल्कि लोगों के लिए यह कल्पना करना मुश्किल है क्योंकि हम अपनी कल्पना के आरामदायक दायरे में इतने खुश रहते हैं। 'ठीक है, यह इस तरह की भूमिका है, तो यह ठीक रहेगी।' कोई भी लीक से हटकर सोचना नहीं चाहता। जब मैं यहां के कुछ शीर्ष निर्देशकों से मिलने जाती हूं, तो उनसे मेरी बातचीत होती है। सबसे पहले मुझे यह धारणा तोड़नी पड़ती है कि मैं ऐसी फिल्में करने में सहज हूं, जिनमें मैं मुख्य भूमिका में नहीं हूं। यानी कि कहानी मेरी नहीं है। फिर मुझे उन्हें बताना पड़ता है कि मैं कुछ हल्की-फुल्की भूमिकाएं करना चाहती हूं। ऐसा नहीं है कि अगर मुझे फिल्म में होना ही है तो उससे कोई समस्या जुड़ी होनी चाहिए।

मैं हमेशा सवाल उठाती हूं

तापसी ने आगे बताया कि मैं सच में उन पर सवाल उठाती हूं। आप एक ही तरह के किरदारों के लिए हमेशा एक ही चेहरे को क्यों चुनते हैं? यह उनके साथ भी अन्याय है। यह मेरे जैसे लोगों के साथ भी अन्याय है जो अपनी कला में प्रयोग करना चाहते हैं। एक निर्देशक के तौर पर यह सोचना आपकी आत्मसंतुष्टि है कि अरे, यह एक खास तरह का किरदार है और इसके जैसी दिखने वाली लड़कियां कौन हैं? सिर्फ ये लड़कियां। फिर वे किसी और फिल्म में भी वही करेंगी जो उन्होंने पहले किया है। लेकिन जब मैं शायद ऐसा कुछ करूंगी, तो मैं कुछ नया लेकर आऊंगी।

महिला केंद्रित फिल्मों और दमदार किरदारों के लिए मशहूर हैं तापसी

'अस्सी' में तापसी पन्नू एक वकील के किरदार में नजर आ रही हैं। इससे पहले तापसी अनुभव सिन्हा की ही फिल्म 'मुल्क' में भी वकील की भूमिका निभा चुकी हैं। तापसी पन्नू को अक्सर ही महिला केंद्रित और दमदार भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। उनकी इस तरह की फिल्मों में 'अस्सी' और 'मुल्क' के अलावा 'थप्पड़', 'पिंक', 'बदला' और 'सांड की आंख' शामिल हैं। हालांकि, इसके अलावा उन्होंने अपने करियर में कुछ अलग तरह के किरदार भी निभाए हैं, जिनमें 'चश्मे बद्दूर', 'जुड़वां 2', 'हसीन दिलरुबा', 'डंकी' और 'खेल खेल में' शामिल हैं।

अली अब्बास जफर की फिल्म में अहान पांडे निभाएंगे लीड रोल; शरवरी फीमेल लीड

फिल्ममेकर अली अब्बास जफर ने अपनी नई एक्शन-रोमांस फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी।

अली अब्बास जफर की इस फिल्म में उनके साथ लीड रोल में अहान पांडे नजर आएंगे, जिनकी पिछली फिल्म सैयारा ने जबरदस्त सफलता हासिल की थी। यह अहान की दूसरी बॉलीवुड फिल्म होगी। फिल्म का पहला शूटिंग शेड्यूल मुंबई में लगभग एक महीने तक चलेगा। सोमवार को अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर अहान के साथ एक तस्वीर शेयर कर शूटिंग की शुरुआत का ऐलान किया। तस्वीर में अहान ब्लैक आउटफिट और लेदर जैकेट में काफी डैपर नजर आए, वहीं अली अब्बास जफर भी ऑल-ब्लैक लुक के साथ ब्राउन जैकेट में दिखे। यह फोटो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।

शरवरी होंगी फीमेल लीड

इस फिल्म में अहान के अपोजिट शरवरी नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मई 2026 में फिल्म की टीम लंदन शेड्यूल के लिए रवाना होगी, जहां एक बड़े एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग पांच दिनों तक चलेगी। बताया जा रहा है कि अहान ने इस फिल्म के लिए कड़ी तैयारी की है, जिसमें हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और हथियारों की ट्रेनिंग शामिल है। यह फिल्म उन्हें 'सैयारा' से बिल्कुल अलग अवतार में पेश करेगी। निर्माता जुलाई 2026 तक फिल्म की शूटिंग पूरी करने की योजना बना रहे हैं और इसे 2027 की शुरुआत में रिलीज करने का लक्ष्य है। वहीं खबरें यह भी हैं कि ऐश्वर्य ठाकरे, जिन्होंने 'निशांची' से बॉलीवुड डेब्यू किया था, इस फिल्म में विलेन की भूमिका निभा सकते हैं।

क्या अक्षय कुमार के साथ काम करने वाली हैं अक्षरा सिंह?

भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और आए दिन अपनी फिल्मों और गानों की वजह से लाइमलाइट में रहती हैं। अक्षरा एक बार फिर चर्चा में हैं और इस बार वजह काफी दिलचस्प है। दरअसल, उन्होंने अक्षय कुमार के साथ एक फोटो साझा किया है। इसके साथ उन्होंने जो कैप्शन लिखा है, उसे देख फैंस भी कयास लगा रहे हैं कि क्या दोनों सितारे साथ आने वाले हैं?

अक्षरा बोलीं- 'सरप्राइज मिलेगा'

अक्षरा सिंह ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी और अक्षय कुमार की फोटो साझा की है। वे ब्लू कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। वहीं, अक्षय कुमार ग्रीन शर्ट में हैं और कैप लगा रखी है। अक्षरा ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'जब खिलाड़ी की मुलाकात मृगनयनी से हो। और, कहानी अभी बाकी है। बड़ा सरप्राइज लोड हो रहा है।' इस पोस्ट में अक्षरा ने अक्षय कुमार को भी टैग किया है। अक्षरा सिंह के इस पोस्ट पर नेटिजन्स के दिलचस्प कमेंट्स आ रहे हैं। यूजर्स तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। कुछ यूजर्स अनुमान लगा रहे हैं कि दोनों शायद किसी फिल्म में साथ नजर आ सकते हैं। वहीं, कुछ लोग पूछ रहे हैं कि क्या किसी नए गाने में इनकी जोड़ी देखने को मिलेगी? एक यूजर ने लिखा, 'भोजपुरी और बॉलीवुड की साझेदारी'। एक अन्य यूजर ने लिखा है, 'कुछ तो पक रहा है'। वैसे देखना दिलचस्प होगा कि अक्षरा सिंह इस सरप्राइज से कब पर्दा उठाती हैं?

होली सॉन्ग में वरुण शर्मा के साथ अक्षरा का धमाका

बता दें कि अक्षरा सिंह इन दिनों अपने होली स्पेशल सॉन्ग 'होली पे चले गोली' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस गाने में अक्षरा के साथ बॉलीवुड एक्टर वरुण शर्मा नजर आए हैं। दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिली है। इसके अलावा अक्षरा सिंह अपने कुकिंग व्लॉग को लेकर भी चर्चा में हैं। उन्होंने अपने माता-पिता के साथ 'चटर पटर' व्लॉग शुरू किया है।

कॉमेडी और इमोशन के दो छोर पर खड़ीं संदीपा धर

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की दुनिया में एक कलाकार की पहचान उसके प्रोजेक्ट्स के सेलेक्शन से बनती है। ऐसे में अगर कलाकार अलग-अलग जॉनर में खुद को आजमाने का रिस्क उठाए, तो उसका सफर और भी दिलचस्प हो जाता है। इन दिनों एक्ट्रेस संदीपा धर अपने दो बिल्कुल अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। एक ओर वह आने वाले शो 'चुंबक' में हल्की-फुल्की फैमिली कॉमेडी का हिस्सा हैं, तो दूसरी ओर फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में उनका किरदार नैना दर्शकों को इमोशनल कर रहा है।

इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कैसे इन दोनों प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक कलाकार के रूप में चुनौतियां दीं। आईएएनएस से बात करते हुए संदीपा 'चुंबक' को लेकर बेहद उत्साहित नजर आईं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि यह एक ऐसी फैमिली कॉमेडी है, जिसे हर उम्र का दर्शक साथ बैठकर देख सकता है। उन्होंने कहा, ''आज के दौर में कंटेंट अक्सर बोल्ड देखने को मिलता है, लेकिन 'चुंबक' रिश्तों की गर्माहट को महसूस करने की कोशिश करता है। इसमें किसी तरह की भद्दी कॉमेडी या असहज करने वाले जोक्स नहीं हैं। कहानी पड़ोसियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां लोग एक-दूसरे के घर बेझिझक आते-जाते हैं, साथ खाना खाते हैं, जिससे रिश्ते अपनेपन वाले बनते थे।''

संदीपा मानती हैं कि आज के समय में यह पड़ोस कल्चर लगभग खत्म हो चुका है और 'चुंबक' उसी खोए हुए अपनापन को वापस लाने की कोशिश है। संदीपा के लिए कॉमेडी का अनुभव नया है। इस पर उन्होंने कहा, ''कॉमेडी जितनी सहज दिखती है, उतनी होती नहीं है। टाइमिंग, रिएक्शन और सिचुएशनल ह्यूमर को पकड़ना आसान नहीं होता। इसमें रिद्म और सटीकता बेहद जरूरी है। लेकिन अनुभवी कलाकारों के साथ काम करने से काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। सेट पर हल्के-फुल्के माहौल और टीम के सपोर्ट ने इस जॉनर को समझने में मेरी काफी मदद की है। नीना गुप्ता, सुमित राघवन, सुमित व्यास और देवेन भोजानी जैसे कलाकारों के साथ शूटिंग करना किसी एक्टिंग स्कूल से कम नहीं है। सेट पर कोई सीनियर-जूनियर नहीं है, सब दोस्त जैसे हैं और माहौल पूरी तरह फैमिलियर हो चुका है। अब जैसे-जैसे शूटिंग खत्म होने को है, तो सभी के मन में एक अजीब-सी उदासी महसूस हो रही है।''

संदीपा के लिए इसके बिल्कुल उलट 'दो दीवाने सहर में' का अनुभव भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा। हाल ही में रिलीज हुई इस फिल्म में उन्होंने नैना नाम की लड़की का किरदार निभाया। फिल्म में उनकी स्क्रीन टाइमिंग कम थी, लेकिन बावजूद इसके उन्होंने कहानी में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी।

संदीपा ने कहा, ''इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। फिल्म में मेरे सीन कम थे और मेरा नैना का किरदार बेहद गहराई वाला था। सीमित सीन्स में किसी किरदार की पूरी मानसिक स्थिति दिखाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। नैना बाहर से एकदम परफेक्ट दिखती है, लेकिन अंदर से वह अकेली, उलझी और टूटी हुई है। इस दोहरेपन को पर्दे पर उतारना मेरे लिए किसी परीक्षा की तरह था।''

उन्होंने आगे कहा, ''फिल्म में ब्रेकडाउन सीन मेरे लिए सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि इसमें सिर्फ मैं ही थी और पूरा भावनात्मक बोझ मुझ पर ही था। मैं ग्लिसरीन का इस्तेमाल नहीं करती, इसलिए हर टेक में असली इमोशन्स लाना शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला था। गर्मी में मुंबई की पीक समर के दौरान शूटिंग करना भी मुश्किलें बढ़ाता है, लेकिन जब पूरी टीम का साथ मिलता है, तो मुश्किलें भी यादगार बन जाती हैं।''

बस्ती में केक खाने से युवक की मौत, मासूम की हालत गंभीर, गांव में पसरा मातम

बस्ती(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के गौर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां मात्र पांच रुपये के केक ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। महुआडाबर गांव में एक दुकान से खरीदकर खाए गए केक के कारण 18 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पड़ोस में रहने वाला एक तीन वर्षीय मासूम बच्चा अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत और गम का माहौल है। जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम गांव के निवासी अमन सिंह ने पास की ही एक किराने की दुकान से पांच-पांच रुपये वाले दो केक खरीदे थे। अमन ने खुद भी केक खाया और अपने पड़ोस में रहने वाले नन्हे बच्चे ओंकार को भी इसका एक हिस्सा खिला दिया। केक खाने के कुछ ही मिनटों के भीतर दोनों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। दोनों को पेट में तेज दर्द और लगातार उल्टी की शिकायत होने लगी। स्थिति गंभीर होते देख परिजनों में हड़कंप मच गया और वे आनन-फानन में दोनों को लेकर स्थानीय अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में उपचार के दौरान 18 वर्षीय अमन सिंह ने दम तोड़ दिया, जबकि तीन वर्षीय ओंकार की हालत नाजुक बनी हुई है। उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उसकी निगरानी कर रही है।

ओडिशा के बोलांगीर और बरगढ़ नक्सल मुक्त घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के बोलांगीर और बरगढ़ जिलों को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया गया है। राज्य पुलिस के अनुसार इन क्षेत्रों में सक्रिय 15 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में किया गया, जो बरगढ़ से सटा हुआ है। ये माओवादी बरगढ़-बोलांगीर-महासमुंद बेल्ट में सक्रिय थे। डीजीपी वाई बी खुरानिआ ने मीडिया को बताया कि राज्य में लंबे समय से चलाए जा रहे संयुक्त एंटी-नक्सल अभियानों का यह महत्वपूर्ण परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति और सुरक्षा बलों की सतत कार्रवाई से माओवादी संगठन कमजोर पड़े हैं। इस घोषणा के साथ ओडिशा में नक्सल मुक्त जिलों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। नुआपाड़ा, नबरंगपुर, कोरापुट, मलकानगिरी, बौध, बोलांगीर और बरगढ़ अब नक्सल मुक्त जिलों की सूची में शामिल हैं। हालांकि कंधमाल, रायगढ़ा और कालाहांडी जिलों में अभी भी माओवादी गतिविधियां जारी हैं। पुलिस के अनुसार राज्य में अब लगभग 25 माओवादी ही सक्रिय बचे हैं और उन्हें मुख्यधारा में लाने के प्रयास जारी हैं।

निर्वाचन आयोग 6-7 मार्च को केरल में चुनाव तैयारियों की करेगा समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग की टीम 6 और 7 मार्च को केरल का दौरा करेगी। इस दौरान आयोग आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करेगा। अधिकारियों के अनुसार बैठक में मतदाता सूची, सुरक्षा प्रबंध, मतदान केंद्रों की व्यवस्था और अन्य प्रशासनिक पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। इस वर्ष कुल पांच राज्यों—केरल, असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। आयोग पहले ही असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी का दौरा कर चुनावी तैयारियों का जायजा ले चुका है, जबकि पश्चिम बंगाल का दौरा अभी शेष है। इन सभी राज्यों में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अधिकारियों का कहना है, कि आयोग का उद्देश्य निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना है। केरल दौरे के दौरान आयोग राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से भी संवाद करेगा। राज्य में चुनावी गतिविधियां तेज होने के साथ ही प्रशासन ने भी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचा दी हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग जिलों में अभियान चलाकर प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा सोमवार को जारी बयान के अनुसार यह कार्रवाई इंफाल पूर्वी, इंफाल पश्चिमी और थौबल जिलों में की गई। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को इंफाल पूर्वी जिले के फकनुंग अवांग लेइकाई इलाके से प्रतिबंधित संगठन 'पीआरईपीएके' के एक सक्रिय कैडर को पकड़ा गया। एक अन्य कार्रवाई में शनिवार को इंफाल पश्चिमी जिले के वांगोई खैदेम लेइकाई स्थित एक आवास से 'पीआरईपीएके (प्रो)' से जुड़े उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से नौ एमएम की पिस्तौल, एक मैगजीन और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने हथियारों को जब्त कर लिया है और आरोपी से पूछताछ जारी है। इसी दिन थौबल जिले के यैरिपोक लमखाई क्षेत्र से 'केवाईकेएल' संगठन से जुड़े एक अन्य उग्रवादी को भी गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि राज्य में उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सघन तलाशी अभियान लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों के मुताबिक, हाल के अभियानों से संगठनों की गतिविधियों पर प्रभाव पड़ा है।

शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष को कोर्ट ने नहीं दी जमानत, अब सुनवाई 11 मार्च को

पटना (एजेंसी)। पटना में नीट छात्रा दुष्कर्म और मौत मामले में शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष रंजन की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। मनीष को कोर्ट से जमानत नहीं मिली। सोमवार को करीब पौने दो घंटे सुनवाई चली। इस बीच पीड़ित परिवार के वकील और सीबीआई के वकील के बीच तीखी बहस हुई। पीड़ित परिवार के वकील ने जांच में लापरवाही की बात कही। इस पर सीबीआई के वकील ने आपत्ति जताई और कहा कि जमानत की सुनवाई है। आप एजेंसी पर सवाल नहीं कर सकते हैं। कोर्ट से अगली सुनवाई की 11 मार्च तय की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को सुनवाई के दौरान सीबीआई ने लिखित में कहा कि हमें इन्वेस्टिगेशन में मनीष रंजन जरूरत नहीं है। मनीष की जमानत याचिका पर सुनवाई अब अगली तारीख पर सीबीआई मजिस्ट्रेट कोर्ट में होगी। कोर्ट से सुनवाई की अगली तारीख 11 मार्च है। पीड़ित पक्ष के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पिंजरे वाला तोता कहा है। इस मामले में सीबीआई की जांच देखकर लग रहा है कि वो मनीष रंजन की जेब में है। उन्होंने अलग से एफआईआर दर्ज की है।

बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कर मजबूत सरकार बनानी है जो विकास ला सके

-बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने कूच बिहार से की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत

कूच बिहार (एजेंसी)। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में बीजेपी की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। इस मौके पर नबीन ने दावा किया कि बंगाल में 50 लाख से ज्यादा घुसपैठियों को वोटर लिस्ट से हटाया गया है। पश्चिम बंगाल में एक दिन पहले ही एसआईआर के बाद जारी वोटर लिस्ट से 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं।

नबीन ने आरोप लगाया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, वे घुसपैठिए थे और वे असली नागरिकों के लिए बनी सरकारी नौकरियों और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे थे। ये लोग न सिर्फ असली नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन कर रहे थे, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा थे। घुसपैठियों के लिए हमारा संदेश है कि अब समय आ गया है कि उन्हें बंगाल की धरती से बाहर किया जाए। हमें एक मजबूत सरकार भी बनानी है जो विकास ला सके।

नबीन ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेज दिलाकर उन्हें संरक्षण दिया। ममता ने वोटर लिस्ट में शामिल घुसपैठियों को बचाने के लिए अदालतों का रुख किया, क्योंकि वे उनका वोट बैंक हैं, लेकिन जब महिलाओं का अपमान होता है, तो दीदी चुप रहती हैं। राज्य को भ्रष्ट टीएमसी सरकार से मुक्त कराने की जरूरत है, जो सिर्फ घुसपैठियों के लिए काम करती है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् के गान से पूरा देश आजाद हुआ। आज जब उसकी 150वीं जयंती मनाते हैं, तो टीएमसी के सांसद उसे रोकते हैं। उन्होंने कहा कि ममता दीदी, वंदे मातरम् ने अंग्रेजों से आजादी दिलाई थी, और अब वही वंदे मातरम् की गूंज बंगाल को आपकी अराजकता से आजाद करेगी और बंगाल को मुक्ति दिलाएगी। यह यात्रा जो 5,000 किलोमीटर से अधिक की होगी और बंगाल के घर घर तक जाएगी, जहां अब तक केवल वादे और अहंकार के शब्द पहुंचे थे, वहां बीजेपी परिवर्तन की आवाज के साथ पहुंचने वाली है।

दिल्ली के स्कूलों को फिर बम धमकी, हाई अलर्ट जारी

-स्कूलों और आसपास के इलाकों को सुरक्षा की दृष्टि से सील कर दिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के कई प्रतिष्ठित स्कूलों को सोमवार सुबह ईमेल के जरिए बम धमकी मिली। धमकी संदेश सुबह लगभग 8 बजे स्कूल स्टाफ को प्राप्त हुए। इस बार धमकी पाने वाले प्रमुख स्कूल हैं- आर्मी पब्लिक स्कूल (दिल्ली कैंट) सेलवन प?ब्लिक स्कूल और मीरा पब्लिक स्कूल (जनकपुरी)। स्कूल स्टाफ ने तुरंत पुलिस और दमकल को सूचित किया। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ते और स्निफर डॉग्स तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। स्कूलों और आसपास के इलाकों को सुरक्षा की दृष्टि से सील कर दिया गया। दमकल विभाग ने स्कूलों में चेकिंग शुरू की। अब तक किसी भी तरह का संदिग्ध या विस्फोटक सामान नहीं मिला है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां धमकी भेजने वाले व्यक्ति या समूह की पहचान के लिए जांच कर रही हैं। पुलिस ने सभी लोगों को सतर्क रहने और अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी है। छात्रों, अभिभावकों और स्टाफ को सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली में यह कोई नया मामला नहीं है। पिछले सप्ताह धौला कुआं स्थित आर्मी प?ब्लिक स्कूल और लोधी रोड स्थित एयर फोर्स बाल भारती स्कूल को भी बम धमकी मिली थी। इससे पहले, दिल्ली सचिवालय, विधानसभा और लाल किला को भी धमकी मिली थी। हर बार पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आसपास के इलाके को सील कर दिया। अब तक किसी भी घटना में वास्तविक विस्फोटक नहीं मिला। सुरक्षा एजेंसियां ईमेल के स्रोत और धमकी भेजने वाले व्यक्ति/समूह की पहचान के लिए साइबर और फॉरेंसिक जांच कर रही हैं। पुलिस का कहना है कि ऐसी धमकियां आम लोगों और छात्रों के लिए चिंता का कारण बनती हैं, लेकिन सभी मामलों में पूरी सतर्कता के साथ कार्रवाई की जा रही है।

शंकराचार्य सर्वोपरि और पूज्य हैं, वे कहीं भी जाएंगे हम उनका स्वागत करेंगे

-सीएम योगी की तल्ख टिप्पणी के बीच केशव मौर्या ने किया अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन

वाराणसी (एजेंसी)। प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान और बटुक की चोटी खींचने का मामला थम नहीं रहा है। सीएम योगी की तल्ख टिप्पणियों के बीच एक बार फिर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने शंकराचार्य का समर्थन किया है। सोमवार को काशी पहुंचे डिप्टी सीएम मोर्या ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य सर्वोपरि हैं और पूज्य हैं। वह जहां भी जाएंगे हम उनका स्वागत करेंगे। वहीं उन्होंने दूसरी ओर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को ढोंगी बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोर्या ने कहा कि शंकराचार्य का स्थान सर्वोपरि है वे भगवान शंकराचार्य हैं, वे कहीं भी जाएंगे हम उनका स्वागत करेंगे। एक रामभक्त होने के नाते मैं स्वयं उनका अभिनंदन करने को तैयार हूं। शंकराचार्य के यूपी सरकार में गौहत्या के आरोपों पर भी डिप्टी सीएम ने जवाब दिया। गौ रक्षा के मुद्दे पर विपक्ष को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि यूपी में अब कानून का राज है। हमारी सरकार गौ माता के प्रति अटूट आस्था रखती है और प्रदेश में किसी भी अपराधी या हत्यारे की इतनी हैसियत नहीं है कि वह गौ माता को नुकसान पहुंचा सके।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मामले में बयानों पर अखिलेश यादव को आड़े हाथों लिया। डिप्टी सीएम ने कहा कि अखिलेश यादव एक ढोंगी व्यक्ति हैं। उन्होंने पुरानी घटनाओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान रामभक्तों का दमन किया गया था और अब वही लोग धर्म के नाम पर राजनीति करने का प्रयास कर रहे हैं। ?आगामी चुनावों और बीजेपी के भविष्य पर आत्मविश्वास जताते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि विकास और सुशासन के दम पर 2047 तक बीजेपी की सरकार बनी रहेगी और विपक्ष का कोई भी गठबंधन इसे डिगा नहीं पाएगा। बीजेपी पूरी तरह से तैयार है और परिणाम विशाल होंगे।

मेरी मासिक कमाई 9000 में हर माह 12,000 रुपये की एलिमनी नहीं दे सकता... सुप्रीम कोर्ट में पति ने रोया दुखड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट में एक दिलचस्प तलाक से जुड़े मामले की सुनवाई हो रही है, जिसमें पति की सैलरी और पत्नी की एलिमनी की मांग मुख्य मुद्दा बनी। पति ने दावा किया कि वहां दिहाड़ी मजदूर है और महीने में मुश्किल से 9,000 रुपये कमाता है, इसलिए वह अपनी पत्नी को हर माह 12,000 रुपये की एलिमनी नहीं दे सकता। पति ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि उसकी दैनिक आमदनी करीब 325 रुपये है और इसके बावजूद पूरी मेहनत करने पर भी उसकी कमाई 9,000 रुपये ही होती है।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने पति के दावे पर संदेह जताया। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि आज के समय में कोई इतनी कम सैलरी नहीं देता और यह बात भरोसेमंद नहीं लगती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर पति मेंटेनेंस नहीं दे सकता, तब पत्नी के साथ रहना चाहिए ताकि वह खाने-पीने और बच्चों के गुजारे का ध्यान रख सके। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पति के वकील ने कहा कि उनका क्लाइंट सच में अपनी आमदनी बता रहा है और इसके लिए एफिडेविट भी फाइल करने को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने पति से कहा कि पत्नी के गुजारे के लिए पैसे का इंतजाम उसकी जिम्मेदारी है और इस पूरा करने के लिए कोई उपाय करना ही होगा, भले ही उधार लेना पड़े।

इससे पहले निचली अदालत ने तलाक देकर पत्नी को 6 लाख रुपये देने का आदेश दिया था। हालांकि, पत्नी इस राशि से संतुष्ट नहीं हुई और हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में बढ़ोतरी की मांग की। उसने पति के सामने दो विकल्प रखे—या हर महीने 12,000 रुपये एलिमनी के रूप में दें, जिसमें हर साल निश्चित बढ़ोतरी हो, या एक बार में 30 लाख रुपये का भुगतान करें। कोर्ट ने सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आर्थिक तंगी को बहाना बनाकर पत्नी के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और पति को अपनी जिम्मेदारी पूरी करनी होगी, चाहे इसके लिए उसे कोई अतिरिक्त प्रयास करना पड़े।

कथित शराब घोटाले में कोर्ट का फैसला बीजेपी के मुंह पर जोरदार तमाचा है : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कथित शराब घोटाले में कोर्ट का फैसला बीजेपी के मुंह पर जोरदार तमाचा है। उन्होंने दिल्ली के जंतर मंतर पर रविवार को एक रैली में कहा कि आप पार्टी को खत्म करने के लिए पीएम मोदी खुद इस मामले की मॉनिटरिंग कर रहे थे। उन्होंने मोदी और शाह पर चार साल तक परेशान करने का आरोप लगाया। शराब घोटाले के में बरी होने के बाद इस रैली का आयोजन किया गया था। उन्होंने रैली में शराब घोटाले मामले में कोर्ट के फैसले की तारीफ की। उन्होंने इसे दिल्ली और देश के लोगों के पक्ष में बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी नेताओं ने मुझपर 100 करोड़ रुपए लेने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि केस फर्जी है। कोर्ट का फैसला नरेंद्र मोदी, अमित शाह और बीजेपी के लिए करारा जवाब है। आप को खत्म करने के लिए खुद पीएम मोदी इस केस की निगरानी कर रहे थे। आईआईटी से पढ़ाई के बाद मैं अमेरिका जा सकता था, लेकिन देश सेवा के लिए भारत में ही रहा। इनकम टैक्स विभाग में नौकरी में मैंने रिश्वत लेने से इनकार किया और ईमानदारी से काम किया। दिल्ली का सीएम बनने के बाद भी मेरे खिलाफ कई जांच कराई गईं, लेकिन कुछ साबित नहीं हुआ। 12 साल में देश को अच्छी सड़कें, पानी और बेहतर व्यवस्था नहीं दी। रेलवे, एयरलाइंस, बैंक और शिक्षा व्यवस्था खराब हो गई है।

मार्च में दौड़ेगी दूसरे वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, इस साल 12 ट्रेनें चलाने का है लक्ष्य

-ट्रेन में हवाई जहाज की तर्ज पर बायो-वैक्यूम टॉयलेट्स और टच-फ्री नल लगाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन इस माह पटरियों पर दौड़ेगी। इसका रूट अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यह ट्रेन दिल्ली-हावड़ा, दिल्ली-मुंबई, चेन्नई-बेंगलुरु-मुंबई में से किसी एक रूट पर चलाई जाएगी। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2026 में कुल 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को चलाने का लक्ष्य है। हरेक ट्रेन पहले की ट्रेन से तकनीक व सुविधाओं के मामले में उन्नत होगी। वंदे भारत स्लीपर को भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड ने इस तरह डिजाइन किया है कि रेल यात्रियों को सफर के दौरान विमान-पांच सितारा होटल जैसा अनुभव होगा। ट्रेन के कोच के गलियारों में स्मार्ट सेंसर लाइट्स लगी हैं, जो केवल यात्री के चलने पर ही जलेंगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहली बार ट्रेन में बोल्स्टरलेस कोच का इस्तेमाल हुआ है, जो 160 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार पर भी चाय का कप टेबल से नहीं गिरने देंगी। हवाई जहाज की तर्ज पर इसमें बायो-वैक्यूम टॉयलेट्स और टच-फ्री नल दिए गए हैं। नई डिजाइन की उन्नत वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में स्मार्ट सेंसर लाइट्स, वैक्यूम टॉयलेट्स, बोल्स्टरलेस कोच और ब्रांडेड कैटरिंग की खूबियां होंगी। बता दें रेलवे बोर्ड ने हाल ही में अमृत भारत और वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के नियमों में बदलाव किया है। 9 फरवरी को जारी नए आदेश में उक्त प्रीमियम ट्रेनों में भी इमरजेंसी कोटा की सुविधा बहाल कर दी गई है। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में इन ट्रेनों में केवल लेडीज, सीनियर सिटीजन और दिव्यांग कोटा ही रखा गया था ताकि टिकट प्रणाली पारदर्शी रहे, लेकिन यात्रियों की भारी मांग और आपातकालीन जरूरतों को देखते हुए अब इसे लागू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अलग-अलग ट्रेनों और श्रेणियों के लिए बर्थ की संख्या तय की गई है। अमृत भारत एक्सप्रेस में यह कोटा उन ट्रेनों में लागू होगा जिनमें सात या उससे ज्यादा स्लीपर कोच हैं। इनमें स्लीपर क्लास में प्रति ट्रेन 24 बर्थ इमरजेंसी कोटा के लिए आरक्षित हैं। वहीं, वंदे भारत स्लीपर कोच की श्रेणी के आधार पर बर्थ के आवंटन की व्यवस्था है। इसमें सामान्य दिनों और सप्ताहांत के आधार पर कोटे की बर्थ का प्रावधान है। वंदे भारत स्लीपर में एसी-1 में 4 से 6 बर्थ, एसी-2 में 20 से 30 बर्थ, एसी-3 में 24 से 42 बर्थ आरक्षित होंगी। ये सीटें तब तक खाली रहती हैं जब तक चार्ट तैयार नहीं हो जाता। यदि कोई इमरजेंसी रिक्वेस्ट नहीं आती, तो ये सीटें वेटिंग लिस्ट वाले सामान्य यात्रियों को आवंटित कर दी जाती हैं। इस कोटे की बर्थ को मेडिकल इमरजेंसी, पारिवारिक कारण, सरकारी ड्यूटी और अन्य नौकरी के इंटरव्यू या बहुत ही अहम आधिकारिक कार्य के तहत दी जाती हैं।

बिहार के गोपालगंज में ढलाई के दौरान ध्वस्त हुआ करोड़ों का निर्माणाधीन पुल

गोपालगंज (एजेंसी)। बिहार में पुल गिरने की घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला गोपालगंज जिले से सामने आया है, जहाँ एक निर्माणाधीन पुल ढलाई के दौरान अचानक भरभराकर गिर गया। सिधवलिया प्रखंड के गंगवा गांव में घोघारी नदी पर बन रहा यह आरसीसी पुल उस वक्त ध्वस्त हो गया जब काम जोरों पर था। लगभग 29 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण करीब 2 करोड़ 89 लाख 21 हजार रुपये की भारी-भरकम लागत से कराया जा रहा था। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय वहां मौजूद मजदूर इसकी चपेट में आने से बाल-बाल बच गए, जिससे एक बड़ा जान-माल का नुकसान टल गया। चश्मदीदों के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान अचानक एक तेज आवाज सुनाई दी और पुल के स्लैब का एक बड़ा हिस्सा नीचे की ओर धंसने लगा। देखते ही देखते पूरा ढांचा धराशायी हो गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस घटना पर कड़ा रोष व्यक्त करते हुए निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार और घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि कमजोर सरिया और गुणवत्ताहीन सीमेंट के कारण ही पुल ढलाई का बोझ भी नहीं सह पाया और उद्घाटन से पहले ही गिर गया। लोगों ने निर्माण एजेंसी के साथ-साथ विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत पर सवाल उठाते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अमला और इंजीनियरिंग टीम मौके पर पहुंची और फिलहाल निर्माण कार्य को पूरी तरह रोक दिया गया है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि तकनीकी पहलुओं की जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बिहार में पिछले कुछ वर्षों में पुल गिरने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भागलपुर में सुल्तानगंज- अगुवानी घाट पुल का दो बार गिरना और अररिया जिले में उद्घाटन से पहले पुल का ध्वस्त होना जैसे मामले निर्माण की गुणवत्ता और सरकारी निगरानी तंत्र की विफलता की गवाही देते रहे हैं। बार-बार हो रहे इन हादसों ने प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

युद्ध की भीषण मार: खाड़ी देशों में फंसे हजारों भारतीय, मिसाइलों के साये में जीने को मजबूर

देहरादून (एजेंसी)। अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच छिड़ी विनाशकारी जंग का सबसे खौफनाक मंजर खाड़ी देशों में देखने को मिल रहा है। इस युद्ध की सीधी मार वहां रह रहे हजारों प्रवासी भारतीयों पर पड़ रही है, जो इस समय दहशत और अनिश्चितता के माहौल में जी रहे हैं। खाड़ी देशों, विशेषकर दुबई और अबूधाबी में आसमान से गिरती मिसाइलें, कान फाड़ देने वाले धमाके और मोबाइल फोन पर लगातार बजते वॉर अलर्ट के सायरन ने लोगों की रातों की नींद उड़ा दी है। हालात इतने तनावपूर्ण हैं कि लोग अपनी जान बचाने के लिए हफ्तों का राशन जमा कर घरों में कैद होने को मजबूर हैं।

दुबई और अबूधाबी जैसे आधुनिक शहरों से जो तस्वीरें और खबरें सामने आ रही हैं, वे रूह कंपा देने वाली हैं। वहां रह रहे भारतीयों ने बताया कि पाम जुमेराह जैसे पॉश इलाकों में धमाकों के बाद अफरा-तफरी का माहौल है। चम्पावत के रहने वाले नवीन सिंह बोहरा ने अबूधाबी से अपनी आपबीती साझा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी ऐसी लाइव जंग नहीं देखी। उनके फ्लैट के ठीक ऊपर से मिसाइलें गुजर रही हैं और जमीन से टकराते ही धरती हिल जाती है। आसमान में छाये काले धुएं के गुबार को देखकर लोग डरे हुए हैं। टिहरी और डोबरा-चांटी के प्रवासियों ने बताया कि शनिवार की रात सबसे खौफनाक थी, जब उन्हें कई बार अपनी इमारतों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागना पड़ा। युद्ध के कारण दैनिक जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। डिपार्टमेंटल स्टोरों पर राशन, दवाइयों और पानी के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है। कई जगहों पर सब्जियों और बुनियादी सामान की भारी किल्लत हो गई है। कंपनियों ने अपनी साइट्स पर काम रोक दिया है और मजदूरों को सुरक्षित कैंपों में भेज दिया है। सबसे ज्यादा चिंता ईरान में फंसे भारतीयों को लेकर है, क्योंकि वहां इंटरनेट सेवाएं बंद होने के कारण परिजनों से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। हरिद्वार और देहरादून के दर्जनों छात्र और परिवार ईरान में फंसे हुए हैं, जिनसे पिछले 24 घंटों से कोई बात नहीं हो पाई है, जिससे उनके माता-पिता और सगे-संबंधी गहरे सदमे में हैं। इस वैश्विक संकट के बीच उत्तराखंड सरकार ने भी स्थिति पर नजर बनाए रखी है। राज्य की विशेष सचिव (गृह) निवेदिता कुकरेती ने बताया कि सरकार घटनाक्रम पर लगातार नजर रख रही है और केंद्र सरकार के निर्देशों का इंतजार किया जा रहा है। फिलहाल, राज्य का गृह मंत्रालय उन सूचनाओं और कॉल्स का डेटा जुटा रहा है जो सहायता के लिए आ रही हैं। विदेशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा और उनकी वापसी का मामला प्राथमिक रूप से केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय के अधीन है। प्रभावित परिवार फिलहाल विदेश मंत्रालय के पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज करा रहे हैं और अपनों की सुरक्षित घर वापसी की प्रार्थना कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)